डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹76,690 10 ग्राम
₹90,390 01 किलो
सेंसेक्स 77,155.79 -422.59
डॉलर 84.465 +0.110

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 07, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार, 22 नवंबर 2024, वर्ष-31, अंक-38, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-12 मोदी गुयाना के द ऑर्डर ऑफ ...

ग्रामीण बैंक बिलासपुर शाखा लूट कांड : शूटर समेत चार गिरफ्तार

■ तीन देशी कट्टा, एक पिस्टल व बाइक बरामद

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। नगर उंटारी पुलिस ने बिलासपुर ग्राम स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में असफल लूट कांड का खुलासा करने सफलता हासिल की है। घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके पास से तीन देशी कट्टा, एक पिस्टल, लूट कांड में प्रयोग बाइक भी जब्त कर लिया है। गुरुवार को स्थानीय थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि 23 अक्टूबर को बिलासपुर स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में लूट की घटना का प्रयास किया गया था। इस दौरान संबंधित शाखा प्रबंधक के साथ मारपीट करने का मामला के बाद नगर उंटारी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक टीम गठित किया गया था। अनुसंधान प्रारंभ करते हुए धुरकी थाना क्षेत्र के कदवा ग्राम निवासी पंकज पासवान, नगर उंटारी थाना क्षेत्र के सिंहपुर ग्राम निवासी शिव कुमार राम, चिनियां थाना क्षेत्र के चिनियां ग्राम निवासी विनय कुमार सिंह, उतर प्रदेश के गोंडा जिला के मानिकपुर थाना क्षेत्र के बनकसिया ग्राम निवासी दिव्यांश शुक्ला उर्फ सूरज शुक्ला को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि चारों आरोपियों ने घटना में संलिप्तता स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों के निशानदेही पर सदर थाना पलामू द्वारा थाना क्षेत्र के सिंगरा ग्राम निवासी लव शुक्ला के पास से तीन देशी कट्टा और एक पिस्टल तथा घटना में अंजाम में प्रयोग करने वाला बाइक उत्तर प्रदेश के बिढ़मगंज थाना से जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में रंका एसडीपीओ रोहित कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ के गांधीनगर पुलिस की भूमिका अहम रही। उन्होंने कहा कि छापेमारी दल में उनके शेष पेज 11 पर

प्रज्ञा केंद्र से 80 हजार रुपये की लूट सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई घटना

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पोखराहा स्थित एक प्रज्ञा केंद्र (सीएससी) से तीन अपराधियों ने 80 हजार रुपये नकद, एक लैपटॉप और एक मोबाइल फोन लूट लिया। सीएससी केंद्र संचालक राकेश मेहता ने बताया कि मंगलवार की रात लगभग 7:50 बजे एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति केंद्र पर आए। दो व्यक्तियों ने हथियार दिखाकर उनसे नकदी, लैपटॉप और मोबाइल छीन लिया, शेष पेज 11 पर

बैंक लूटेरों का हथियार रखने के मामले में लव शुक्ला को पुलिस ने भेजा जेल

मेदिनीनगर। गढ़वा जिला के श्रीबंशीधर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के विलासपुर शाखा में लूटपाट करने व फायरिंग करने वाले लूटेरों को सहयोग करने व हथियर रखने के आरोप में मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा खुर्द निवासी स्व निहोरा शुक्ला के पुत्र लव शुक्ला को हथियारों के साथ गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया। यह जानकारी गुरुवार को सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने दी। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर 2:00 बजे नगर उंटारी थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक अपने साथ नगर उटारी बैंक आर्म्स एक्ट में शामिल दिव्यांशु शुक्ला उर्फ सूरज शुक्ला (उम्र 25) पिता सिपाही लाल शुक्ला घर बनकसिया, शिवरतन सिंह जिला गोंडा (उत्तर प्रदेश), पंकज पासवान (उम्र 30) पिता उमेश पासवान कधवा थाना धुरकी, को गिरफ्तार कर साथ लाएं थे। उन्होंने बताया कि नगर उंटारी में बैंक लूट कांड में प्रयोग किया गया हथियार सदर थाना अंतर्गत सिंगर खुर्द गांव में लव शुक्ला के यहां रखा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस कप्तान के निर्देश पर एक टीम गठित कर सिंगरा खुर्द में लव शुक्ला के घर पर छापेमारी के लिए भेजा गया। छापेमारी में एक सिक्सर, तीन देसी कट्टा,तीन जिंदा कारतूस को बरामद किया गया। इस मामले में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी दल में शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, रंजीत कुमार, नवी अंसारी, रामलाल शर्मा व शहर थाना के अन्य पुलिस बल के जवान शामिल थे।

वृद्ध की मौत के बाद शव ले जाने का मामला तूल पकड़ा

▸▸ एमएमसीएच की लापरवाही उजागर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रेड़मा चौक पर हुए सड़क हादसे में घायल वृद्ध की मौत के बाद शव को बिना पोस्टमार्टम कराए ले जाने का मामला सामने आया है। यह घटना अस्पताल प्रशासन की लापरवाही को उजागर करती है।

बुधवार को रेड़मा चौक पर सड़क दुर्घटना में करीब 65 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। यातायात पुलिस ने घायल अवस्था में उन्हें मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान ईसीजी रिपोर्ट में उनकी मृत्यु की पुष्टि हुई।

अस्पताल प्रशासन की लापरवाही तब सामने आई जब बुधवार रात दो युवक वृद्ध को अपना दादा बताकर शव को बिना पोस्टमार्टम कराए लेकर चले गए। गुरुवार सुबह जब पुलिस पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंची, तो पता चला कि शव पहले ही गायब हो चुका था। अस्पताल अधीक्षक द्वारा उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज से घटना की पुष्टि हुई। फुटेज में रात 7:26 बजे दो युवक वृद्ध का शव ले जाते दिखे। एक युवक की उम्र करीब 18 साल और दूसरे की 25-30 साल के बीच बताई जा रही है। दोनों युवकों ने वृद्ध को गोद में उठाकर गेट तक पहुंचाया और फिर स्ट्रेचर पर रखकर ले गए।

ड्यूटी डॉक्टरों का बयान : घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर पी.पी. रानी और नौशाद आलम ने कहा कि वे एक अन्य इमरजेंसी केस में व्यस्त थे। इस कारण शव ले जाने की घटना पर ध्यान नहीं दिया जा सका।

शेष पेज 11 पर

खूंटी में पुत्र न होने से दुखी 4 बेटियों के पिता ने की खुदकुशी

खूंटी। मुरहू थाना क्षेत्र के सिंघा दुलुवा में बुधवार की देर रात चार बेटियों के एक पिता ने एक पेड़ पर फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली। मृतक कुंजला पंचायत की मुखिया सावित्री देवी का देवर था। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। स्वजनों से मिली जानकारी के अनुसार सिंगराय मुंडा की चार बेटियां हैं। बेटा ना होने के कारण वह तनाव में रहता था। बताया गया कि बुधवार देर रात सिंगराय मुंडा (45) बिना किसी को बताए घर से निकला था। रात में उसे घर में नहीं पाकर परिजनों ने आसपास उसकी खोजबीन की, लेकिन कहीं उसका पता नहीं लगा। गुरुवार की सुबह ग्रामीणों ने पेड़ पर फंदे से लटकता उसका शव देखा, जिसके बाद ग्रामीणों एवं पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर मुरहू पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सभी ईवीएम स्ट्रांग रूम सील : के. रवि कुमार

■ अभी दो स्तरीय सुरक्षा में है वज्रगृह

■ कल सुबह आठ बजे से मतगणना होगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को कहा कि दो स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था में सभी ईवीएम स्ट्रांग रूम (वज्रगृह) में स्क्रूटनी के बाद सील कर दिये गए हैं। पहले स्तर की सुरक्षा केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल के जिम्मे है। दूसरे स्तर की सुरक्षा व्यवस्था राज्य सशस्त्र बल के जवान संभाल रहे हैं। ये जानकारी उन्होंने गुरुवार को धुर्वा स्थित निर्वाचन सदन में पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन दो स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था त्रिस्तरीय हो जाएगी। तीसरे स्तर की सुरक्षा व्यवस्था राज्य पुलिस के जिम्मे होगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि दूसरे चरण में कुल 68.95 प्रतिशत मतदान हुआ है। पोस्टल बैलेट की गिनती के बाद मतदान प्रतिशत में और इजाफा होगा। उन्होंने बताया कि दोनों चरणों के मतदान का प्रतिशत 67.74 रहा है। मतदान में पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने ज्यादा मतदान किया है। वहीं, शहर की अपेक्षा ग्रामीण मतदाता मतदान में आगे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का फोकस इस बार समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को भी मतदान का हिस्सा बनाने पर था। इसके तहत सुदूर इलाके में जंगल-पहाड़ पर बसेरा करने वाले से लेकर अलग-थलग रहने वाले कुष्ठ पीड़ितों तक को योजनाबद्ध तरीके से मतदान के लिए प्रेरित किया गया। के. रवि कुमार ने बताया कि झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में जामताड़ा के हांसीपहाड़ी स्थित स्नेहपुर में कुष्ठ पीड़ित मतदाताओं के लिए बनाए गए विशेष मतदान केंद्र में सभी 57 मतदाताओं ने अपने मत का इस्तेमाल किया। सामुदायिक भवन के मतदान केंद्र (362 आईवाई) मिहिजाम स्थित स्नेहपुर कुष्ठ आश्रम को सहायक मतदान केंद्र के रूप में गठित किया गया था।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि राज्य के सभी 24 जिला मुख्यालयों में मतगणना केंद्र बनाए गऐ हैं। 23 नवंबर की सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती होगी। 8.30 बजे से ईवीएम के मतों की गिनती शुरू की जाएगी। पहले राउंड के मतगणना का रिजल्ट 9.30 बजे संभावित है। उन्होंने बताया कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 207 करोड़ की अवैध सामग्री और नकदी की जब्ती हुई है। वहीं, आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में कुल सौ केस दर्ज किए गए हैं।

दो तिहाई सीटें जीतकर वापसी कर रही हेमंत सरकार : सुप्रियो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि राज्य की जनता लंबे समय तक चुनाव में व्यस्त रही। अब साल के अंत में नई सरकार बन कर आएगी। उन्होंने दो तिहाई सीटों पर जीत का दावा किया। कहा कि दो तिहाई सीटें जीतकर हेमंत सोरेन की सरकार वापसी कर रही है, ये तय है। सुप्रियो ने कहा, गांव के मुकाबले शहर में वोटिंग कम हुई है। गांव के मुकाबले शहर के लोगों की अपेक्षाएं ज्यादा रहती हैं, लेकिन जब वोट करने का समय आता है, तब गायब हो जाते हैं। कहा कि ये चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि राजमहल, सारठ, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, सिमरिया, बगोदर, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, घाटशिला, जुगसलाई, जमशेदपुर, सरायकेला जैसे 59 ऐसे विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां आईएनडीआईए के उम्मीदवार जीत रहे हैं। हम दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाने जा रहे हैं, ऐसा आंकड़े बता रहे हैं।

23 नवंबर तक ख्वाबों की दुनिया में रहे झामुमो : प्रतुल शाहदेव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रेस वार्ता पर गुरुवार को पलटवार करते हुए कहा कि 23 नवंबर की शाम जब तक परिणाम नहीं आते, तब तक झामुमो ख्वाबों की दुनिया में रह सकती है। उन्होंने कहा यह कुछ भी दावे कर लें, छाती ठोक लें, लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद यह हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने की तैयारी में है।

प्रतुल ने कहा, यह पहली बार हुआ है कि कोई दल दस्तावेज जारी करके यह बता रहा है कि कितने सीटों पर वह जीत दर्ज करेगी और प्रतिद्वंद्वी कितने सीट पर हारने वाले हैं। कहा कि हास्यास्पद बात है कि इस दस्तावेज में जहां भी झामुमो कड़ा मुकाबला दिखा रहे हैं, वह सभी कांग्रेस के हिस्से वाली सीटें हैं। यानी, उन्हें अपने गठबंधन पर ही विश्वास नहीं।

प्रतुल ने कहा कि भले ही वह कागजों में जीत का बड़ा दावा कर रहे हों, लेकिन हकीकत में झारखंड की जनता ने राज्य के इतिहास की सबसे भ्रष्ट हेमंत सरकार को पूरे तरीके से खारिज कर दिया है। इस सरकार ने पिछले पांच वर्षों में सिर्फ लूट, खसोट और भ्रष्टाचार का कार्य किया है। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बनाकर संस्थागत रूप दे दिया। जनता पूरे तरीके से इनकी वादा खिलाफी से ऊब चुकी थी। 23 नवंबर को इनको बाहर का रास्ता दिखाने जा रही है।

प्रतुल ने कहा यह कागजों पर जीत का दावा कर रहे हैं। जमीनी हकीकत है कि जनता ने पूरे तरीके से गठबंधन को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। कोल्हान और संताल परगना प्रमंडल जिसे यह अपना गढ़ मानते थे, वहां भी उनकी करारी हार होने वाली है। भारतीय जनता पार्टी कई उन सीटों पर भी जीत दर्ज करने जा रही है, जहां उसने आजादी के बाद कभी जीत दर्ज नहीं की।

प्रतुल ने कहा, भाजपा के पक्ष में जबरदस्त माहौल था और सत्ताधारी दल को उखाड़ फेंकने का लोगों में संकल्प था। इसकी परिणति 23 नवंबर को दिखेगी, जब एनडीए गठबंधन दो तिहाई बहुमत से जीतेगा।

इंडिया

सोशल मीडिया पर ही लड़े जाने वाले हैं चुनाव तो निरंतर हो नजर

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

पांच छः चरणों के बजाय दो चरणों में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में पोस्टरों से सजी कार, बस या ऑटो में लगे झंडे, लाउडस्पीकर से प्रत्याशी को जिताने की अपील के साथ धुवांधार नारेबाजी और छोटे-छोटे प्लास्टिक या कागज के बिल्लों के लिए लपकते बच्चों वाला चुनाव प्रचार इस बार दिखा नहीं जैसे एक दशक पीछे होता था जिससे लगा नहीं चुनाव है। पर चुनाव आयोग के इस महापर्व ने छः इंच के मोबाइल फोन के स्क्रीन पर प्याले में तूफान मचा रखा था। पिछले एक दशक में तो फेसबुक, एक्स, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इन्स्टाग्राम, स्नेपचैट के रूप में सोशल मीडिया चुनाव प्रचार अभियान का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐसा होगा, जो इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल अपनी बात रखने और प्रतिद्वंद्वियों के आरोपों का जवाब देने के लिए न कर रहा हो। जनसंचार के टू-स्टेप थ्योरी के अलावा एक मनोवैज्ञानिक सच्चाई है कि हमें अनूठी और अद्भुत सूचनाएं चाहिए जो पारंपरिक माध्यम से हटकर हों या उसमें दबाई छुपाई गई हों। सूचनाओं को सबसे पहले और सबसे तेजी से पहुंचाने की होड़ में गलत,भ्रामक या डीपफेक से बनी फर्जी ऑडियो वीडियो में अंतर कर पाना बहुत आसान नहीं जबकि बहुत से लोग इन्हें सही मान लेते हैं जबकि मीडिया ने कुछ कहा या दिखाया उसे तुरंत नहीं मानते। उन्हें समझने के लिए एक ओपिनियन लीडर होता है, जिसकी बात सुनी और कई बार मानी भी जाती है।आज भारत में शौचालय से ज्यादा स्मार्ट फोन है और किसी ऐसे किसी व्यक्ति की सोशल मीडिया तक पहुंच का मतलब सोशल मीडिया के वर्चुअल प्रचार के वास्तविक दुनिया में विस्तार की संभावना कई रास्ते खोल रहा है और ढेरों सवाल भी खड़े कर रहा है। इस बार के चुनाव में बड़े नेताओं के अलावा अनजान की भी पहचान का माध्यम सोशल मीडिया ही बना। अनेक मुद्दे उछाले गए हालांकि भाषा और अशिक्षा की समस्या के कारण कुछ सामाजिक समूहों में अभी इंटरनेट का पर्याप्त विस्तार नहीं हुआ है जैसे दलित, आदिवासी, मुसलमान और ग्रामीण उन्हें प्रभावित करने के लिए उन्हीं की भाषा में तो इस बार कम प्रचार हुआ पर उनके घरवालों तक बहुत से संदेश जरूर पहुंचे अब देखना है उनमें यह किस रूप में असर दिखाएगा?सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के जरिये सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाने वाली सामग्री को चुनाव आचार संहिता के दायरे में लाने का फैसला 2014 के आम चुनाव के दौरान किया था।तब चुनाव आयोग का कहना था कि चुनाव में पारदर्शिता और बराबरी के अवसर बनाए रखने के लिये सोशल मीडिया पर नियंत्रण की जरूरत है।चुनाव आयोग का यह भी कहना था कि सोशल मीडिया पर चुनाव कानूनों का निश्चित रूप से उल्लंघन होता है।सोशल मीडिया में किए गए खर्च का

हिसाब देना अनिवार्य होगा साथ ही राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स से असत्यापित विज्ञापन, सुरक्षाकर्मियों की तस्वीरें, नफरत भरे भाषण व झूठी खबरें पोस्ट नहीं कर सकेंगे। ऐसा कोई भी कंटेंट पोस्ट करना प्रतिबंधित है, जिससे चुनावी प्रक्रिया बाधित हो या शांति, सामाजिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा उत्पन्न हो।जिला और राज्य स्तर पर मीडिया प्रमाणन और निगरानी समितियाँ बनाई गई हैं। प्रत्येक स्तर पर एक सोशल मीडिया विशेषज्ञ भी इस समिति का हिस्सा होगा। सोशल मीडिया पर जारी किये जाने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों के लिये इस समिति से पूर्व प्रमाणीकरण की आवश्यकता होगी। प्रभावी माध्यम है सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फेसबुक और एक्स के माध्यम से तो राजनीतिक दलों और राजनेताओं की सक्रियता स्पष्ट देखने को मिलती है। इधर पिछले कुछ समय से फेसबुक का एक फीचर फेसबुक लाइव चुनाव प्रचार का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है। जनसभाओं, रैलियों, नामांकन को बाकायदा लाइव प्रसारित किया जाता है। इसके अलावा राजनीतिक दल और बड़े नेता अपने फैंस क्लब सोशल मीडिया में चला रहे हैं। पार्टी के कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ ही विभिन्न विषयों पर अपनी बात लोगों के बीच रखने के लिए सभी बड़े राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया सेल बना रखे हैं। इनका काम समय-समय पर उठने वाले विभिन्न विषयों पर अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखने के लिये कंटेंट (ऑडियो-वीडियो) तैयार करना होता है, जिसे सोशल मीडिया में प्रस्तुत किया जाता है।फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने स्वेच्छा से एक आचार संहिता तैयार कर चुनाव आयोग को सौंपी थी इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आइएएमएआइ) और फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स, गूगल, शेयर चैट तथा टिक टॉक आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर यह आचार संहिता तैयार की थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि आगामी चुनावों के दौरान सोशल और डिजिटल मीडिया लोगों की राय को प्रभावित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा और इसकी अनदेखी करने वाले घाटे में रहेंगे।आवश्यकता इस बात की है कि सोशल मीडिया पर निरंतर नजर रखी जाए।

कोलकाता से पटना जा रही बस हजारीबाग के गोरहर में पलटी

सात यात्रियों की मौत 25 से अधिक घायल

▸▸ दो गंभीर रूप से घायल रिम्स रेफर

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा (हजारीबाग)। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड के गोरहर में गुरुवार की सुबह लगभग 6:30 बजे कोलकाता से पटना जा रही एक यात्री बस (वैशाली) अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में सात यात्रियों की मौत हो गई, शेष पेज 11 पर

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया शोक

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हजारीबाग में हुए सड़क हादसे पर शोक जताया है। राज्यपाल ने एक्स पर गुरुवार को ट्वीट कर कहा है कि हजारीबाग के बरकट्ठा में हुए सड़क हादसे की घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक शेष पेज 11 पर

कार से 30 पेटी शराब बरामद, मालिक और चालक पर प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददात

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना के दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार गुप्ता ने अवैध शराब से भरे कार से 30 पेटी टनाका शराब व कार बरामद किया है। ओपी प्रभारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि ग्राम देवरी कला से एक सफेद रंग की कार में अवैध देशी शराब लेकर दंगवार के रास्ते होते बिहार जाने के लिए निकली है। सूचना का सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई करने के लिए वरीय पदाधिकारी को सूचित कर सशस्त्र बल के साथ ओपी से जपला की ओर प्रस्थान किया। जैसे ही ग्राम नदियाइन के पास पहुंचा तो, देखा कि उक्त गाड़ी सड़क के किनारे खड़ी है। वाहन की जांच व सत्यापन के क्रम में पाया कि वाहन का गेट पीछे का डिक्की लॉक नहीं है। इसके बाद दो स्वतंत्र साक्षी के समक्ष उक्त वाहन में लदे कार्टून की गिनती करने पर अवैध शराब की 30 कार्टून बरामद किया गया। एक कार्टून को खोलकर देखने पर 25 पारदर्शी प्लास्टिक के बोतल में टनाका देशी शराब 300 एमएल लिखा पाया गया। एक कार्टून में 300 एमएल का 25 पीस अर्थात 30 कार्टून में देशी टनाका शराब को वाहन सहित जब्त कर दंगवार ओपी में सुरक्षार्थ रखा गया है। इस संबंध में हुसैनाबाद थाना में कार के मालिक, चालक व अन्य अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है। छापेमारी दल में खुद दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार गुप्ता व सशस्त्र बल हुसैनाबाद थाना शामिल थी।

कृषि तकनीकी सूचना केंद्र से चना बीज की चोरी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। कृषि तकनीकी सूचना केंद्र कार्यालय हुसैनाबाद में किसानों के बीच वितरण करने के लिए रखे गए चना बीज की चोरी हो गई है। इस संबंध में केंद्र के सहायक तकनीकी प्रबंधक जय गोविंद यादव ने हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। सहायक तकनीकी प्रबंधक जय गोविंद यादव ने हुसैनाबाद थाना को दिए आवेदन में कहा है कि वह 20 नवंबर की शाम करीब 5 बजे अपने कर्मियों के साथ कार्यालय बंद कर अपने घर चले गए थे। 21 नवंबर की सुबह जब कर्मियों के साथ कार्यालय आकर ताला खोलने पर देखा की खिड़की टूटी हुई है। साथ ही कार्यालय का एक दरवाजा भी टूटा है। कार्यालय में रखे गए चना बीज का अवलोकन करने पर पता चला कि कार्यकालय में रखे गए चना बीज गायब है। कुल 11 क्विंटल 40 किलो चना बीज नहीं मिला। जिसकी कीमत एक लाख आठ हजार आठ सौ सत्तर रुपए होती है। उन्होंने थाना प्रभारी से मामले की जांच कर अज्ञात चोरों का पता लगाने का आग्रह किया है।थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने कहा कि आवेदन के आधार पर इस मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है।

एक नजर

पुलिस ने अवैध शराब भट्टी ध्वस्त किया

हरिहरगंज। पिपरा थाना पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत टंडवा जगदीशपुर गांव में चल रहे अवैध शराब भट्टी को ध्वस्त किया है। साथ ही प्लास्टिक ड्रम में रखा करीब एक क्विंटल जावा महुआ को उसी स्थान पर नष्ट कर दिया। एसआई नकुल शर्मा ने बताया अवैध शराब के विरूद्ध पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अवैध शराब की धंधा करने वाले लोग इस गैर कानूनी धंधा को छोड़कर अच्छा जीवने का प्रयास करें। छापामारी अभियान में एसआई नकुल शर्मा व पुलिस जवान शामिल थे।

मार्ग शीर्ष मास में होता है श्री सीताराम विवाह महोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। मार्गशीर्ष मास (अगहन) में श्री विष्णु भगवान के कई स्वरुपों की पूजन करने का विधान हैं। विद्वान ज्योतिषाचार्य पंडित कुंडल तिवारी इस मास की महत्ता और विशेषता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रथम दिवस से सतयुग की प्रारंभता की मान्यता से स्नान, ध्यान, पूजा पाठ उत्तम माना जाता है। ब्रह्ममुहूर्त में स्नान पूरे मास करने का विशेष महत्व है। इसी मास में की कृष्ण पक्ष की एकादशी देवी के रुप में प्रगट हुई थी। जो उत्पन्ना एकादशी नाम से प्रसिद्ध हैं। इस मास की शुक्ल पक्ष एकादशी को मोक्षदायनी एकादशी पड़ती है। शुक्ल पक्ष पंचमी को श्री सीताराम विवाह महोत्सव भी होता है। साथ ही दत्तात्रेय जी की जयंती भी मनाई जाती है। इस मास में श्रीमदभागवद गीता का उदगम हुआ था। जिससे इस मास में गीता का पाठ करना काफी फलदायी माना गया है। इसी मास में चन्द्रमा के अमृतपान करने से अमृतमयी किरणें धरती पर बिखेरती है। भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह का दिन सप्त ऋषियों की सलाह से हिमवान जी ने निश्चित किया था। श्री विष्णु भगवान की कई स्वरुपों में पूजा पाठ, ध्यान करनें का काफी फल प्राप्त होता हैं।

डीडीयू रेल मंडल के पेंशनरों के लिए लाइफ सर्टिफिकेट वितरण कैंप कल तक

फेस आइडेंटिफिकेशन के लिए नई तकनीक से बनेगा डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट

▶ **गया डेहरी-ऑन सोन व सासाराम में लगा है कैंप**

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल (डीडीयू मंडल) से सेवानिवृत रेल कर्मचारियों के डिजीटल लाईफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) को लेकर गया, सासाराम और डेहरी-ऑन-सोन स्टेशन पर 21 से 23 नवंबर तक कैंप का आयोजन किया जा रहा है। डीडीयू मंडल की ओर से इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है। इसे संबंधित वाट्सएप ग्रुप में साझा किया गया है। इसमें बताया गया है कि इस रेल मंडल की ओर से डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 3.0 का आयोजन किया जा रहा है। इस विधि से पेंशनभोगियों को एंड्रॉइड स्मार्ट फोन पर आधार से जुड़े पहचान के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा मिलती है। इससे पहले पेंशनभोगियों को इसके लिए पेंशन वितरण संबंधित कार्यालयों के पास जाना पड़ता था। बता दें कि सोननगर-गढवा रोड रेलखंड के मोहम्मदगंज सहित 13 स्टेशन डीडीयू मंडल से संबद्ध हैं। इस क्षेत्र में भी सैकड़ों की तादाद में सेवानिवृत्त रेलवे पेंशनधारी हैं। जिन्हें भी डीएलसी की सुविधा उपलब्ध कराने का लाभ मिलेगा।

न्यूज बॉक्स

आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच गर्म वस्त्र का वितरण

हुसैनाबाद। नगर पंचायत हुसैनाबाद के कुम्हार टोली आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को गर्म वस्त्र बाल विकास परियोजना कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराया गया। बच्चों के बीच पूर्व वार्ड पार्षद सुहैल आलम व आंगनबाड़ी सेविका दमयंती देवी ने संयुक्त रूप से किया। वितरण के मौके पर सुहैल आलम ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले अधिकतर बच्चे गरीब परिवार से आते हैं। सरकार ने इन्हें गर्म वस्त्र उपलब्ध करा कर सराहनीय कार्य किया है। गर्म वस्त्र मिलने से बच्चे सुबह सुबह ठंड के मौसम में भी आंगनबाड़ी केंद्र आसानी से आ सकेंगे। इस मौके पर आंगनबाड़ी सहायिका गुड़िया देवी के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग, आक्रोशित ग्रामीणों ने काम रोका

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। रेहला बी मोड़ मुख्य पथ से गोदरमा गांव होते हुए उरसुला तक बन रहे तीन किमी सड़क कालीकरण कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। जिसे देख गुरुवार को ग्रामीण भड़क गये। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर हंगामा करते हुए कार्य को बंद करा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्राक्कलन की अनदेखी करते हुए कालीकरण कार्य में घोर अनियमितता बरती जा रही है। घटिया सामग्री से निर्माण किया जा रहा है, जिससे सड़क बनते ही कबड़ जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि इसकी शिकायत संबंधित विभाग के अधिकारी व उपयुक्त से करेंगे। हंगामा करने वालो में उदेश्वर यादव, अमीन अंसारी, सलीम अंसारी, महमुद्द अंसारी, रहमान अंसारी, महबूब आलम, हजरत अंसारी सहित कई ग्रामीणों का नाम शामिल है।

धान काट रहे किसान की विषैले जंतु के काटने से मौत

मेदिनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र के आकाबासा गांव निवासी अली मोहम्मद के 40 वर्षीय पुत्र निजाबुद्दीन अंसारी की धान काटने के क्रम में मंगलवार को विषैले जंतु के काट लेने से मौत हो गई। निजाबुद्दीन के परिजनों ने बताया कि वह मंगलवार की शाम में अपने खेत में धान काट रहा था। इसी दौरान विषैले जंतु ने काट लिया परंतु निजाबुद्दीन को समझ में नहीं आया और वह धान का बोझा सिर पर उठा कर खलिहान लौटा। घर पहुंचने पर उसे चक्कर आने लगा और फिर वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। उसके मुंह से झाग निकलने लगा। परिजनों ने उसे तत्काल छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया जहां आन ड्यूटी चिकित्सक ने उसे मृत घोषित किया। बुधवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

राजहारा स्टेशन पर शौचालय की व्यवस्था नहीं, यात्रियों को होती है परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार। राजहारा स्टेशन पर यात्रियों के लिये शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शौचालय के अभाव के कारण स्थानीय कर्मियों सहित यात्रियों को काफी दक्कत होती है। नतीजतन लोग इधर-उधर मल का त्याग करते हैं। राजहारा स्टेशन पर शौचालय का नहीं होना कहीं ना कहीं इसके लिये स्थानीय कर्मी भी जिम्मेवार है। जिला व प्रखंड प्रशासन प्रधानमंत्री के सपनों को पूरा करने में जुटे है। इसे ले गांव व टोले-मुहल्ले में कैंप लगाकर एसबीएम के तहत शौचालय का आवेदन लिया गया। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन व मनरेगा के तहत भारी संख्या में शौचालय का निर्माण कराया गया। राजहारा स्टेशन पर शौचालय निर्माण नहीं होने का दर्द स्थानीय कर्मी सहित यात्रियों को झेलना पड़ रहा है। शौचालय नहीं होने की सबसे ज्यादा परेशानी महिला यात्रियों को झेलना पड़ रहा है। इसकी शिकायत समय पर की जाती रही है, लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया। बता दें कि राजहारा स्टेशन प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये राजस्व विभाग को देता रहा है। राजहारा सीसीएल परिसर में बने कॉल साइडिंग से कोयले की रैंक यहां से भेजा जाता रहा है। करोड़ों रुपए राजस्व देने के बाद राजहारा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का अभाव बना है। यात्री सुविधाओं की परवाह रेलवे को जरा भी नहीं है।

कर्मियों के लिए प्लेटफार्म के बाहर शौचालय की व्यवस्था

स्टेशन परिसर व प्लेटफॉर्म पर शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है। शौचालय के अभाव में लोग यत्र-तत्र गंदगी फैलाते है। रेलकर्मियों की ओर से विरोध किया जाता है, लेकिन वह सुनने को तैयार नहीं। इसे ले हमेशा नोक-झोंक भी होता है। कर्मियों के लिये प्लेटफार्म के बाहर शौचालय की व्यवस्था है। जिसके लिये पानी दो सौ मीटर दूर से लाना पड़ता है। पानी की भी बड़ी समस्या है।

लेखपाल को सेवानिवृत के बाद दी गई विदाई

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। विश्रामपुर नप मुख्यालय में स्थित प्लस टू जनता उच्च विधालय में गुरुवार को विदाई समारोह में सेवानिवृत लेखपाल सीताराम मेहता को सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत नप के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडेत ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्जवलित कर किया। विदाई समारोह की अध्यक्षता जनता उच्च विद्यालय के प्राचार्य भोला राय व संचालन विनोद कुमार चौरसिया ने किया। सोमा खंडौत ने कहा कि सरकारी नौकरी में योगदान और कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत एक सामान्य प्रक्रिया है, जिससे सब को गुजरना पड़ता है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग कभी सेवानिवृत नहीं होते। बल्कि उन्हें समाज को जागृत करने की एक नई जवाबदेही अपने कंधों पर लेनी होती है। उन्होंने सीताराम मेहता के लंबी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त लेखापाल सीताराम मेहता ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले अनुभवों को साझा किया। कहा कि विश्रामपुर के लोगों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है,उसे जिंदगी भर भुलाया नहीं जा सकता। प्राचार्य भोला राय ने सीताराम मेहता के कार्यकाल की सराहना की। मौके पर जेबी उच्च विद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल कुमार सिंह, देवेश पाल, अनिल कुमार गुप्ता, मनोज कुमार, मनीष कुमार, अभिषेक कुमार, मुंसफ रजा, रिजवान अहमद,लाल सिंह, हिमांशु विश्वकर्मा,मोड्ड इरफान साजिद, मोड्ड अरसद हुसैन सहित कई लोग मौजूद थे।

सड़क का निर्माण कार्य अधूरे रहने से ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के देवरी खुर्द पंचायत के बनकट मोड़ से देवरी खुर्द मिडिल स्कूल तक राज्य समपोषित योजना अंतगर्त बनने वाली पीसीसी सड़क योजना के अधूरे रहने से ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। चार माह पूर्व उक्त सड़क का शिलान्यास किया गया था। बनकट गांव निवासी व ग्रामीण घूरा प्रसाद पाल ने बताया कि उक्त सड़क के निर्माण में काफी अनियमितता बरती जा रही है। इस संबंध में उन्होंने पलामू डीसी व ग्रामीण विकास के कार्यपालक अभियंता से शिकायत करने की बात कही हैं। इसमें मिट्टी का समुचित उपयोग नहीं किया गया है। पूर्व की मिट्टी को बराबर कर घटिया छरी गिराकर लिपापोती की जा रही हैं। इसके अधूरे रहने से लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है।

नव निर्मित दुर्गा मंदिर छत ढ़लाई में शामिल हुए थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड अंतर्गत राजपुर ग्राम के ग्रामीणों ने गुरुवार को नव निर्मित दुर्गा मंदिर छत ढ़लाई में लेस्लीगंज थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता शामिल होकर श्रमदान किया। मौके पर ग्रामीणों ने फूल माला देकर थाना प्रभारी का स्वागत किया। पंडित रविन्द्र पांडेय ने विधिवत पूजा कराने के बाद थाना प्रभारी ने मंदिर छत ढ़लाई का कार्य प्रारंभ नारियल फोड़कर और पहली कढ़ाही उठा कर ढ़लाई कार्य का शुभारंभ व श्रमदान किया। उन्होंने दुर्गा मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों व ग्रामीणों को बधाई दी। मंदिर निर्माण में हर संभव सहयोग करने की बात कही। साथ ही इस प्रकार के धार्मिक आयोजन में शामिल होने से उर्जा का संचार होता है। परिणामस्वरूप और अधिक उर्जा के साथ सामाजिक क्षेत्रों में काम करने की शक्ति मिलती है। समाज के हर वर्ग के लोगों को इस तरह के कार्यो में आगे आना चाहिए। ढ़लाई कार्य में उपस्थित लोगों ने बढ़चढ़ कर आर्थिक सहयोग दिया। मौके पर दुर्गा मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष भोलानाथ साव, सचिव निरंजन साव, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार साव, मधेश्वर साव, राजेश्वर साव, जयमंगल साव, रामाशीष साव, मनोज साव, सोनू कुमार सहित कई सम्मानित सदस्य उपस्थित थे।

सम्मान

पलामू के दो ज्योतिषी आईआईएम यूनिवर्सिटी मेरठ में सम्मानित

ज्योतिष वेद की आंखे है : रवि रंजन प्रभु

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के सरौना गांव निवासी पंडित रवि रंजन प्रभु व मेदिनीनगर के वीरेंद्र दुबे को 17 नवंबर को मेरठ में आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में एआईएफए के संस्थापक अरुण बंसल द्वारा उन्हें ज्योतिष मार्तंड का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पलामू पहुंचने पर कई लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं व बधाई दी है। इस संबंध में पंडित रवि रंजन प्रभु ने बताया कि ज्योतिष वेद की आंखें हैं। यह पूर्ण रूप से गणित और भूगोल की गणना है। यदि ज्योतिषी गणना करके उपचार किया जाए तो बड़ी से बड़ी समस्याओं को सरल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि उठो जागो निराश मत हो क्योंकि सितारे बोलते हैं। मनुष्य के जीवन में होने वाला बदलाव कहीं ना कहीं ग्रहों के आधार पर होता हैं। इसलिए विकट परिस्थिति में व्यक्ति को घबराना नहीं चाहिए। ज्योतिष के अंदर सभी प्रकार समाधान है।

दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ ने किया समाज के लिए मिशाल कायम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी प्रखंड के लोहरसी गांव निवासी दहेज मुक्त सेवा संघ झारखंड के पलामू जिला अध्यक्ष दिनेश मेहता ने दहेज मुक्त विवाह करके समाज के लिए एक मिशाल कायम किया। संघ द्वारा वर दिनेश मेहता, वधु शिवांजली कुमारी को मोमेंटो, सर्टिफिकेट व सहयोग राशि देकर सम्मानित किया गया। संघ के जिला मंत्री रामस्वरूप महतो ने कहा कि यह समाज के लिए अच्छा संदेश है। उन्होंने कहा कि संघ द्वारा लगभग 50 जोड़े विवाह हो चुका है। संघ के हजारीबाग जिला अध्यक्ष अमरदीप कुमार ने कहा कि यह संस्था झारखंड के साथ पूरे भारत में जागरूकता कार्यक्रम कर रही है। संस्था दहेज मुक्त शादी करने के लिए प्रेरित कर रही है। सभी जब भी अपने बच्चों को शादी करें तो खुशी महसूस होगी। बेटा व बेटी में अंतर नहीं माना जायेगा। लोग बेटियों के पैदा होने पर अपमान महसूस नहीं करेंगे। मौके पर अमरदीप कुमार, रामस्वरूप महतो, दानवीर कुमार, अरुण राम, दिनेश मेहता, विनय मेहता, सुनील मेहता, पप्पू मेहता, कविता देवी, बिंदू देवी उपेंद्र गोस्वामी, मदन गोस्वामी समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

सदर थाना क्षेत्र में लाखों की लूट, गार्ड के साथ मारपीट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंगर ग्राम के अमानत नदी के पीछे स्थित एक शराब दुकान और एक फर्नीचर दुकान में चोरी की घटना हुई है। इस घटना में अपराधियों ने दुकान के गार्ड मंजीत सिंह (42 वर्ष, पिता स्व. बुधनाथ सिंह) के साथ पहले मारपीट की और लाखों रुपये की लूटपाट की।

घटना के अनुसार, अपराधियों ने रात में लगभग 1 से 2 बजे के बीच गार्ड मंजीत सिंह पर हमला किया। पड़ोसी फर्नीचर दुकान के मालिक संतोष कुमार यादव के अनुसार, उन्होंने गार्ड की चीख-पुकार सुनी और अपने बेटे को जाँच करने भेजा। उनके बेटे ने देखा कि कुछ हथियारबंद अपराधी गार्ड पर हमला कर रहे थे और उसके साथ मारपीट कर रहे थे। सभी अपराधियों के चेहरे ढके हुए थे। मारपीट के बाद अपराधियों ने गार्ड तथा फर्चिनर दुकान मालिक संतोष यादव तथा उनके पुत्र को गमछा से हाथ बांध दिया। अपराधियों ने शराब दुकान से शराब की कई बोतलें और लगभग बीस हजार रुपये नकद लूटे। पास ही स्थित फर्नीचर दुकान से भी 23,700 रुपये की नकदी लूट ली गई।

सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय अपने टीम के साथ पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोल्हुआ गांव में चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस तलाश में जुटी

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड के पूर्वडीहा पंचायत के कोल्हुआ गांव में एक ही सोमवार की रात दो बंद घरों में हुई चोरी की घटना के बाद अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जानकारी के अनुसार, चोरों ने दोनों घरों में एक ही तरीके से चोरी की थी। इन घरों के दरवाजों में मजबूत ताले लगे थे, फिर भी चोर आसानी से चोरी कर निकल गए। घरों से महंगे आभूषण और नगदी समेत 10 लाख रुपये की चोरी होने का अनुमान है। बताया गया कि कोल्हुआ निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक बिंदेश दूबे अपने बच्चों और परिवार के साथ वाराणसी में रहते हैं, जबकि दूसरे घर के मालिक मनोज दूबे अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहते हैं। बिंदेश दूबे के घर से 4 सेट गहने और 1 लाख रुपये नगद चोरी हुए, जबकि मनोज दूबे के घर से 2 लाख रुपये के गहने और 10 हजार रुपये नकद चोरी हुए। इस घटना के बाद गांव में नाराजगी और गुस्सा है। पूर्व मुखिया प्रत्याशी विकास दुबे ने कहा कि यह गांव में पहली बार इस तरह की बड़ी चोरी की घटना हुई है। गांववालों का शक है कि कबाड़ी वाले लोग बंद घरों की रेकी करते हैं, फिर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

ठंड का असर शुरू : तापमान में गिरावट, बढ़ रहे सर्दी-जुकाम के मामले

रेवती रमण

मेदिनीनगर। पलामू में ठंड ने दस्तक दे दी है और इसका असर साफ तौर पर देखा जा रहा है। दिन में जहां हल्की धूप का आनंद लिया जा सकता है, वहीं शाम होते ही ठंड का प्रकोप बढ़ जाता है। लोग अब स्वेटर, टोपी और मफलर पहनकर बाहर निकल रहे हैं। सुबह के समय घना कोहरा भी नजर आने लगा है, जिससे ठंड का एहसास और बढ़ गया है।

लोगों ने ठंड से बचाव के लिए रजाई और कंबल निकाल लिए हैं। ठंड के बढ़ने के साथ ही सर्दी, खांसी और जुकाम के मरीजों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। अस्पतालों में वायरल बुखार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

आगे और बढ़ेगी ठंड : शाम होते ही सड़कें खाली नजर आने लगी हैं, और लोग पहले की तुलना में कम बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट हो सकती है। नवंबर के अंत तक ठंड का असर पूरे पलामू क्षेत्र में पूरी तरह फैल जाएगा। इसके साथ ही ठंड से जुड़ी बीमारियों में बढ़ोतरी होने की आशंका है।

तापमान में लगातार गिरावट

अक्टूबर के अंतिम दिन पलामू का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस था। 11 नवंबर को न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 16 नवंबर को घटकर 14.5 डिग्री सेल्सियस हो गया। गुरुवार को यह और गिरकर 12.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछले तीन सप्ताह में अधिकतम तापमान में लगभग 7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 11 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है।

अब तक शुरू नहीं हो पाया वेंडर जोन का निर्माण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में फुटपाथ विक्रेताओं के लिए बड़ा तालाब के पास प्रस्तावित वेंडर जोन का निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया है। इस वेंडर जोन में 100 लोगों के बैठने, सामान रखने और शौचालय जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जानी थीं। इसका उद्देश्य फुटपाथ विक्रेताओं को व्यवस्थित और स्थायी स्थान उपलब्ध कराना था।

2.81 करोड़ की परियोजना अधर में : वेंडर जोन का निर्माण 2.81 करोड़ रुपये की लागत से नवजीवन कंस्ट्रक्शन कंपनी को करना है। इस परियोजना का कार्य आदेश सितंबर में जारी किया गया था। लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। कंस्ट्रक्शन कंपनी ने भूमि पर अतिक्रमण को इसकी मुख्य वजह बताया है। नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने के प्रयास शुरू किए हैं। निगम के असिस्टेंट इंजीनियर सुधीर प्रसाद ने बताया कि प्रस्तावित निर्माण स्थल पर कई लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। जब तक यह अतिक्रमण नहीं हटता, निर्माण कार्य शुरू करना संभव नहीं है।

फुटपाथ विक्रेताओं की समस्याएं जारी : मेदिनीनगर में निगम बनने के बाद भी फुटपाथ विक्रेताओं के लिए कोई स्थायी जगह नहीं है, जहां वे अपनी वस्तुएं बेच सकें। मजबूरी में विक्रेता बाजार और सड़कों पर अतिक्रमण कर सब्जी, फल और अन्य सामान बेचते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है।

अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू : गुरुवार को सिटी मैनेजर अनुराग कुमार के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने के लिए टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देकर अपने सामान हटाने का निर्देश दिया गया। जल्द ही अतिक्रमण मुक्त कर निर्माण कार्य प्रारंभ करने की योजना है। वेंडर जोन का निर्माण पूरा होने के बाद फुटपाथ विक्रेताओं को लाभ मिलेगा और बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या भी काफी हद तक कम हो जाएगी।

विद्यालय संचालक ने गुमशुदा बच्चे को परिजनों को सौंपा

मेदिनीनगर। ब्राइट स्टार विद्यालय बैरिया के संचालक मनीष कुमार तिवारी ने मानवता का परिचय देते हुए एक भटकते हुए बच्चे को उसके परिजनों को सौंपा। जानकारी के अनुसार, विद्यालय के वैन चालक को यह बच्चा कजरी में मिला था। बच्चा अपना नाम पीयूष सिंह और पिता का नाम उदय सिंह बता रहा था। वैन चालक और संचालक ने मिलकर बच्चे के परिजनों का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन जब कुछ पता नहीं चला, तो वे उसे सदर थाना ले गए। जांच के बाद पता चला कि वह बच्चा भंडरिया का रहने वाला है और एक निजी विद्यालय के हॉस्टल में रहकर मेदिनीनगर में पढ़ाई कर रहा है। इसके बाद उसे सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

मतगणना प्रक्रिया की समीक्षा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दिए अहम निर्देश

▸▸ मतगणना तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव 2024 के तहत मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने सभी आरओ (रिटर्निंग ऑफिसर), मतगणना से जुड़े पदाधिकारियों और कर्मियों के साथ बैठक की। यह बैठक समाहरणालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने मतगणना केंद्र के अंदर और बाहर की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश द्वार, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, पहचान पत्र, पेयजल, साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की स्थापना पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने ईवीएम के स्ट्रांग रूम से काउंटिंग हॉल तक के सुरक्षित परिवहन के लिए मैनपावर को चिन्हित करने और उनके टी-शर्ट पर नंबरिंग करने की व्यवस्था करने को कहा।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर प्रतिबंध : उन्होंने काउंटिंग हॉल में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, जैसे मोबाइल फोन, के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और इस निर्देश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर बल दिया।

राउंड वाइज रिजल्ट की घोषणा : प्रत्येक राउंड के बाद परिणाम की घोषणा के लिए उच्च गुणवत्ता वाले माइक्रोफोन की व्यवस्था पर जोर दिया गया। साथ ही, मतगणना कर्मियों को सुबह 7 बजे काउंटिंग स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए।

डाक मतपत्र और ईटीबीपीएस काउंटिंग : डाक मतपत्र और ईटीबीपीएस (इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम) की मतगणना के लिए भी सभी तैयारियां समय पर पूरी करने की बात कही गई। बैठक में पांचों आरओ, सभी एआरओ (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर) और विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हम पार्टी ने कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया

मेदिनीनगर। गुरुवार को रेड़मा स्थित ठाकुरबाड़ी में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा पलामू प्रमंडल की एकदिवसीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक सह मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बंगाल प्रदेश अध्यक्ष सतदुरू राय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी ने कहा कि हम पार्टी के विचार को जन-जन तक पहुंचाना है और कमेटी विस्तार पर जोर दिया। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई, जिसमें एनडीए से चुनाव जीतने वाले प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देने और भविष्य की रणनीति पर विचार किया गया। इस मौके पर मनिका प्रत्याशी अतुल कुमार सिंह, छतरपुर विधानसभा प्रत्याशी कन्हाई राम, एससी एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष चंदन कुमार भुइयां सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

एमएमसीएच में मरीजों को नहीं मिल रहे कंबल, ठंड में हो रही परेशानी

मनीष कुमार तिवारी

मेदिनीनगर। पिछले एक सप्ताह में तापमान में करीब 10 डिग्री की गिरावट से ठंड का असर बढ़ गया है। इसका प्रभाव मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) में भी साफ देखा जा रहा है। अस्पताल में सर्दी, खांसी, बुखार और दुर्घटनाओं से घायल मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। खासकर मेडिसिन विभाग में मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा है।

हालांकि, अस्पताल प्रशासन मरीजों की ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने में विफल साबित हो रहा है। भर्ती मरीजों को कंबल उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। इस स्थिति में मरीज या तो अपने घर से कंबल लाने को मजबूर हैं या ठंड में ठिठुरते हुए परेशान हो रहे हैं। मरीजों ने शिकायत की है कि बेड पर केवल एक बिछाने की चादर दी गई है, जबकि ठंड से बचाव के लिए कंबल की जरूरत है।

स्टाफ की लापरवाही का आरोप : एक अस्पताल कर्मचारी ने खुलासा किया कि कई बार मरीजों को दिए गए कंबल अस्पताल से बाहर ले जाया जाता है, जिससे कंबलों की कमी हो जाती है। वहीं, प्रभारी अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आरके रंजन ने कहा कि अस्पताल में कंबल उपलब्ध हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि स्टाफ की लापरवाही के कारण कंबल मरीजों तक नहीं पहुंच रहे हैं। डॉक्टर रंजन ने निर्देश दिया है कि सभी मरीजों को तत्काल कंबल उपलब्ध कराए जाएं ताकि ठंड की वजह से उनकी हालत और न बिगड़े।

प्रशासन से उम्मीदें : अस्पताल प्रशासन के निर्देशों के बाद मरीजों को ठंड से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह घटना अस्पताल में सुविधाओं की कमी और स्टाफ की लापरवाही की ओर स्पष्ट इशारा करती है। मरीजों ने अस्पताल प्रबंधन से ठंड में राहत प्रदान करने के लिए बेहतर व्यवस्था की मांग की है।

मरीजों की शिकायत

अस्पताल में भर्ती रानी देवी (खुशीगंज, छतरपुर), हाफिज आलम (पकरिया, पांकी), पिंकी कुमारी (कुल्ही उतरी रोड), मदन विश्वकर्मा (कंचनपुर, छतरपुर), और कुंदन कुमार (लेस्लीगंज) सहित कई मरीजों ने बताया कि कंबल उपलब्ध नहीं होने की वजह से उन्हें अपने घर से कंबल लाने पड़े। 65 वर्षीय जुगुल राम (राजहरा), जो ऑपरेशन के बाद पिछले आठ दिनों से भर्ती हैं, ने कहा कि कंबल की अनुपलब्धता के कारण ठंड सहन करना मुश्किल हो रहा है।

ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर ने फायरिंग अभ्यास का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। एनसीसी की 44वीं बटालियन द्वारा आयोजित कैंप के छठे दिन कैडेट्स को विभिन्न प्रकार की ड्रिल और अभ्यास सिखाए गए। इसके अलावा, उन्हें फायरिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया। यह एनसीसी कैंप मेदिनीनगर के एक निजी इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया है, जिसमें पलामू, गढ़वा और लातेहार के विभिन्न विद्यालयों से 185 कैडेट्स भाग ले रहे हैं। इनमें 33 लड़कियां भी शामिल हैं। गुरुवार को रांची से पहुंचे ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर आरके सिंह ने कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने फायरिंग अभ्यास का निरीक्षण करने के बाद कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि 'एक नागरिक के लिए हमेशा राष्ट्र प्रथम होना चाहिए।' एनसीसी युवाओं को कर्तव्य, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की भावना से प्रेरित कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए अवसर प्रदान करता है। यह युवाओं में साहस, नेतृत्व, भाईचारे, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, और खेल भावना जैसे गुणों का विकास करता है।

एनसीसी के उद्देश्य और प्रशिक्षण : एनसीसी बटालियन के सीओ कवरदीप सहानी ने बताया कि एनसीसी न केवल कैडेट्स को टीम वर्क और सामुदायिक सहभागिता सिखाती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व को निखारने और सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

25 नवंबर को होगा समापन : यह कैंप 25 नवंबर को समाप्त होगा। इस दौरान कैडेट्स को अनुशासन और साहसिक गतिविधियों के साथ-साथ देशभक्ति और सामाजिक सेवा की भावना का पाठ पढ़ाया जा रहा है।

नवंबर में नदियों के जलस्तर में कमी छोटी नदियां सूखने के कगार पर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर तीन ओर से नदियों से घिरा हुआ है। हालांकि यह क्षेत्र रेन शैडो एरिया होने के कारण यहां वर्षा अपेक्षाकृत कम होती है। इस वर्ष, कई वर्षों बाद पलामू जिले में जमकर बारिश हुई थी, जिसके कारण सभी छोटे-बड़े नदी-तालाब, पोखर और डैम पानी से लबालब हो गए थे। मेदिनीनगर शहर के बगल से गुजरने वाली कोयल नदी अपने पूरे उफान पर थी, वहीं अमानत नदी में भी जलस्तर बढ़ गया था। सदर क्षेत्र से गुजरने वाली मलय नदी में भी कई वर्षों बाद जलस्तर में बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन नवंबर के अंत होते-होते इन नदियों का जलस्तर काफी कम हो गया है।

अभी से ही नदी के एक हिस्से में धारा बह रही है, और अधिकांश हिस्से में रेत दिखाई देने लगी है। मेदिनीनगर शहर के आसपास बांध बनाने की मांग दशकों पुरानी है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, जिससे वर्षा का जल बेकार हो जाता है। कोयल नदी के दाहिने हिस्से से होकर धारा गुजर रही है, और अब नदी के आधे हिस्से में रेत दिखने लगा है। जलस्तर में लगातार कमी आ रही है। अमानत नदी में छठ पर्व के बाद जलस्तर में भारी गिरावट आई है, और कई स्थानों पर नदी में घुटने भर पानी ही बचा है। मलय नदी का जलस्तर भी घट चुका है, जिससे इस नदी में जल प्रवाह में कमी आई है। छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को नदी में स्नान करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। गुरसूती और टेढ़वा जैसे छोटे नालों में पानी का प्रवाह पूरी तरह रुक चुका है, और इन स्थानों पर अब झाड़ियां उग आई हैं। हालांकि, कचरवा डैम इस वर्ष पूरी तरह भरा हुआ है, जो पिछले 4 वर्षों में पहली बार हुआ है। नदियों के जलस्तर में कमी के गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। शनिवार को विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होंगे। बरसात कम होने के कारण इलाके में गर्मी के दिनों में जल की भीषण किल्लत हो सकती है। चुनावों के दौरान जनप्रतिनिधि अक्सर कोयल और अमानत नदी को बांधने का वादा करते हैं। इस बार भी, डाल्टनगंज विधानसभा के विभिन्न प्रत्याशियों ने इसे अपनी प्राथमिकता में रखा है। अब यह देखना होगा कि चुनावी वादों को पूरा करने के बाद क्या वे इस पुरानी मांग को लागू करते हैं या नहीं।

दर्शन का वास्तविक जीवन में महत्व : डॉ. अंबालिका प्रसाद

■ सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी विश्व दर्शनशास्त्र दिवस की समारोह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। योध सिंह नामधारी महाविद्यालय के पीजी डिपार्टमेंट फिलॉस्फी और जीएलए कॉलेज ने गुरुवार को संयुक्त रूप से विश्व दर्शनशास्त्र दिवस मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में डीएसडब्ल्यूए, एनपीयू की डॉक्टर अंबालिका प्रसाद ने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने दर्शनशास्त्र के वास्तविक जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला और छात्राओं को दर्शन दिवस की शुभकामनाएं दीं।

योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज की शिक्षिका डॉक्टर शोभा रानी और डॉक्टर विभेष कुमार चौबे ने कहा कि दर्शनशास्त्र ग्लोबल समस्याओं को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव ने कहा कि दर्शन सभी विषयों में समाहित है और इसका क्षेत्र काफी विस्तृत है।

कार्यक्रम में कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुति सलोनी और अंजली द्वारा दी गई। पूजा कुमारी और रितंभरा रानी ने कविता प्रस्तुत की। इसके अलावा, एक दार्शनिक शो भी प्रस्तुत किया गया जिसमें प्रथम स्थान ईशा दुबे, द्वितीय स्थान अर्चना और तृतीय स्थान प्रिया ने प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में शाहीन, अंजलि तिवारी और अंजलि कुमारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में अंजली ने प्रथम और कल्पना तिवारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दार्शनिकों के विचारों का प्रदर्शन छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। पेंटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दर्शनशास्त्र विभाग की व्याख्याता डॉक्टर ललित भगत ने स्वागत भाषण दिया। मंच संचालन डॉ. ललिता भगत और डॉ. सुप्रिया सोनालिका ने संयुक्त रूप से किया। डॉ. पुराण साव ने अपने दार्शनिक गीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर अन्ना हंसदा ने किया। कार्यक्रम में डॉ. मीना कुमारी, डॉ. मशरीक जहां, डॉ. जेनिफर गुडिया, डॉ. मिनी टुडू, डॉ. संगीता कुजूर, डॉ. दीपक पंडित, डॉ. नीलम पांडे, डॉ. पुराण कुमार साव, डॉ. विकाश साव, डॉ. विकाश चौधरी, डॉ. बी. एन. रॉय और कई छात्राएं उपस्थित थीं।

हटिया आनंद विहार झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस जनवरी तक रद्द

मेदिनीनगर। ठंड और कोहरे के कारण कई ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया गया है। इस कड़ी में रांची से चलकर मूरी, बरकाकाना, डाल्टनगंज होते हुए आनंद विहार (नई दिल्ली) जाने वाली झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस भी रद्द कर दी गई है। हटिया आनंद विहार स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस (12873) को अप में 2 दिसंबर से 9 जनवरी 2025 तक और 12874 डाउन को 3 दिसंबर से 10 जनवरी 2025 तक रद्द किया गया है। यह ट्रेन सप्ताह में हटिया से नई दिल्ली आनंद विहार रेलवे स्टेशन के लिए सोमवार, मंगलवार और गुरुवार को चलती है, जबकि वापसी में आनंद विहार से हटिया के लिए मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को चलती है। रांची और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले मध्यम दर्जे और मजदूर श्रेणी के यात्री इस ट्रेन का प्रमुख उपयोग करते हैं। ठंड के मौसम में हर साल यह ट्रेन रद्द कर दी जाती है, जिससे यात्रियों में नाराजगी हो रही है। दक्षिण पूर्व रेलवे ने गुरुवार को एक पत्र जारी कर कोहरे के प्रभाव के कारण कई ट्रेनों के रद्द होने की जानकारी दी है।

एसटीएफ ने धुरकी कनहर तटीय बालू घाटों का किया औचक निरीक्षण

गैर कानूनी धंधे में शामिल लोगों पर कार्रवाई होगी: एसडीएम

एसडीएम ने कहा कि उन्हें इसकी सूचना पहले से मिल रही थी कि कनहर तटीय सामो बालू घाट से अवैध खनन परिवहन और सुरक्षित वन क्षेत्रो में अवैध बालू डंप किया जा रहा है। एसडीएम ने कहा कि जो गैर कानूनी धंधे में शामिल हैं उन पर विभागीय कार्रवाई की जायेगी। जिला खनन अधिकारी राजेंद्र उरांव ने कहा कि सामो घाट से बालू का खनन और परिवहन किया जा रहा है। एसडीपीओ सत्येंद्रनरायण सिंह ने कहा कि बालू का अवैध परिवहन कर जंगल में पेड़ों की कटाई कर रास्ता बनाया गया है। संलिप्त सभी लोगों पर कार्रवाई होगी। इस दौरान अंचल अधिकारी जुल्फिकार अंसारी, थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, खनन निरीक्षक बीपी महतो, फॉरेस्टर प्रमोद कुमार, एएसआई शैलेंद्र कुमार सहित पुलिस कर्मी वन कर्मी शामिल थे।

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। अवैध बालू खनन व परिवहन पर रोक लगाने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने गुरुवार को प्रखंड के कनहर तटीय प्रतिबंधित बालू घाटों का निरीक्षण किया। स्पेशल टास्क फोर्स का नेतृत्व कर रहे बंशीधरनगर अनुमंडल के एसडीएम प्रभाकर ने सुबह अंबाखोरया पंचायत अंतर्गत परास पानीकला गांव स्थित कनहर तटीय बालू घाट पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। एसडीएम के साथ डीएमओ राजेंद्र उरांव, एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, वन क्षेत्र अधिकारी प्रमोद कुमार के साथ थे। अधिकारियों का वाहन का काफिला बालू घाट की तरफ जाते देख कर अवैध रूप से बालू का कारोबार व खनन परिवहन और डंप करने वाले लोगों मे हड़कंप मच गया। टास्क फोर्स टीम में शामिल एसडीएम और एसडीपीओ ने अवैध तरिके से बालू का उठाव और खनन करने की तस्वीर देखकर चिंता जाहिर की। उन्होने स्वीकार की कि यहां से बड़े पैमाने पर बालू का अवैध खनन दिन और रात दोनों समय किया जाता है। सामो घाट पर ट्रैक्टर के अलावा जेसीबी मशीन से बड़े-छोटे हाइवा और टीपर वाहनों से परिवहन करने का अवशेष मिला है। सामो घाट के अगल-बगल सुरक्षित वन क्षेत्रों में बालू का अवैध डंप भी किया गया है। सुरक्षित वनों का दोहन करते हुए अलग-अलग कई अवैध रास्ते भी बनाए गए हैं।

नव प्राथमिक विद्यालय में डेढ़ साल से चापाकल खराब

अधिकारी मौन, बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड के नव प्राथमिक विद्यालय चिरैयाटांड़ में पिछले डेढ़ साल से चापाकल खराब होने के कारण स्कूल के बच्चे शुद्ध पेयजल से वंचित हैं। इस समस्या के चलते बच्चे दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता के बावजूद स्थानीय अधिकारियों द्वारा अब तक कोई समाधान नहीं किया गया है। विद्यालय के प्रधान शिक्षक मिथलेश पाल ने बताया कि चापाकल की मरम्मत के लिए कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। पानी की कमी के कारण बच्चों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि दूषित पानी से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। विद्यालय प्रबंधन समिति और ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को पंचायत और जिला प्रशासन के समक्ष भी उठाया, लेकिन कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। अभिभावक भी इस स्थिति को लेकर बेहद नाराज और चिंतित हैं, क्योंकि बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।बच्चे प्यासे और अस्वस्थ महसूस करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। इस गंभीर समस्या पर अधिकारियों की चुप्पी और उदासीनता ने ग्रामीणों और स्कूल प्रशासन को निराश कर दिया है। अब स्थानीय लोग और अभिभावक उच्च अधिकारियों से अपील कर रहे हैं कि जल्द से जल्द चापाकल की मरम्मत कराई जाए और बच्चों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मुहैया कराई जाए, ताकि उनकी सेहत और शिक्षा दोनों सुरक्षित रह सकें।

एक नजर

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक घायल

चिनियां। थाना क्षेत्र के चिनियां दुर्गा मंडप के समीप गुरुवार को 3:30 बजे हुए एक मोटरसाइकिल दुर्घटना में 30 वर्ष युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आस पास के लोगों की मदद से पास के ही एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। वहां घायल युवक का इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेराल थाना क्षेत्र के कुसमही गांव निवासी शिवलाल कोरवा अपने मोटरसाइकिल से चिनियां गढ़वा से घर कुसमही जा रहा था। इस बीच चिनियां दुर्गा मंडप के पास सड़क के किनारे खड़ी पिकअप वाहन में मोटरसाइकिल टक्कर हो गई। इससे वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रखंड कार्यालय में एक माह से जलमीनार खराब

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थित जलमीनार पिछले एक माह से खराब है। प्रखंड कार्यालय व अस्पताल आने-जाने वाले आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि उक्त जलमीनर प्रखंड कार्यालय में मुख्य गेट के समीप स्थित है, जिससे प्रखंड कार्यालय और सामुदायिक अस्पताल में आने वाले लोगों के साथ आस पास के दुकानदार उक्त जलमीनर के पानी का उपयोग करते थे। ग्रामीणों ने कहा कि प्रखंड प्रशासन सहित संबंधित विभाग को कई बार अवगत कराकर बनाने का आग्रह किया गया। बावजूद अभी तक जलमीनार की मरम्मत के लिए पेयजल विभाग की तरफ से कोई पहल नहीं की गई। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी नंदजी राम ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं हैं।

डीएवी भवनाथपुर में नए चेयरमैन का किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल भवनाथपुर टाउनशिप में डीएवी भवनाथपुर के नए चेयरमैन श्याम उज्जवल मेधा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर व गायत्री मंत्र के साथ किया गया। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र सचदेवा ने नए चेयरमेन को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मौके पर दिया सजाओ प्रतियोगिता व रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को चेयरमैन ने पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। विद्यालय के चेयरमैन श्याम उज्जवल मेधा मुख्य अतिथि के रूप में बच्चों के बीच पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने विद्यालय की सराहना करते कहा कि डीएवी विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान नहीं करता बल्कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में अच्छे संस्कार भी भरने के लिए बहुत ही सुंदर तरीके से दैनिक प्रार्थना सभाएं साप्ताहिक हवन भी करता है। इससे बच्चों में एकाग्रता व आध्यात्मिकता का विकास होता है। कहा कि विद्यालय के कई बच्चे चिकित्सा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में और प्रशासनिक क्षेत्र में भी उपलब्धि प्राप्त की है। मौके पर ओपी सिंह, संजय राय भट्ट, शौकत अली, सूरज सिंह, प्रवीण पांडेय, अनिल द्विवेदी, गणेश त्रिवेदी सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

पिकअप को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया बरामद ,रमना से हुई थी चोरी

नवीन मेल संवाददाता

रमना। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार कि रात्रि रमना बाजार मुख्य सड़क एनएच 75 स्थित त्रिवेणी लाल के घर के बाहर खड़ी पिकअप चोरी हो गया। चोरी की जानकारी पिकअप के मालिक त्रिवेणी लाल को सुबह चला। उन्होंने इसकी सूचना रमना थाना को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कार पिकअप की खोजबीन शुरू कर दिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी अनिमेष शन्तिकारी ने बताया कि पुलिस कि तत्परता से गाड़ी को गया जिला के पराय थाना ने बरामद कर लिया। इसकी सूचना रमना थाना को दी गयी है। इसके बाद चोरी हुई पिकअप को रमना थाना लाया गया।

शिक्षकों व कर्मियों को ईपीएफ दस्तावेज जमा करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। खरौंधी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईईओ) प्रतिभा कुमारी ने सहायक अध्यापकों, बीआरपी, संकुल साधन सेवियों और एमआईएस समन्वयक को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) से संबंधित दस्तावेज जल्द से जल्द जमा करने का आदेश दिया है। इस संबंध में एक आधिकारिक पत्र जारी किया गया, जिसमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता संख्या और अन्य जरूरी दस्तावेजों को प्रखंड संसाधन केंद्र, खरौंधी में दो दिनों के भीतर जमा करने की बात कही गई है। यह निर्देश सरकार द्वारा शिक्षकों और अन्य कर्मियों के हित में हुए समझौते के तहत जारी किया गया है। दस्तावेजों की समय पर जमा होने से संबंधित कर्मियों को ईपीएफ का लाभ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। बीईईओ ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया में देरी करने वालों पर आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। यह कदम कर्मियों को उनके भविष्य को सुरक्षित करने और ईपीएफ योजना के लाभों का फायदा दिलाने के लिए उठाया गया है। सभी संबंधित कर्मियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने दस्तावेज जमा करने को कहा गया है।

टेंपों दुर्घटना में चालक की मौत

मेराल। थाना क्षेत्र के बाना गांव निवासी सुनील विश्वकर्मा पिता छेदी विश्वकर्मा के 32 वर्षीय की मृत्यु बीती रात्रि टेंपो दुर्घटना में हो गई। जानकारी के अनुसार सुनील टेंपो लेकर मेराल से अपने घर बाना आ रहा था। इस बीच बाना हाई स्कूल के मुख्य द्वार के सामने मुख्य सड़क पर ब्रेकर की चपेट में आने से टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे सुनील को टेंपो से दब जाने के कारण घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर मेराल पुलिस ने गुरुवार की सुबह बना गांव पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुनील बहुत ही गरीब व्यक्ति था। 1 वर्ष पहले जमीन बिक्री कर टेंपो लिया था। टेंपो चला कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बुधवार की रात्रि मुख्य सड़क पर बिजली पोल रख मिट्टी डालकर बनाए गए ब्रेकर के चपेट में आने से दुर्घटना का शिकार हो गया। इससे उसकी मौत हो गयी। सुनील अपने पीछे पत्नी कविता देवी के साथ दो लड़की रागिनी 11 वर्ष, ज्योति 9 वर्ष तथा 6 वर्ष का बेटा सत्यम कुमार को छोड़ गया।

लंबित आवास कार्य करें पूरा नहीं तो होगा सार्टिफिकेट केस

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड कार्यालय के सभागार में बीडीओ प्रशांत कुमार ने पंचायत सहायकों के साथ बैठक प्रखंड में लंबित प्रधानमंत्री आवास कार्य को शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। प्रखंड में कुल 177 लंबित प्रधानमंत्री आवास है। बीडीओ ने कहा है कि अगर लाभुक शीघ्र आवास कार्य पूरा नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध सर्टिफिकेट केस कर पैसों की वसूली की जाएगी। उन्होंने पंचायत सहायकों को लाभुकों को प्रेरित कर शीघ्र प्रधानमंत्री आवास कार्य पूरा कराने की अपील की। मौके पर प्रभारी ब्लॉक कॉर्डिनेटर अनूप कुमार, पंचायत सहायक राजकिशोर सिंह, कुंदन प्रसाद, सुमंती देवी, सुनील राम, भोला पासवान, रवि बैठा, रामाशंकर प्रसाद, प्रदीप विश्वकर्मा, प्रेमचंद यादव, धीरेन्द्र राम सहित आवास मित्र उपस्थित थे।

थाना प्रभारी ने सड़क सुरक्षा को लेकर की अपील

चिनियां। थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को लेकर चिनियां थाना प्रभारी अमित कुमार ने सोमवार को क्षेत्र की जनता से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण सड़कों पर अतिक्रमण, तेज रफ्तार से वाहन चलाना और यातायात नियमों की अनदेखी शामिल है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह सड़कों पर गिट्टी, बालू आदि नहीं गिराएं और न ही सड़क किनारे पशु बांधें, क्योंकि इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है।

आदेश

डीजे बजाने वाले पर होगी प्राथमिकी दर्ज

एसडीओ ने डीजे मालिकों के साथ की बैठक, दिया निर्देश

आदेश का पालन आवश्यक

हाईकोर्ट के इस निर्देश का मुख्य उद्देश्य ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करना है। थाना प्रभारी ने सभी डीजे मालिकों से सहयोग की अपील की और नियमों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी उल्लंघन की स्थिति में सख्त कार्रवाई होगी। यह प्रतिबंध क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। डीजे मालिकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें और नियमों का पालन करें।

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। हाईकोर्ट के निर्देश के तहत मझिआंव प्रखंड क्षेत्र में डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) संजय कुमार के आदेशानुसार, सभी थाना प्रभारियों और अंचलाधिकारियों को डीजे मालिकों के साथ बैठक कर इस निर्देश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। गुरुवार को मझिआंव थाना परिसर में थाना प्रभारी आकाश कुमार ने प्रखंड क्षेत्र के डीजे मालिकों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि हाईकोर्ट के निर्देशानुसार अब डीजे बजाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने डीजे मालिकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई डीजे बजाते हुए पाया गया, तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि वे डीजे बजाने के किसी भी प्रयास को रोकें। बैठक में क्षेत्र के प्रमुख डीजे मालिक में विकास मालाकार, गुप्तेश्वर माली, अभिमन्यु सिंह, सुरेंद्र शर्मा, सूर्यमणि सिंह, सुचित कुमार पासवान, शेख नाजीर, रंजीत कुमार, नवाज खान, नसीम अंसारी, सिद्धांत कुमार कुशवाहा, जियाउल हक्क खां, श्रवण राम, राम सुंदर बैठा और हमाद अहमद शामिल थे।

स्कूल में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। प्रखंड के लातदाग गांव में डीएवी लीला वचन पब्लिक स्कूल में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं नामांकन में त्रुटि को लेकर चर्चा की गई। स्कूल के निदेशक सुरेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि अभिभावकों द्वारा बालक-बालिकाओं के चहुंमुखी विकास के लिए आयोजित होने वाली शिक्षक-अभिभावक बैठक में अवश्य भाग लें। अभिभावकों के गोष्ठी में भाग लेने से मनोबल बढ़ेगा। साथ ही सुझाव व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से स्कूल चलाने में सहायता होगा। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष पारसनाथ विश्वकर्मा, शिक्षक रिजवान अंसारी कमरुद्दीन अंसारी नागेंद्र ठाकुर सूफिया नाहिद अमिता कुमारी एवं अभिभावक उपस्थित थे।

अबुआ आवास जल्द पूर्ण करे लाभुक : पंचायत सचिव

नवीन मेल संवाददाता

मनिका। मनिका प्रखंड अंतर्गत सिंजो पंचायत में गुरूवार को पंचायत सचिव आत्मा सिंह ने क्षेत्र भ्रमण कर अबुआ आवास के दर्जनों लाभुकों के निमार्णाधीन आवास का जांच की। इस दौरान आत्मा सिंह ने कहा कि पंचायत में जिन ग्रामीणों को अबुआ आवास आवंटित किया गया है, वह अपना आवास ससमय पूर्ण करें। पंचायत स्तर पर सभी लाभुकों को अबुआ आवास में हो रही किसी भी समस्याओं का तत्परता से निदान किया जायेगा। जिन लाभुको ने अबुआ आवास निर्माण के लिए मिले प्रथम किस्त का कार्य पूर्ण कर लिया है। उन्हें जल्द दूसरी किश्त की राशि का भी भुगतान कर दिया जायेगा। साथ ही पंचायत सचिव ने कहा कि वैसे लाभुक जो आवास निर्माण के लिए प्रथम राशि का भुगतान के बावजूद आवास का निर्माण कार्य शुरू नहीं कर रहें हैं, आवास निर्माण में शिथिलता बरत रहे हैं, वैसे लाभूकों पर विधि सम्मत कारवाई कर राशि की वसूली की जायेगी। सिंजो पंचायत के सिंजो बाड़ी यमुना देवबार नतबेलवा आदि गांव में अबुआ आवास का पंचायत सचिव द्वारा निरीक्षण किया गया।

मतगणना कक्ष में मोबाइल या इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की अनुमति नहीं होगी : उपायुक्त

लातेहार मनिका विधानसभा क्षेत्र के लिए 16-16 टेबल लगाया जायेगा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला के दोनों विधानसभा सीट लातेहार व मनिका का मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मतगणना की प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न करने को लेकर निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि पॉलिटेक्निक कॉलेज में बने मतगणना केंद्र में 23 नवंबर की सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलट से हुए मतदान की गिनती की जायेगी। इसके बाद 8:30 बजे से इवीएम के माध्यम से हुए मतदान की गिनती होगी। इवीएम से हुए मतदान की गिनती के लिए लातेहार और मनिका विधानसभा क्षेत्र के लिए 16-16 टेबल लगाया गए है। पोस्टल बैलेट के मतों की गिनती के लिए 10-10 टेबल लगाया जायेगा। उपायुक्त ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों व कर्मियों को ससमय उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मतगणना कक्ष में किसी भी प्रकार का मोबाइल या इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की अनुमति नहीं होगी। उपायुक्त ने मतगणना केंद्र में सुरक्षा-व्यवस्था को पुख्ता बनाने संबंधित निर्देश दिया। मतगणना प्रक्रिया में शामिल सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को मतगणना प्रक्रिया के पूर्व प्रशिक्षण देने से संबंधित जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों से मतगणना प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए समय पर मतगणना प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। मतगणना के लिए उपयोग में आने वाले स्टेशनरी सामग्रियों की उपलब्धता व गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, अनुमंडल पदाधिकारी, महुआडांड़ बिपिन कुमार दुबे, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा चुनाव मतगणना के दिन जिला प्रशासन 23 नवंबर को राजकीय पॉलिटेक्निक, लातेहार में मतगणना होना है। इसे लेकर जिला प्रशासन दृष्टिगत व पॉलिटेकनीक, लातेहार का सिंगल सड़क होने के कारण जाम की समस्या से बचने के लिये प्रशासन ने रूट प्लान तैयार किया है। कई स्थल पर ड्रॉप डाउन गेट रहेगा।
जुबली चौक से 2.5 किलोमीटर में रेहड़ा मोड़ (अम्वाटीकर जाने वाले रास्ते में)
कुरा मोड़ (यात्री शेड के आगे)
धर्मपुर मोड़ पर (बाजार जाने वाले रास्ते पर)
रेहड़ा मोड़ से होकर कुरा मोड़ तक मतगणना कर्मी, पदाधिकारी की गाड़ी को छोड़कर किसी भी प्रकार के वाहन का परिचालन मतगणना समाप्ति तक वर्जित रहेगा।

सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप, जांच की मांग

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। सड़क निर्माण विभाग ने हेरहंज से लाटू फुलसु होते बारियातू तक बन रही सड़क चौड़ीकरण व मजबूतीकरण परियोजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का मामला प्रकाश मे आया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क का निर्माण लगभग 72 करोड़ रुपये की लागत से की जा रही है, जिसकी कुल लंबाई 23.3 किलोमीटर है। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक दिनेश चंद्र अग्रवाल ने नियमों की अनदेखी करते हुए गुणवत्ता से समझौता किया है। पुराने कालीकरण सड़क को उखाड़ कर उससे निकले मलबे को डस्ट के साथ मिलाकर निर्माण कार्य में उपयोग किया जा रहा है। जबकि निर्माण में जेएसपी (जगह-जगह स्टोन पिचिंग) का इस्तेमाल किया जाना था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि निर्माण में बोल्डर की मात्रा बहुत कम रखी गई है। इसके अलावा, बिना पानी पटाए ही रोलर चलाकर सड़क मजबूतीकरण का कार्य किया जा रहा रहा है। यह सब चुनावी माहौल का फायदा उठाकर हो रहा है। उन्होंने कहा कि संवेदक नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है, और इसका सीधा असर सड़क की गुणवत्ता और स्थायित्व पर पड़ेगा। गौरतलब है कि हेरहंज से लाटू फुलसु होते हुए बारियातू तक सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम ने 16 मार्च 2024 को किया था। उन्होंने कहा था कि इस सड़क निर्माण कार्य में किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी,वही ग्रामीणों ने उपायुक्त और संबंधित विभाग से अपील की है कि सड़क निर्माण कार्य की गहन जांच कराई जाये।

सरना धाम में गरीब बच्चों के बीच वितरित किए गए गर्म वस्त्र

नवीन मेल संवाददाता

गारू (लातेहार)। मानस मणि दीप सेवा संस्थान सरना धाम में पूजनीय माता व रमेश आचार्य महाराज ने गरीब बच्चों के बीच गर्म वस्त्र वितरित किया इस अवसर पर 80 बच्चों को स्वेटर, धोती और कुर्ता प्रदान किया गया। बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा थी। सारना धाम के संत श्री नागेश्वर स्वामी दिव्य गुरुकुल में 120 गरीब अनाथ बच्चे निःशुल्क शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यह बच्चे न केवल पढ़ाई कर रहे हैं बल्कि उन्हें आश्रम द्वारा भोजन और वस्त्र भी उपलब्ध कराए जाते हैं। संस्थान के अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि गरीब और अनाथ बच्चों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि इन बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए। इस उद्देश्य से माता ने सभी बच्चों को गर्म वस्त्र प्रदान किया। कार्यक्रम में गुरुकुल के शिक्षकों और गुरुजनों ने भी भाग लिया और बच्चों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए और संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यहां मिलने वाली सुविधाएं उनके जीवन को संवारने में मददगार हैं। बारेसाढ़, मायापुर, गारू,कर्रवाई, कोटाम, कबरी के स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सारना धाम जैसे संस्थान समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। गरीब बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा रहें हैं।

समस्यओं के समाधान के लिए संघर्ष करते रहेंगे : रणधीर प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला के न्यू रेलवे स्टेशन परिसर में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन (ईसीआरकेयू) बरकाकाना शाखा के शाखा पार्षद शिव प्रसाद राम की अध्यक्षता में बैठक हुई। संचालन रंजीत कुमार ने किया। बैठक में रेल यूनियन की मान्यता के लिए 4, 5 व 6 दिसंबर को होने वाले चुनाव पर चर्चा की गई। ईसीआरकेयू के कार्यकारी अध्यक्ष रणधीर प्रसाद ने कहा कि इस चुनाव में मौका परस्तों से बचने की जरूरत है। कहा कि अब तक रेलकर्मियों के हर सुख, दुःख और हर समस्या में ईसीआरकेयू ने साथ दिया है। आगे भी हम सभी साथ मिलकर हर समस्या के समाधान के लिए संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि लातेहार की धरती क्रांतिकरियों की धरती है। उन्होंने इस बात पर जोर देकर कहा कि एआईआरएफ एवं ईसीआरकेयू द्वारा ही ट्रैकमेंटेनर की प्रमुख मांग एलडीसीई ओपन टू ऑल को हल किया जाएगा। एआईआरएफ प्रमुख गोपाल मिश्रा ने 22 अक्टूबर, 2024 को हाजीपुर के मंच से ऐलान कर दिया है कि चुनाव उपरांत ट्रैकमेंटेनर की समस्या को प्रमुखता दिया जाएगा। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष ने रेल कर्मियों से एकजुट एवं गोलबंद होकर ईसीआरकेयू को वोट देकर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। मौके पर अरविन्द कुमार, मो. सनाउल्लाह, संतोष ठाकुर, रविकांत कुमार, मुकेश कुमार, दिनेश कुमार यादव,जितेन्द्र सोनी, सत्येंद्र कुमार, रंजीत कुमार, चंदन कुमार, विजय कुमार, संजीव कुमार, विवेक कुमार, आशुतोष कुमार चंद्रवंशी, आशुतोष कुमार, नन्दलाल चौधरी, कमल किशोर, दीपक कुमार सिंह, विकास कुमार पांडेय ,नवीन कुमार, अमृतेश कुमार, सुनील कुमार, प्रवीण कुमार बड़ी संख्या में रेल कर्मी मौजूद थे।

अभियंता ने ऊर्जा मित्रों के साथ की बैठक, दिया निर्देश

बिजली बिल वसूली पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जोरी पावर हाउस में गुरुवार को बिजली विभाग के अभियंता हरिमोहन चौधरी की अध्यक्षता में ऊर्जा मित्रों की बैठक हुई। अभियंता ने ऊर्जा मित्रों को कहा कि मुख्यालय से लेकर गांवों तक समय से और सही से बिजली बिल उपलब्ध कराएं। इसके बाद उपभोक्ताओं से बिजली बिल जमा करवाएं। साथ ही उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से आग्रह किय कि मीटर अवश्य लगवाएं। ऊर्जा मित्रों को विद्युत संबंधित कार्य को समय से करने का निर्देश दिया। इसके अलावा क्षेत्र में नियमित विद्युत आपूर्ति हेतु ऊर्जा मित्रों को कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में जेई प्रेम दास, सुपरवाइजर पिंटू कुमार, ऊर्जा मित्र मो. जाहिद, महफूज अंसारी, रविंद्र कुमार, राकेश कुमार यादव, पंकज पासवान, प्रगुण कुमार, पवन मिस्त्री, राजू मिस्त्री सहित हंटरगंज, कुंदा, प्रतापपुर तीनों प्रखण्ड के ऊर्जा मित्र और विद्युत कर्मी उपस्थित थे।

एक साल से बिजली गायब, ग्रामीणों ने उपायुक्त से लगाई गुहार

नवीन मेल संवाददाता

गारू (लातेहार)। लातेहार जिले के गारू प्रखंड स्थित रुद गांव के लोग पिछले एक साल से बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। 11 हजार वोल्ट की लाइन में फॉल्ट के कारण पूरे गांव में बिजली आपूर्ति ठप है। इससे ग्रामीणों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता से गुहार लगाई कि गांव में जल्द से जल्द बिजली सेवा बहाल कराई जाए। गांव के ग्राम प्रधान कमल कांत उरांव, पूर्व जीप सदस्य सुखदेव उरांव का कहना है कि सीमाखास से रुद गांव तक बिजली का पोल व तार तो लगाए गए हैं, लेकिन तार में फॉल्ट के कारण रुद गांव अंधेरे में डूबा हुआ है। ग्रामीणों ने राजू उरांव, किसुन उरांव ने बताया कि बिजली की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। शाम के समय अंधेरे में बच्चों को पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा मोबाइल चार्जिंग, पानी की उपलब्धता और अन्य दैनिक जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने कहा कि कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। अब तक बिजली की समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही रुद गांव में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो वह आंदोलन करने को मजबूर होंगे। गारू प्रखंड के सुरकुमी, हेनार, कुजरूम समेत अन्य इलाकों में भी बिजली नहीं है। मारोमार में भी बिजली की स्थिति खराब है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से अपील की है कि इस बिजली की समस्या को गंभीरता से लिया जाए और जल्द ही बिजली की समस्या से समाधान किया जाए।

मतगणना को लेकर कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। विधानसभा आम चुनाव 2024 के निमित जिले के सिमरिया और चतरा विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराने के बाद जिला प्रशासन मतगणना के तैयारी में लग गया है। वोटों की मतगणना चतरा कॉलेज चतरा में होना है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी की जा रही है। मतगणना के कार्य के सफल संचालन हेतु गुरुवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण हॉल चतरा में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप के निर्देश पर ईवीएम, वीवीपैट मशीन को विहित प्रक्रिया के तहत तथा संबंधित कंट्रोल यूनिट, बैलेट पेपर, साविधिक, असाविधिक पैकेट को निर्धारित बक्सा में सीलिंग किये जाने के लिए विधानसभावार प्रतिनियुक्ति पदाधिकारियों व पर्यवेक्षकों, कर्मियों को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।
उक्त प्रशिक्षण 10 बजे पूर्वाह्न से 1 बजे अपराह्न तक सभी संबंधित को दिया गया। इस प्रशिक्षण भवन में 2 बजे से मतगणना के लिए मतगणना स्थल पर मतगणना संबंधी कार्य और अन्य मतगणना संबंधी विभिन्न कार्य किये जाने के लिए प्रतिनियुक्त मतगणना पदाधिकार, पर्यवेक्षक व कर्मियों को मतगणना से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

"सुदृढ़ प्रजातंत्र हेतुवृहत्तर सहभागिता"
समाहरणालय, लातेहार
(निर्वाचन शाखा)

आम सूचना

विधान सभा आम चुनाव 2024 के क्रम में दिनांक 23.11.2024 को राजकीय पोलिटेकनीक, लातेहार में निर्धारित मतगणना कार्य के दृष्टिगत एवं पोलिटेकनीक, लातेहार का Single Route होने के कारण जाम की समस्या से बचने के लिये निम्नवत् रूट प्लान तैयार किया गया है :–

अधोलिखित सीनों पर Drop Down Gate रहेगा:–

- जुबली चौक से 2.5 किलोमीटर में रेहड़ा मोड़ (अम्वाटीकर जाने वाले रास्ते में)
- कुरामोड़ (यात्री शेड के आगे)
- धर्मपुर मोड़ पर (बाजार जाने वाले रास्ते पर)

रेहड़ा मोड़ से होकर कुरामोड़ तक मतगणना कर्मी/पदाधिकारी की गाड़ी को छोड़कर किसी भी प्रकार के वाहन का परिचालन मतगणना समाप्ति तक वर्जित रहेगा।

उक्त सूचना आमजनों के सूचनार्थ प्रकाशित। जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, लातेहार

PR 340246 (Election)24-25*D

हड़ताल पर गए चालक व उप चालक, कहा-कंपनी मांगें पूरी करें

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। हेरहंज थाना क्षेत्र के लात जंगल में मंगलवार की रात्रि लातेहार-नवादा मार्ग पर तुबेद कोल माइंस से कोयला परिवहन कार्य में लगी पांच हाइवा में जेपीसी उग्रवादियों ने आग लगा दी थी। घटना के बाद कोयला परिवहन कार्य में लगे अन्य हाइवा के चालक व उप चालक तथा मालिक दहशत हैं। मंगलवार की रात्रि हुई उग्रवादी घटना के बाद चालक व उप चालक हड़ताल पर चले गए हैं। इस कारण कोयला परिवहन का कार्य पूरी तरह ठप हो गया है। चालकों का कहना है कि परिवहन के दौरान लगातार उग्रवादी घटनायें हो रही है। ऐसी घटनाओं से वह काफी दहशत में हैं। चालकों ने उग्रवादी या अपराधिक घटनाओं में चालक व उप चालक की मौत होने पर ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के द्वारा 20 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की। इसके अलावा ऐसे परिवारों को 15 हजार रुपए पेंशन प्रति माह देने और घटनाओं में घायल होने पर इलाज का पूरा खर्च व 10 हजार रुपए पेंशन देने की मांग की। चालकों ने कहा कि ट्रांसपोर्ट कंपनी द्वारा चालकों को 12 घंटा ड्यूटी करने का दवाब दिया जाता है। चालकों ने कहा कि वह मात्र आठ घंटा ही ड्यूटी करेंगे। चालकों के हड़ताल पर चले जाने की सूचना पर कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने चालकों से बात की। चालकों की मांग पर कंपनी के अधिकारियों ने कोयला परिवहन के दौरान होने वाली घटनाओं में मौत होने पर 15 लाख का मुआवजा और घायल होने पर समुचित इलाज कराने का मौखिक आश्वासन दिया, लेकिन चालक लिखित मांग पर अड़े थे। इस कारण कोई नतीजा नहीं निकल सका। इन सब मांगों को लेकर कोयला ट्रांसपोर्टिंग का कार्य कर रहे हाईवा मालिकों ने भी अपनी मांग रखी है। कहा कि ऐसी घटनाओं के होने से वाहन चालकों को काफी नुकसान हो रहा है। मौके पर मो, आरिफ, निरंजन कुमार रवि, तबारक, करीम अंसारी, जय सिंह, अजमुद्दीन, अखिलेश सिंह, धीरज कुमार, कुलदीप यादव, राम प्रजापति, जमीर अंसारी, तनवीर, दिलकश राज और गोपाल दास समेत कई चालक मौजूद थे।

उपद्रव मचाने वाले 32 नामजद व 60 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज

प्रतापपुर (चतरा)। प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गणेश होटल के समीप बुधवार शाम ट्रैक्टर के धक्के से मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई थी। वहीं दुर्घटना से आक्रोशित परिजन के साथ कुछ ग्रामीण थाना पहुंचे और परिसर में व थाना के गेट के पास जमकर हंगामा किया। इससे कुछ देर थाना परिसर व आसपास विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गई। आक्रोशितों की मांग थी कि तुरंत ट्रैक्टर को जब्त करने के साथ ट्रैक्टर मालिक को गिरफ्तार किया जाए। ऐसा नहीं हो पाने के कारण लोगों ने हंगामा मचाते हुए पुलिस विरोधी नारा लगाए। थाना प्रभारी कासिम अंसारी ने बताया कि थाना परिसर में उपद्रव मचाने को लेकर थाना में 32 लोगों को नामजद व 50-60 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही ट्रैक्टर को जब्त कर मालिक पर भी प्राथमिक दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ANNEXTURE 47
FORMATS C-1 and CA
Format C-1

(for candidate to publish in Newspaper, TV)

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 5 36 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name and address of candidate : **Jagannath Prasad Singh, Moh- Bariya, P.O.- Sunda, P.S.- Daltonganj Town, Disrt.- Palamu, Jharkhand- 822102**
Name of political party : **National Congress Party (NCP)**
Name of Election : **LEGISLATIVE ASSEMBLY 2024**
Name of Constituency : **76 DALTONGANJ**

I JAGANNATH PRASAD SINGH (name of candidate), a candidate for the abovementioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

(A) Pending criminal cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case (s)	Section (s) of Acts concerned and brief description of offence (s)
1	Sri Ananda Singh	GR 1195/2021, (02-06-2021)	Appearance	U/s-406, 420, 427 of I.P.C
2	Mis Rashim Chandel	Comp. Case-2435/2023 (18-09-2023)	Appearance	U/s-338 of N.I.Act.

(B) Details about cases of conviction for criminal offences

Sl. No.	Name of Court & date(s) of order	Description of offence (s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed

In the case of election to Council of states or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of name of constituency.

Sd/-
JAGANNATH PRASAD SINGH
National Congress Party (NCP)
Candidate: 76 DALTONGANJ

सड़क दुर्घटना में तीन मोटरसाइकिल सवार घायल, एक की मौत

नवीन। सेन्हा-लोहरदगा

सेन्हा थाना क्षेत्र के मुस्लिम मुहल्ला स्थित छोटी मस्जिद के समीप अनियंत्रित हो कर मोटरसाइकिल बिजली खम्भा से जा टकराया। जिसमे सवार तीन व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल गये। घायलों को 108 एम्बुलेंस के मदद से सदर अस्पताल में कराया गया. बताया जाता है की दुर्घटना के पश्चात मोटरसाइकिल जे एच 01 सी आर 0684 पर सवार तीनो लड़का गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायलों की पहचान अलग अलग थाना क्षेत्र के रूप में किया गया। सेन्हा थाना क्षेत्र के कोयनार टोली निवासी धर्मा उरांव के 14 वर्षीय पुत्र पंकज उरांव तथा झखरा जितिया टोली निवासी स्वर्गीय मनोज उरांव का 16 वर्षीय पुत्र विजय उरांव जो फिलहाल में नानी घर कोयनार टोली में रहता था। तीसरा घायल लड़का का पहचान गुमला जिला अंतर्गत घाघरा थाना क्षेत्र के गोया निवासी प्रदीप उरांव का 17 वर्षीय पुत्र मनोज उरांव के रूप में किया गया है। सभी घायलों को इलाज हेतु 108 एम्बुलेंस की मदद से सदर अस्पताल लोहरदगा में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान पंकज उरांव एवं विकास उरॉव की स्वास्थ्य स्थिति को चिंताजनक बताते हुए बेहतर इलाज हेतु रांची रिम्स रेफर कर दिया। वही प्राप्त जानकारी के अनुसार रांची रिम्स में इलाज के दौरान पंकज उरांव की मौत हो गई। जबकि विजय उरॉव का स्वास्थ्य स्थिति चिंताजनक बताया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में तीन युवक घायल, एक रिम्स रेफर

लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा जंगल के समीप बुधवार देर शाम बाइक सड़क दुर्घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों मे सेन्हा थाना क्षेत्र के कोइनार टोली निवासी मनोज उरांव के 18 वर्षीय पुत्र प्रदीप उरांव, धर्म उरांव के 18 वर्षीय पुत्र ,पंकज उरांव, मनोज उराव के 22 वर्षीय पुत्र विजय उराव शामिल है। स्थानीय लोगों के सहयोग से अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने इलाज किया। डॉ दिलीप खेस ने बताया कि घायल मनोज उराव के 22 वर्षीय पुत्र विजय उराव को प्राथमिक उपचार के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। जबकि प्रदीप उरांव, पंकज उरांव को हल्की चोट आई है। जानकारी के अनुसार बाइक पर सवार होकर तीनों युवक तीव्र गति से लोहरदगा से सेन्हा की ओर जा रहे थे, इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

सड़क दुर्घटना में घायल वृद्ध की मौत

सेन्हा-लोहरदगा। सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार वृद्ध गम्भीर रूप से घायल अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सेन्हा थाना क्षेत्र के एन एच 143 ए लोहरदगा गुमला मुख्य पथ पर छोटी मस्जिद सेन्हा के समीप मोटरसाइकिल जे एच 08 जे 0982 एस पी 125 डी एल एक्स के जोरदार टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे उसी मोटरसाइकिल से घायल अवस्था मे ग्रामीणों के सहयोग से इलाज हेतु सेन्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सक डॉ0 अनुज रोशन मिंज ने जांचोपरांत मृत घोषित किया। मृतक वृद्ध की पहचान अरु डांड टोली निवासी स्वर्गीय बुधवा उरांव के 60 वर्षीय पुत्र सोमा उरांव के रूप में किया गया है।

साइबर ठगी का शिकार हुआ युवक, एक लाख की ठगी

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा जिले में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। सरकारी योजनाओं का झांसा देकर युवक से साइबर ठगों ने 01 लाख रुपए की ठगी की है। पीड़ित युवक ने लोहरदगा एसपी से न्याय की गुहार लगाई है।

जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के भीठा गांव निवासी ओम प्रकाश साहू नामक युवक को साइबर ठगों ने निशाना बनाया है। ठगों ने युवक को फोन कर झारखंड सरकार के योजनाओं का लाभ दिलाने और खाता में सरकारी राशि के पैसे डालने की बात कहकर बैंक खाता का ओटीपी ले लिया जिसके बाद 01 लाख रुपए युवक के खाते से निकाल लिये। पीड़ित युवक ओमप्रकाश साहू ने लोहरदगा एसपी को लिखित आवेदन देकर गुहार लगाते हुए कहा की उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर 9771564004 से कॉल आया और झारखंड सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने की बात कही गई। साथ ही खाता में पैसे डालने के लिए केवाईसी की बात कह ओटीपी मांगा गया और खाते से इलाज के लिए रखे 01 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। युवक ने लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां से आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

छठ पूजा जागरण समिति ने जताया आभार

लोहरदगा। छठ पूजा जागरण समिति ने जिले के तमाम सनातन धर्मावलंबियों को शांतिपूर्ण रूप से भजन संध्या कार्यक्रम संपन्न कराने में सहयोग प्रदान के लिए धन्यवाद दिया है। समिति के अध्यक्ष तुषार आरव और सचिव दीपक साहू ने संयुक्त रूप से भजन संध्या कार्यक्रम को शांतिपूर्वक और हर्षोल्लास के साथ संपन्न करने के लिए उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, जिला पुलिस कप्तान हरीश बिन जमा, जिला पुलिस प्रशासन, सभी पूजा पंडालो के पदाधिकारी और सदस्यों, स्वास्थ्य टीम, पुलिस प्रशासन, नगर प्रशासक, विभिन्न धार्मिक समितियां के सदस्यों, आयोजन समितियों, धार्मिक संगठनों से जुड़ी महिलाओं सहित पूरे लोहरदगावासियों का आभार प्रकट किया है। कहा कि समिति आगे भी निसंदेह, निस्वार्थ अपने कर्तव्यों और जिम्मेवारियों का निर्वाह्न करता रहेगा। पिछले एक माह से चल रही आयोजन की तैयारी सभी के सहयोग से सफल हो सकी है। आयोजन के दौरान विघ्न उत्पन्न न होने देने की जिम्मेवारी लेने वाले सदर थाना पुलिस के प्रति आभार प्रकट किया जाता है।

पझरी गांव में मिला अजगर

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा/लोहरदग

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पझरी गांव मे गुरुवार को एक अजगर सांप दिखा। यह खबर गांव में तेजी से फैल गई। बाद में ग्रामीणों ने अजगर को पकड़ कर वन विभाग को सौंप दिया। अजगर सांप का वजन करीब 11 किलो और लंबाई 3 मीटर बताई जा रही है। गुरुवार की सुबह गांव के कुछ ग्रामीण धान काटने के लिए खेत जा रहे थे। इसी दौरान खेत में अजगर सांप दिखा। इसे देखते हुए ग्रामीणों ने शोर मचाया। शोर सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि थोड़ी ही दूर पर पहाड़ है संभवतः पहाड़ से अजगर पझरी गांव तक आ गया होगा। इस दौरान ग्रामीणों ने किसी तरह अजगर को पकड़ लिया और इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को देते हुए वन विभाग को दी गई। भंडरा थाना के एसआई पप्पू गुप्ता ने पझरी गांव पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से अजगर सांप को पकड़ा और इसकी सूचना वन विभाग को दिया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने अजगर सांप को कब्जे में लेकर सुरक्षित वनक्षेत्र में छोड़ दिया है।

ग्रामीणों ने पकड़ कर किया वन विभाग के हवाले

किनकेल के पास मोटरसाइकिल सवार गिरकर घायल

केरसई। केरसई थाना क्षेत्र के किंकल बाजार टोली के पास गुरुवार को दोपहर में मोटरसाइकिल सवार रजत केरकेट्टा नामक 19 वर्षीय युवक सड़क दुर्घटना में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को वहां के स्थानीय लोगों की मदद से इलाज हेतु सिमडेगा सदर अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों की देखरेख में इलाज चल रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कुसुमटोली गांव निवासी रजत केरकेट्टा किसी काम को लेकर सिमडेगा की ओर आ रहा था, इसी दौरान किनकेल बाजारटोली के पास नियंत्रण खोकर गिरा और माथे में चोट लगी । इधर सदर अस्पताल सिमडेगा में इलाज चल रही है बताया गया की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

लोहरदगा बीएस कालेज में कल तक पीजी में होगा दाखिला

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

बीएस कालेज, लोहरदगा में सत्र 2024-2026 में स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए प्रवेश प्रक्रिया 23 नवंबर तक निर्धारित की गई है। इसकी जानकारी देते हुए एडमिशन नोडल अधिकारी ने बताया कि प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन के लिए कालेज में उपस्थित होना आवश्यक है।

मूल दस्तावेजों को लाना जरूरी है। सत्यापन के लिए दस्तावेजों की सूचीः बारहवीं कक्षा और स्नातक का एडमिट कार्ड और अंक पत्र की छाया प्रति, ओरिजिनल सीएलसी प्रमाण पत्र, ओरिजिनल माइग्रेशन प्रमाण पत्र, ओरिजिनल चरित्र प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति, आवासीय प्रमाण पत्र की छाया प्रति, आधार कार्ड की छाया प्रति, ब्लड ग्रुप पत्र की छाया प्रति, एडमिशन फार्म की एक हार्ड कॉपी, विद्यार्थी एंटी रैगिंग फार्म वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। इसे डाउनलोड कर, एक प्रति अपने पास रखने और दूसरी दस्तावेज सत्यापन के दौरान जमा करने को कहा गया है।

स्टेशन में तीन ट्रेनों के ठहराव के संबंध में रेलवे के जीएम को ज्ञापन सौंपा गया

बानो। राउरकेला हटिया रेल खण्ड का निरीक्षण करने के लिए गुरुवार को दक्षिण पूर्वी रेलवे महाप्रबंधक बानो पहुंचे । ज्ञात हो की बानो रेलवे स्टेशन को अमृत भारत रेलवे स्टेशन का दर्जा मिला हुआ है ।अमृत भारत रेलवे स्टेशन का दर्जा मिलने के उपरांत रेलवे स्टेशन के विकास के लिए कई सारे काम लगातार किए जा रहे हैं रेलवे स्टेशन का कायाकल्प दिन प्रतिदिन हो रहा है,लेकिन यहां के जनता की ट्रेनों की ठहराव की बहुत चर्चित मांग अब तक पूरी नहीं हो पाई है।भाजपा मंडल अध्यक्ष बानो बालमुकुंद सिंह और सुनील सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पर्व सांसद अर्जुन मुंडा,रांची सांसद संजय सेठ,मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, और डीआरएम रांची को पूर्व में कई बार तीन ट्रेनों मौर्य एक्सप्रेस, भुवनेश्वर धनबाद एक्सप्रेस और जयनगर राउरकेला एक्सप्रेस के ठहराव हेतु ज्ञापन सौंपा गया है पर अब तक उसे पर कोई भी पहल नहीं हुई है। इसी के निमित्त आज पुनः भाजपा मंडल अध्यक्ष बानो बालमुकुंद सिंह और मुखिया बानो विश्वनाथ बड़ाइक,के अगुवाई में सुनील सिंह, संजय मिश्रा, युवा मोर्चा अध्यक्ष अनूप साहू,एवं ग्रामीणों के साथ रेलवे के जीएम को ज्ञापन सौंपा गया ।

होप संस्था ने सेकंड लाइन लीडरशिप क्षमतावर्धन कार्यशाला किया आयोजन

आदिवासी महिलाओं के नेतृत्व विकास में मील का पत्थर साबित होगा : मनोरमा एक्का

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

होप संस्था छत्तर बगीचा लोहरदगा में सेकंड लाईन लीडरशीप को लेकर दो दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया । यह कार्यशाला 20 और 21 नवम्बर को लोहरदगा जिला के 5 पंचायत से 20 प्रतिभागियों ने अपनी पूर्ण सहभागिता प्रदान की। इसका मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से आदिवासी समाज को जोड़कर एकजुट करना तथा आदिवासी समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह प्रयास आदिवासी महिलाओं के नेतृत्व को विकसित करने हेतु एक प्रकिया झारखंड के तीन जिलों में लोहरदगा, गुमला तथा सिमडेगा में किया जा रहा है। यह पहल तीन जिलों के 18 पंचायतों में नियमित रूप से विगत दस महीने से शुरूवात की गई है। आज आदिवासी समाज दुनिया की चकाचौंध के प्रभाव में आकर अपनी संस्कृति एवं परंपरा से दूर हो रहा है ऐसे में एक संगठित प्रयास की जरूरत है। होप ने तीन जिलों में लगातार 15 एवम 16 नवम्बर को गुमला में, 17 एवम 18 नवम्बर को विकास केंद्र सिमडेगा में और 20 और 21 को लोहरदगा में

प्रशिक्षण दिया गया। होप द्वारा आदिवासी महिलाओं में नेतृत्व के विकास एवं उनको सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है उसी प्रक्रिया के तहत आदिवासी भाइयों एवं बहनों को संगठित करने एवं उनको संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग करने हेतु यह एक पहल है इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं विभिन्न गांवों से आये आदिवासी बहनों एवं भाइयों को संबोधित एवं स्वागत करते हुए होप की मैनेजिंग ट्रस्टी सुश्री मनोरमा एक्का ने कहा कि आप सबकी उपस्थिति एक दुसरे के लिए प्रेरणा का स्रोत है । आप अपने आदिवासी समाज के प्रति एक सजग प्रहरी के रूप में कार्य करने के लिए तत्पर हैं कहोप परिवार की ओर से उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान में हमारे आदिवासी समाज में कई तरफ से हमले हो रहे हैं। आदिवासी समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक होने की जरूरत है ताकि अपने इतिहास को बचा सके। हमें अपनी भाषा एवं संस्कृति को बचाने के लिए आगे आना होगा और महिलाओं को विशेष रूप से अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने हेतु पहल करने की बात कही। भाषा एवं परमपरागत ज्ञान को अच्छी नजरों से नहीं देखे जाने के कारण आनेवाली पीढ़ी भी भाषा भूल रही है,ऐसे में हम सभी के सामने एक चुनौती है। आदिवासी समाज में महिलाओं को विशेष अधिकार देने की जरूरत है और महिलाओं को अपने बच्चों को भी विशेष देखभाल करने की जरूरत है क इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अरविन्द वर्मा, , विष्णु उरांव इत्यादि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

घरेलू विवाद में युवक ने कीटनाशक पीकर किया आत्महत्या का प्रयास

सिमडेगा। सिमडेगा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत जोकबहार पंचायत के बिरनीबेड़ा गांव निवासी 23 वर्षीय नयरंजन डांग नामक युवक ने घरेलू विवाद में तंग आकर घर में फसल में लगाने के लिए ले गए कीटनाशक को पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। अचानक उसकी बिगड़ती तबीयत को देख परिवार वालों ने निजी वाहन से उसे सिमडेगा सदर अस्पताल लाया गया जहां पर चिकित्सकों के द्वारा इलाज की गई और उसकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे राजधानी रांची रेफर करने की बात कही मिली जानकारी के अनुसार नयरंजन डांग किसी बात को लेकर घर में नाराज हो गया और गुस्से में उसने आत्महत्या करने की ठान ली और कीटनाशक का सेवन कर लिया इधर सदर अस्पताल में उसकी उपचार चल रही थी ,समाचार लिखे जाने तक रांची रेफर नहीं किया जा सका था।

सेन्हा में डालसा का विधान से समाधान कार्यक्रम का आयोजन

लोगों के अंदर विधिक जागरूकता को लेकर अलख जगाना उद्देश्य : डालसा सचिव

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

जिले के सेन्हा प्रखण्ड अंतर्गत मुरकी तोडार पंचायत भवन में गुरुवार को नालसा, नई दिल्ली और राष्ट्रीय महिला आयोग के निदेर्शानुसार और झालसा, रांची एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा राजकमल मिश्रा के मार्गदर्शन में विधान से समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं डालसा सचिव राजेश कुमार ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से लोगों के अंदर विधिक जागरूकता को लेकर अलख जगाना है। जिससे लोगों की विधिक संबंधी समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि एक जागरूक समाज के रहने के नाते हमारा दायित्व है कि हम सभी लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसे कुप्रथा के कारण आज समाज पीछे चला जा रहा है। लोगों को इस कुप्रथा के प्रति जागरूक होकर इसका विरोध करना चाहिए। वहीं उन्होंने बाल यौन अपराध के बारे बताते हुए कहा कि इस तरह की घटना को अंजाम अपने परिवार या आस पास के लोग के द्वारा ही की जाती है। इसलिए मामले को लेकर लोग सतर्क रहें। साथ ही इस तरह की घटना को अंजाम देने वाले लोगों का विरोध करें। वहीं उन्होंने टेक्नोलॉजी का सही उपयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हर प्रकार की जानकारी तुरंत प्राप्त की जा सकती है। वहीं उन्होंने नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी। वहीं मध्यस्थ सह अधिवक्ता

श्री लाल धर्मेंद्र देव ने डालसा द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न थानों, सभी प्रखण्ड कार्यालयों, सदर अस्पताल, जेजेबी, सीडब्ल्यूसी, सखी वन स्टॉप सेंटर में पीएलवी की नियुक्ति की गई है। जिनके द्वारा लोगों को विधिक जानकारी दी जाती है। साथ ही उनके द्वारा लोगों की मदद भी की जाती है। वहीं मध्यस्त सह अधिवक्ता मोमिना खातून ने डायन बिसाही, शिक्षा, दहेज प्रथा, बाल विवाह, सरकार द्वारा बच्चियों के विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दहेज लेना और देना दोनों अपराध है। वहीं दहेज को लेकर उत्पन्न होने वाली समस्याओं के बारे में बताया। कहा कि डायन बिसाही मामले पर सख्त कानून बनाए गए हैं। जिसमें सजा का प्रावधान है। वहीं उन्होंने बाल विवाह को लेकर कहा कि सरकार के द्वारा शादी को लेकर एक उम्र सीमा तय की गई है। इस उम्र सीमा से कम उम्र में शादी कराना कानून अपराध है। लेकिन अभी भी कुछ लोग बच्चियों को उचित शिक्षा प्रदान करने के स्थान पर उनकी कम उम्र में ही शादी करने के लिए लगे रहते हैं। लोगों को इन सभी विषयों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। मौके पर मुखिया कमला देवी, पंचायत सचिव गुहा उरांव, पीएलवी पुनू देवी, मंजू खाखा, प्रियांशु यादव, रोहित कुमार, हेमंता कुमारी, अरविंद कुमार सिंह, अजमेरी खातून, सहेला खातून, प्रीति कुमारी, सुनीता कच्छप, खुर्शीद खातून, सबनम खातून, राजमनी कुजूर, स्वर्ण मनी भगत, आरती देवी, सोनाली उरांव, सोतो उरांव, निखत परवीन, नूरजहां खातून आदि लोग उपस्थित थे।

लकड़ी माफिया के विरुद्ध वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

20 पीस चौपहल व चिरान स्टैंड जब्त

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निरहू चरहु गांव में लकड़ी माफिया के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है ।वन विभाग की टीम की ओर से लकड़ी माफियाओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई से लकड़ी माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। वनकर्मियों ने 20 पीस चौपहल और चिरान स्टैंड को जब्त किया है। जिसकी अनुमानित लागत 50 हजार रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार लोहरदगा वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि किस्को क्षेत्र में लकड़ी माफिया सक्रिय हैं। इसको लेकर टीम का गठन किया गया। डीएफओ के निर्देश पर फोरेस्टर प्रदीप साहू की अगुवाई में वनकर्मियों ने चरहु गाँव में छापेमारी अभियान चलाया। जिसमे चरहु स्थित इलियास अंसारी के आंगन से 50 हजार कीमत के चौपहल बरामद किया गया है। अपराधियों के विरुद्ध वन विभाग के द्वारा कानूनी करवाई की जा रही है। इस संदर्भ में टीम के सदस्यों ने बताया कि विभाग की ओर से लकड़ी माफियाओं के

विरुद्ध आगे भी इसी तरह लगातार कार्रवाई किया जाता रहेगा। टीम में प्रदीप साहू, अनूप शहदेव, विक्की कुमार मेहता, नवीन चौहान, रमेश भगत, हीरा उरांव और होमगार्ड जवान शामिल थे। बता दें कि आये दिन पाखर पठारी क्षेत्र के अलावा केकरांग, पेशरार, डहरबाटी, सेरेंगदाग क्षेत्रों से लकड़ी माफियाओं के द्वारा वन विभाग को चुनौती देते हुए अवैध कीमती और इमारती लकड़ी को धड़ल्ले से काट कर लोहरदगा और रांची क्षेत्रों में बिक्री करने का कार्य किया करते हैं। यह लकड़ी माफिया अवैध रूप से जंगलों की कटाई कर वन की क्षति पहुंचाने के अलावा मनुष्य और पशु पक्षियों एवं वन प्राणियों को काफी प्रभावित करते हैं।

कुरडेग प्रखंड के कई स्कूलों में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

कुरडेग। भगवान बिरसा मुंडा जयन्ती के अवसर पर प्रखंड के सभी स्कूलों में जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा मनाया जा रहा है। यह पखवाड़ा 15 नवम्बर से 26 नवम्बर तक मनाया जायेगा।पखवाड़े के दौरान स्कूली बच्चों के बीच भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और उनके जीवन पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत बुधवार को राउमवि छोटकीबिउरा, बड़कीबिउरा, कालोमुंडा, राप्रावि चापाडांड़, कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय सहित कई स्कूलों में नुकड़ नाटक का कार्यक्रम किया गया।

कुरडेग के परकला में खुला भारत पेट्रोलियम का पेट्रोल पंप

नवीन मेल संवाददाता। कुरडेग

कुरडेग सिमडेगा मुख्य पथ के परकला में गुरूवार को भारत पेट्रोलियम के वनदूर्गा फ्यूल पंप का उद्घाटन रामरेखा धाम से आये संत ने फीता काटकर किया। इस मौके पर धाम से आये संत ने कहा कि विनम्रता और संघर्ष ही जीवन में आगे बढ़ने के गुण हैं इसी के साथ जीवन में ऊँचाईयों तक पहुंचा जा सकता है । उद्घाटन से पूर्व पंप के संचालक रंथु साहू ने परिवार के साथ पूरे विधि विधान के साथ पंप का पूजा पाठ कराया। साथ ही सभी अतिथियों का स्वागत किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि इस पेट्रोल पंप के खुलने से आस पास के ग्रामीणों को पेट्रोल डीजल के लिए परेशान नही होना पड़ेगा लोग आसानी से इस नये पेट्रोल पंप से पेट्रोल डीजल ले सकेंगे पहले एक पेट्रोल पंप होने से कभी कभी तकनीकी खराबी के कारण लोगों को पेट्रोल डीजल मिलने में परेशानी हो जाती थी कुरडेग जैसे जगह पर अब दो पेट्रोल पंप होने से पेट्रोल डीजल की कमी नही होगी । आम जनता को सही एवं शुद्ध डीजल व पेट्रोल उपलब्ध कराना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। नये पेट्रोलपंप से पेट्रोल लेनेवाले भूनेश्वर साहू पहले ग्राहक बने। इस मौके पर थाना प्रभारी नवीन कुमार, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल,मनोज साय, अनुज श्रीवास्तव, जगदीश जयसवाल, मानिकचन्द जयसवाल, सीताराम गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सदर अस्पताल सिमडेगा में लंबे समय से बायो वेस्ट का नहीं हो रहा है निपटान, संक्रमण का खतरा

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा जिले में एकमात्र लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने वाली सदर अस्पताल में इन दोनों संक्रमण फैलने का खतरा मंडरा रहा है। बताया जा रहा है कि सदर अस्पताल सिमडेगा से निकलने वाली बायो वेस्ट एक महीना से निपटान नहीं होने की वजह से सदर अस्पताल के आपातकालीन द्वार के बगल में डंप किया जा रहा है इससे बदबू और गंदगी की वजह से संक्रमण फैल सकता है ,जिसे देखने वाला कोई नहीं है। बताया गया कि सदर अस्पताल के प्रसुति कक्ष एवं अन्य जगहों से निकलने वाले बायो वेस्ट का समय पर निपटान किया जाता है, ताकि उसके दुर्गंध और अपशिष्ट पदार्थ से किसी प्रकार की कोई भी परेशानी ना हो ,लेकिन इसके बावजूद किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। जहां पर इसे जमा किया जा रहा है उसके ठीक बगल में कुपोषण वार्ड ,कैंटीन है एव ड्रेसिंग रूम ऐसे में वहां से निकलने वाली दुर्गंध से छोटे बच्चे एवं कैंटीन में आने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ रहा है।

क्या कहते है सिविल सर्जन एवं नगर परिषद

इधर इस मामले में सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और नगर परिषद सिमडेगा को कई बार पत्राचार किया गया है और दूरभाष के माध्यम से भी सूचना दी गई है ,लेकिन किसी प्रकार से कोई भी सुनवाई नहीं हो रही है जिसको लेकर वह काफी परेशान है। इधर इस मामले में नगर परिषद के सिटी मैनेजर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि नगर परिषद सिमडेगा द्वारा पूर्व में केलाघाघ डैम के किनारे कचरा डंप किया जाता था ,जिसे उपायुक्त के निर्देश पर बंद कर दी गई है। नगर परिषद द्वारा टापूडेगा में खरीदी गई भूमि पर कचरा डंप करने के लिए गयी जिसे ग्रामीणों के द्वारा विरोध किया जा रहा है ।

गुमला तीन विस सीटों की मतगणना कल, प्रत्याशियों की धड़कनें तेज

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के तीन प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों झ 67 सिसई, 68 गुमला, और 69 बिशुनपुर झ के लिए मतगणना 23 नवंबर, शनिवार को गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में संपन्न होगी। यह दिन जिले के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे तीनों क्षेत्रों से जनप्रतिनिधि चुने जाएंगे, जो राज्य विधानसभा में अपनी जगह बनाएंगे। इस चुनावी प्रक्रिया को लेकर प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं, और सुरक्षा की दृष्टि से सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

44 प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में बंद : सिसई विधानसभा क्षेत्र से 15, गुमला विधानसभा से 15, और बिशुनपुर विधानसभा से 14 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इन सभी प्रत्याशियों की किस्मत अब ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) में बंद हो चुकी है। मतगणना के दिन उन उम्मीदवारों की धड़कनें तेज होंगी, जो अपनी जीत की उम्मीदों से भरे हैं। हालांकि, जो भी नतीजे आएंगे, वह न केवल इन प्रत्याशियों के लिए बल्कि उनके समर्थकों और इलाके के नागरिकों के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। गुमला जिले की यह चुनावी लड़ाई इस बार कई कारणों से रोमांचक और दिलचस्प बन गई है। राजनीतिक समीकरण में बदलाव और प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर ने चुनावी वातावरण को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया है। शनिवार, 23 नवंबर को सुबह 8 बजे से शुरू होने वाली मतगणना में यह स्पष्ट हो जाएगा कि गुमला जिले के मतदाता किसे अपना जनप्रतिनिधि चुनते हैं।

प्रत्याशियों में बढ़ी बेचैनी, पूजा-अर्चना में व्यस्त : मतगणना का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, प्रत्याशियों की धड़कनें और भी तेज हो गई हैं। अपनी जीत के लिए वे न केवल चुनावी दांव-पेंच लगा रहे हैं, बल्कि अपने-अपने धार्मिक विश्वासों के मुताबिक पूजा-अर्चना में भी व्यस्त हो गए हैं। विभिन्न मंदिरों, मस्जिदों और गिरजाघरों में जाकर वे अपनी जीत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। कुछ प्रत्याशी तो अपने समर्थकों के साथ विशेष पूजा-अर्चना में शामिल हो रहे हैं, ताकि परिणाम उनके पक्ष में आए।

सीधा मुकाबला, भाजपा व झामुमो के बीच मुकाबला

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार तीनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा और झामुमो के बीच सीधा मुकाबला है। इन दोनों पार्टियों के बीच टक्कर इतनी कड़ी है कि हर किसी को अपनी जीत का विश्वास है, लेकिन यह कहना अभी मुश्किल है कि किसका पलड़ा भारी रहेगा।

इस चुनाव में एक और दिलचस्प पहलू यह है कि निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। इस बार निर्दलीय प्रत्याशी कई सीटों पर समीकरण को प्रभावित कर सकते हैं। उनके समर्थन से पार्टी की स्थिति पर फर्क पड़ सकता है, जिससे मतगणना का परिणाम और भी रोचक बन गया है।

भाजपा और झामुमो के बीच आरोप-प्रत्यारोप : जहां एक ओर भाजपा और झामुमो अपने-अपने दावे करते हुए जीत का उत्साह व्यक्त कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी कर रही हैं। भाजपा अपनी कार्यप्रणाली और विकास कार्यों को लेकर भरोसा जताते हुए चुनावी प्रचार कर रही है, वहीं झामुमो ने अपनी स्थिरता और क्षेत्रीय मुद्दों को मुद्दा बनाकर चुनावी समर में उतरी है। दूसरी तरफ, मतदाता भी इस बार बदलाव के पक्ष में हैं, क्योंकि पिछले चुनावों के परिणामों में कई प्रकार के असंतोष और आरोप लगे थे। ऐसे में 23 नवंबर को होने वाली मतगणना इस बात का संकेत देगी कि जनता ने किसे अपना समर्थन दिया है।

सभी की निगाहें : गुमला जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों के परिणाम न केवल इन क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण होंगे, बल्कि राज्य की राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह दिन राजनीतिक दलों के लिए कड़ी परीक्षा का दिन होगा, और यह तय होगा कि भाजपा और झामुमो में से कौन एक बार फिर इन सीटों पर विजय प्राप्त करेगा। साथ ही, निर्दलीय उम्मीदवार भी जो अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, वे इस चुनावी माहौल में कैसे अपनी स्थिति मजबूत करते हैं, यह भी देखने लायक होगा। 23 नवंबर को होने वाली मतगणना का दिन गुमला जिले के राजनीतिक भविष्य का निर्धारण करेगा, और यह देखना दिलचस्प होगा कि किस पार्टी का सपना साकार होता है।

न्यूज बॉक्स

बसिया : घर सजे अलना से की गई अगहन पूजा

बसिया(गुमला)। ओड़िशा की सीमा से लगे गुमला-सिमडेगा जिले के इस अंचल में आज अगहन गुरुवार की पूजा बड़ी सौम्यता के साथ मनाई गई। यह ओड़िशा का एक प्रमुख पूजा है और झारखंड के इस अंचल में भी इसे मानने वालों की एक बड़ी संख्या रहती है। उल्लेखनीय है कि पूरे ओड़िशा में अगहन माह के सभी वृहस्पतिवारों को अपने पारंपरिक अंदाज में महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस अवसर पर बुधवार की शाम को घर के मुख्य दरवाजों व आंगन में आलना लगाने से शुरू होकर यह दूसरे दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान और घंट शंख की ध्वनि के बीच महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह पूजा इस मायने में विशिष्ट मानी जाती है कि इस अवसर पर सबकुछ भारत की कृषि को समर्पित रहता है। अगहन के माह में किसानों के घर धान की फसल आनी शुरू हो जाती है और अगहन गुरुवार की इस पूजा में इसी नये धान को निर्धारित पात्र में भरकर महालक्ष्मी को इसका न्यौछावर किया जाता है। यह सबकुछ अगहन माह के सभी गुरुवारों को पूरी पवित्रता के साथ दुहराया जाता है। इस वर्ष अगहन माह का आज पहला गुरुवार था। ऐसे में उड़िया प्रभाव से यहाँ इस अवसर पर प्रायः सभी घरों में इस पूजा के आयोजन की सूचना है।

हत्या के आरोप में तीन नाबालिगों को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में

घाघरा। हत्या के आरोप में तीन नाबालिगों को घाघरा पुलिस ने गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस बावत घाघरा थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि विगत 9 नवंबर की रात देवाकी कानाटोली निवासी दुर्गा लोहरा 16 वर्ष जो बाराडीह में अपने नानी के घर में रहता था और गांव के बगल वाले गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग था। युवती के भाई ने दोनों को साथ में देखा जिसके बाद दोनों के बीच कहा सुनी हुई। युवती के भाई के अलावा तीन अन्य युवक मिलकर दुर्गा को शराब पीने का बहाना करके गोया नदी की ओर ले गए और गला दबाकर हत्या कर दिया। पुलिस द्वारा छानबीन में तीन नाबालिक व एक बालिक हालमाटी निवासी अंकित उरांव का नाम सामने आया। अंकित ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया। जिसके बाद पुलिस तीनों नाबालिक को न्यायिक हिरासत में गुरुवार को भेज दिया।

निर्माणाधीन बाउंड्री तोड़ने व धमकी का मामला पुलिस के समक्ष पहुंचा

गुमला। गुमला जिले के चेटर गांव निवासी विमल प्रसाद साहू ने पुलिस अधीक्षक को एक लिखित शिकायत पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि उनके निर्माणाधीन बाउंड्री को जानबूझकर तोड़ दिया गया और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के अनुसार, यह घटना 21 नवंबर 2024 को सुबह करीब 9:00 बजे की है। आरोप है कि संजय किस्पोट्टा और उनके परिवार के सदस्यों ने उनके प्लॉट नंबर 8 पर निमार्णाधीन बाउंड्री को तोड़ दिया। साथ ही, उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। इस घटना से विमल प्रसाद साहू को लगभग 2 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने पुलिस से अपील की है कि उन्हें और उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोषियों पर जल्द ही कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिलाया गया है।

रामरेखा धाम धार्मिक मेले के सफलतापूर्वक आयोजन के पश्चात हुई समीक्षा बैठक

सिमडेगा। श्रीरामरेखा धाम में कार्तिक पूर्णिमा धार्मिक मेले के सफलता पूर्वक आयोजन के पश्चात अध्यक्ष और महंत अखंडदास महाराज की अध्यक्षता में श्रीरामरेखा धाम विकास समिति की समीक्षा बैठक श्री देवराहा बाबा आश्रम में आयोजित की गई। जिसमें मेले का आय व्यय प्रस्तुत कर आयोजित मेले की कमीयों पर चर्चा की गई एवं उन कमियों को अगली बार पूर्ण करने की बात रखी गई।महंत अखंडदास जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए प्रभु श्रीराम से, गुरु महाराज संतश्रीरामरेखा बाबा से सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना की। श्रीरामरेखा धाम विकास समिति ने मेले के सफलतापूर्वक आयोजन में सहयोग के लिए समस्त कार्यकर्त्ता एवं स्वयंसेवकों का, शाखा समितियों का,पुलिस एवं प्रशासन का, स्वास्थ्य विभाग, बिजली और पानी सप्लाई विभाग, समस्त मिडिया का आभार व्यक्त किया। मौके पर धाम दायित्ववान पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

चुनाव परिणाम को लेकर आकलन अनुमान व सट्टे का बाजार गर्म

इंतजार में भारी पड़ने वाली है आज की रात

नवीन मेल संवाददाता

बसिया(गुमला)। बीस नवंबर को झारखंड के दूसरे और अंतिम चरण के चुनावी मतदान का समापन हो गया। अब ग्रामीण क्षेत्र के चौपालों को तेईस नवंबर का इंतजार है जब मतपेटियों खुलेंगी और तमाम अटकलों पर विराम लग सकेगा। बताते चलें कि गत तेरह नवंबर को झारखंड से इस क्षेत्र का फैसला ईवीएम में बंद है। बंद पिटारे के अंदर की हकीकत किसी को मालूम नहीं है फिर भी आकलन और अनुमान का न केवल बाजार गर्म है बल्कि अंदर अंदर सट्टेबाजों की सक्रियता भी चरम पर है। ऐसा तब है जबकि भाजपा व झामुमो के उम्मीदवार खुद में जीत को लेकर आश्वस्त नजर नहीं आ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि गुमला जिले के अंतर्गत सबसे संवेदनशील माने जाने वाले सिसई विधानसभा क्षेत्र के मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के डॉ.अरूण उराँव और झामुमो प्रत्याशी जिगा सुसारन होरो अभी भी अपने अंदर के समीकरण के कारण उहापोह में फंसे हुए हैं। पार्टी की मुख्यधारा से कदमताल करनेवाले भाजपा के कार्यकर्ताओं की एक पहचान यह है कि वे हर घर से अपने वोटरों को निकाल कर मतदान केंद्र तक पहुंचाने में सिद्धहस्त होते हैं। भाजपा उम्मीदवार की परेशानी का एक बड़ा कारण यह है कि इस चुनाव में भाजपा के मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं में परंपरागत जज्बा कहीं नजर नहीं आया। इतना ही नहीं, बुथ मैनेजमेंट के मामले में उनपर वित्तीय गड़बड़ी सहित कई तरह के आरोप लगातार लगते रहे और संगठन के आला अधिकारी अंत तक इसे नजरअंदाज करते नजर आए। इसी तरह इंडी एलायंस के उम्मीदवार के तौर पर झामुमो भी इस बात को लेकर सकते में है कि गठबंधन के बावजूद क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाले कांग्रेसियों का कोई सक्रिय सहयोग उन्हें नहीं मिल सका। इतिहास गवाह है कि प्रत्येक चुनाव में यहाँ से भाजपा को तभी जीत मिली है जब संघर्ष त्रिकोणीय रहा हो। इस बार की लड़ाई में भाजपा के सामने सिर्फ झामुमो है और इस सीधी लड़ाई को लेकर भाजपा पूरी तरह से आशंकित है। दूसरी ओर झामुमो अपने कांग्रेस सहित एलायंस सहयोगियों के भीतरघात और झामुमो में व्याप्त अंतर्कलह को लेकर सशंकित बना हुआ है। ऐसे में अब सबकी निगाहें जहाँ मतगणना केन्द्र की ओर टिकी गई हैं वहीं ग्रामीण चौपालों में सट्टा व बहस का दौर अपने चरम पर नजर आ रहा है।

गुमला पुलिस की बड़ी सफलता मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पदार्फाश

6 बाइक बरामद, 5 आरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस ने एक संगठित मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 6 मोटरसाइकिल, 2 फर्जी रजिस्ट्रेशन कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह फर्जी दस्तावेज तैयार कर चोरी की मोटरसाइकिल को ओएलएक्स जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने का काम कर रहा था। इस कार्रवाई से जिले में मोटरसाइकिल चोरी के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली कि गुमला और लोहरदगा के कुछ क्षेत्रों में चोरी की मोटरसाइकिल बेची जा रही हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देशन में शांति नगर स्थित एक किराए के मकान पर छापेमारी की गई। इस दौरान महात्मा उरांव और नितेश उरांव को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद उनके द्वारा दी गई जानकारी पर लोहरदगा के हिरही गांव में छापा मारकर अभय उरांव और मुकेश उरांव को भी गिरफ्तार किया गया।

गिरोह चोरी की मोटरसाइकिलों से असली नंबर प्लेट हटाकर फर्जी नंबर प्लेट लगाता था। इसके बाद फर्जी रजिस्ट्रेशन कार्ड पर इंजन और चेसिस नंबर बदलकर वाहनों को असली दिखाने की कोशिश की जाती थी। इसके बाद ये वाहन ओएलएक्स पर बेचे जाते थे। गिरोह के सदस्य ग्राहकों को सस्ते दामों में मोटरसाइकिल खरीदने का लालच देकर ठगते थे।

इस छापेमारी का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह ने किया। उनके साथ गुमला थाना की टीम और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे। टीम ने पूरी कार्रवाई को सटीकता और तत्परता के साथ अंजाम दिया। पुलिस उपाधीक्षक सुरेश प्रसाद यादव ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरोह का नेटवर्क व्यापक था, और इसकी जड़ तक पहुंचने के लिए जांच जारी है। गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गुमला पुलिस अपराध पर नियंत्रण पाने के लिए सतर्क है और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

गुमला पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस तत्परता की सराहना की और उम्मीद जताई कि इस सफलता से मोटरसाइकिल चोरी के मामलों में कमी आएगी। पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने छापेमारी टीम को बधाई देते हुए जनता से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस ऑपरेशन ने न केवल गुमला बल्कि आसपास के क्षेत्रों में अपराधियों के नेटवर्क को कमजोर किया है और एक बार फिर पुलिस की दक्षता और सतर्कता को साबित किया है।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 6 मोटरसाइकिल बरामद की हैं

- टीवीएस अपाचे (नीले रंग की) - जेएच23ए-3287
- यामाहा आर-15 (नीले रंग की) - जेएच04यू-7993
- बजाज पल्सर (काले-लाल रंग की) - जेएच23बी-4
- डोमिनार (हरे रंग की) - जेएच08जे-6212
- पल्सर (ग्रे रंग की) - जेएच01एफएफ-6558
- पल्सर (ग्रे रंग की) - जेएच01ईवी-5878

आरोपियों के नाम व पते

- महात्मा उरांव (ग्राम-कोटाम, गुमला)
- नितेश उरांव (ग्राम-कोटाम, गुमला)
- सूरज कुमार (ग्राम-शिवनगर, गुमला)
- अभय उरांव (ग्राम-हिरही, लोहरदगा)
- मुकेश उरांव (ग्राम -हिरही, लोहरदगा)

एसडीपीओव डीटीओ के नेतृत्व में चला वाहन जांच अभियान

55 वाहनों से वसूले गए 1.02 लाख जुर्माना

गुमला। गुमला शहर में लगातार बढ़ रहे अपराध और बाइक चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से बुधवार को एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव और जिला परिवहन पदाधिकारी राकेश कुमार गोप के नेतृत्व में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान की शुरूआत थाना चौक से की गई, जहां वाहनों के कागजात, हेलमेट, और ट्रिपल राइडिंग की गहन जांच की गई। जांच के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 55 वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए कुल 1 लाख 2 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसी क्रम में जांच टीम कार्तिक उरांव कॉलेज के पास पहुंची और वहां भी वाहनों की जांच की गई। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने कहा की शहर में बढ़ती बाइक चोरी और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इस तरह के अभियान आवश्यक हैं। खासतौर पर टीनएजर्स द्वारा तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाने के कारण दुर्घटनाएं और मौतें हो रही हैं। इसके अलावा, स्कूली छात्र भी बिना लाइसेंस और नियमों का पालन किए बाइक चलाते हैं, जिससे खतरा बढ़ता है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बुधवार को 6 चोरी की गई बाइक बरामद कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही आश्वासन दिया कि वाहन जांच अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा ताकि शहर में अपराध और दुर्घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके। जांच अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी राकेश कुमार गोप, मंटू रवानी समेत कई पुलिसकर्मी और यातायात विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

नवडीहा में आदिवासी गौरव दिवस धूमधाम से मना

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नवडीहा में आदिवासी गौरव दिवस गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण केंद्र के संरक्षक कृपा प्रसाद सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा की 15 नवंबर से 22 नवंबर तक तय तिथि के तहत कार्यक्रम कराया जा रहा है। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य पारसनाथ नंद ने कहा कि छोटानागपुरिया व आदिवासियों की संस्कृति सभ्यता को बचाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इसके पूर्व स्कूली बच्चों द्वारा स्वतंत्रता सेनानी के विभिन्न स्वरूप को दशार्या गया। छात्र छात्राओं द्वारा झूमर, डमकच, एकांकी गीत की प्रस्तुति ढोल मांदर के साथ की गई। मौके पर खेदु नायक, प्रमोद नाथ,

धनुराम उरांव, देवव्रत सिंह, फाल्गुनी सिंह, राजेश भगत, जलेश्वर भगत, रवि उरांव, शशिलता नाथ, अनीता नंद, खुशी कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने उठाया लाभ, मुफ्त इलाज का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुरुवार को पालकोट प्रांगण स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पूजा पल्लवी भगत, डॉ. अमित कुमार, डॉ. सेवती हंसा और दंत चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी और अस्पताल कर्मी उपस्थित थे। स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों तक मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना था, जहां बड़ी संख्या में लोग अपने स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान कराने पहुंचे। शिविर में रक्तचाप, शुगर टेस्ट, और सामान्य इलाज जैसी कई सेवाएं मुफ्त में प्रदान की गईं। डॉ. अमित कुमार ने बताया कि इस तरह के आयोजन हर महीने किए जाते हैं और इसका उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि कई ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी है, जिससे वे समय रहते इलाज नहीं करवा पाते। इस शिविर में किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता, और सभी मरीजों को मुफ्त इलाज प्रदान किया जाता है। उन्होंने अपील की कि ग्रामीण लोग इस तरह के शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का निवारण करवाएं। इस आयोजन में स्वास्थ्य कर्मियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे, जिन्होंने शिविर का भरपूर लाभ उठाया।

रेफरल अस्पताल में आयुष्मान आरोग्य शिविर का हुआ आयोजन

सिसई (गुमला)। गुरुवार को झारखंड सरकार स्वास्थ्य विभाग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रेफरल अस्पताल सिसई में रूरल हेल्थ मिशन (आर सी एच) के तहत आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। गाइड लाइन के अनुसार आईईसी लगाकर प्रचार प्रसार एवं कॉउंसीलिंग किया गया। जिसमें 114 लोगों ने स्वास्थ्य जाँच का लाभ लिया। शिविर में मुख्य रूप से एएनसी जाँच, सर्वाईकल कैंसर स्क्रीनिंग, ओरल कैंसर, टीबी, सुगर, बीपी, हाईपर टेंशन, एवं सिकल टेस्ट की जाँच की गयी। साथ ही नये आयुष्मान कार्ड भी बनाये गए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ललिता मिंज, रेफरल अस्पताल सिसई, एएनएम और साहियाओं का पूर्ण रूप से सहयोग रहा।

अगहन जतरा : परंपरा, संस्कृति व सामाजिक एकता का अद्भुत संगम

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। भरनो प्रखंड के एनएन 23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर स्थित कुम्हरो गांव के दुरमी टंगरा में गुरुवार की शाम अगहन जतरा का भव्य आयोजन किया गया। जतरा समिति के अध्यक्ष जयराम उरांव के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोग शामिल हुए। यह आयोजन स्थानीय परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक धरोहरों को संजोने और नई पीढ़ी को इससे परिचित कराने का एक शानदार प्रयास था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, जतरा समिति के अध्यक्ष जयराम उरांव, पाहन दिनेश उरांव, पुजार जगन्नाथ उरांव, मुखिया सुकेश उरांव, और पंसस बिरसा उरांव सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर जतरा का विधिवत उद्घाटन किया। थाना प्रभारी कंचन प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा, जतरा हमारे समाज को जोड़ने और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का माध्यम है। यह न केवल मनोरंजन का अवसर है, बल्कि आपसी भाईचारे और मेलजोल को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने जतरा को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

जतरा के आयोजन का उद्देश्य और महत्व : जतरा समिति के अध्यक्ष जयराम उरांव ने कहा, जतरा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। यह हमारी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों को सहेजने का माध्यम है। इसे जीवंत और संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। मुखिया सुकेश उरांव और अन्य अतिथियों ने भी जतरा के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला और आयोजन की सराहना की।

खोड़हा दलों की अद्भुत प्रस्तुतियां : जतरा में आसपास के कई गांवों से आए खोड़हा दलों ने गाजे-बाजे के साथ पारंपरिक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में रंग भर दिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंगीला ग्रुप के कलाकारों ने भी अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में समृद्ध सांस्कृतिक विविधता की झलक पेश की।

सम्मान और पुरस्कृत किए गए कलाकार : जतरा समिति ने खोड़हा दलों की कला और उनकी पारंपरिक प्रस्तुतियों को सम्मानित करते हुए सभी दलों को पुरस्कार प्रदान किए। यह कदम कलाकारों का उत्साहवर्धन करने और संस्कृति के प्रति उनके योगदान को सराहने के लिए उठाया गया।

आयोजन की सफलताएं और सहभागिता : जतरा के सफल आयोजन में जतरा समिति के सदस्यों के साथ-साथ गांव के अन्य गणमान्य लोग भी शामिल रहे। प्रमुख रूप से दिलीप उरांव, स्वरूप लोहरा, शनि उरांव, पंडरु उरांव, रामा उरांव और सुलेन्द्र उरांव ने आयोजन में अहम भूमिका निभाई।

सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव : अगहन जतरा ने न केवल परंपरा और संस्कृति का संरक्षण किया, बल्कि यह एक ऐसा मंच भी बना, जहां लोग आपस में मिलकर अपने सुख-दुख साझा कर सके। इस आयोजन ने सामाजिक समरसता और सामुदायिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। जतरा में शामिल लोगों ने इसे एक अद्भुत अनुभव बताया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर आयु वर्ग के लोग पारंपरिक गीत, नृत्य और मेलजोल का आनंद उठाते दिखे। यह आयोजन एक बार फिर साबित करता है कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और रीति-रिवाज न केवल मनोरंजन का जरिया हैं, बल्कि यह समाज को जोड़ने और उसकी बुनियाद को मजबूत करने का माध्यम भी हैं। अगहन जतरा जैसे आयोजनों से न केवल स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा मिलता है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है।

संपादकीय

पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दे झारखंड और केंद्र

कुछ दिनों पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। जो प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। झारखंड सहित भारत के बड़े हिस्से में पारंपरिक जड़ी बूटियों से इलाज का लंबा इतिहास है जो उपेक्षा और शोध के बिना हाशिये पर चला गया है इस पहल से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। भारत में जब से मीडिया खास तौर पर इंटरनेट का व्यापक प्रसार हुआ तब से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये सईद इफेक्ट्स से मुक्त पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में वृद्धि हुई है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री भारत की समृद्ध एवं प्रभावशाली परंपराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। आयुष मंत्रालय को सक्रिय बनाने के अलावा आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिए भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं संदर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए बहुत बड़े आधारभूत संरचना की भी अवश्यकता नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से वंचित है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी।दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए बहुत बड़े आधारभूत संरचना की भी अवश्यकता नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है।

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

उमेश चतुर्वेदी

चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता। घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत-प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है। चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों, उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निमार्ता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके। चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे। चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था।

दुर्भाग्यवश चुनाव आयोग की गाइड लाइन भी बहुत प्रभावी नहीं हो पा रही है। हवा-हवाई वायदे भी खूब किए जा रहे हैं। इनमें रोजगार और नौकरियों को लेकर की जाने वाले वायदे पहले नंबर पर हैं। कल्याणकारी योजनाएं भी इसी कैटेगरी में आती हैं। लेकिन बहुत कम राजनीतिक दल ऐसे हैं, जो कल्याणकारी योजनाओं से संबंधि वायदे करते वक्त उन्हें पूरा करने के लिए जुटाई जाने वाली रकम और उनके स्त्रोत और तरीकों की जानकारी नहीं देते। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता का दबाव ही है कि कल्याणकारी योजनाओं को लेकर वायदे खूब हो रहे और हर राजनीतिक दल अपने ढंग से लागू भी कर रहा है। भले ही राज्य के खजाने की हालत खस्ता ही क्यों ना हो जाए। लेकिन यह भी सच है कि उस पर ख?च होने वाले फंड के स्त्रोत को लेकर जानकारी नहीं दी जा रही। साफ है कि चुनाव आयोग की गाइड लाइन इस संदर्भ में नाकाम लग रही है। मौजूदा आर्थिकी में लाभ पर जोर है, रोजगार का सवाल लगातार पीछे छूटता जा रहा है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि राजनीतिक दल इसी आर्थिकी को आगे बढ़ाने के साथ ही हवाई वायदों की फेहरिस्त भी जारी करते रहते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

इस फैसले में कोर्ट ने कहा था

- चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है।
- आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है।
- अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है।
- इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड-लाइन जारी की थी। इसके अनुसार, चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा।
- संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर असर पड़ सकता है या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की आशंका हो।

देश की बात

जीवनदायिनी दवाओं का असर 'इसलिए' हो रहा बेअसर

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यह बेहद चिंतनीय है कि आज जीवनदायिनी दवाएं तेजी से बेअसर होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौर-तरीके से अनभिज्ञ होना या फिर जानबूझकर लापरवाही बरतने के साथ ही खानपान से जुड़ी गलतियां भी हैं। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेहसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। दरअसल कोरोना के बाद जहां एक ओर आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को इलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दोराय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धड़ल्ले से लिखी जा रही हैं। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पहुंचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टीरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है। भारत सरकार बार-बार यह एडवाइजरी जारी करती जा रही है कि एंटीबायोटिक दवाएं अत्यधिक आवश्यकता में ही लिखी जाएं और एंटीबायोटिक दवाएं लिखते समय मरीज को कारण और उपयोग के तरीके से अवश्य बताया जाए। इसी से हालात की गंभीरता को समझा जा सकता है। जहां तक यूरोपीय देशों की बात है वहां सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में एंटीबायोटिक का उपयोग ना के बराबर होता है। दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देश-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इमरजेंसी के रूप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरीयता देने लगे हैं। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिशत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रेन, हार्ट आदि पर पड़ता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

युवा महिलाओं के लिए अमृत काल बेमिसाल

प्रियंका सौरभ

पिछले एक दशक में युवा भारतीय महिलाओं की आकांक्षाओं में बड़ा बदलाव देखा गया है, जो उनकी बढ़ती स्वायत्तता, शिक्षा और कार्यबल में भागीदारी को दशार्ता है। यह विकास भारत के सामाजिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से पुनर्परिभाषित कर रहा है। उच्च शिक्षा और कौशल विकास में लड़कियों की अब लड़कों के बराबर शैक्षिक उपलब्धि है, जिसमें 50 फीसद से अधिक युवा महिलाएं कक्षा 12 पूरी कर रही हैं और 26 फीसद कॉलेज की डिग्री प्राप्त कर रही हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (2017-18) उच्च शिक्षा में महिलाओं के बढ़ते नामांकन पर प्रकाश डालता है, जिसमें महिला सकल नामांकन अनुपात 27.3 फीसद तक पहुंच गया है। युवतियां विभिन्न कैरियर पथों और डिजिटल कौशल प्लेटफार्म तक पहुंच से प्रभावित होकर पेशेवर महत्वाकांक्षाओं को तेजी से प्राथमिकता दे रही हैं। स्किल इंडिया मिशन और स्टेम फॉर गर्ल्स इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने तकनीकी क्षेत्रों में युवा महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया है। विवाह की औसत आयु 2005 में 18.3 वर्ष से बढ़कर 2021 में 22 वर्ष हो गई है, जिसमें अधिक युवा महिलाएं अनुकूलता के आधार पर साथी चुनती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 52 फीसदी महिलाओं ने साथी चयन में अपनी बात रखी, जो 2012 में 42 फीसद थी। कई युवा महिलाएं आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास कर रही हैं, विशेष रूप से उद्यमिता के माध्यम से, क्योंकि सरकार महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए समर्थन दे रही है। उदाहरण के लिए नीति आयोग द्वारा महिला उद्यमिता मंच ने 10,000 से अधिक महिला उद्यमियों के नेटवर्क को बढ़ावा दिया है। युवा महिलाएं स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय शासन में बढ़ती भागीदारी के साथ राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हैं। ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वयं सहायता समूह सदस्यता 2012 में 10 फीसद से बढ़कर 2022 में 18 फीसद हो गई। ये आकांक्षाएं पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं और मानदंडों को चुनौती दे रही हैं। जैसे-जैसे अधिक महिलाएं करियर बना रही हैं, घरों में पारंपरिक लैंगिक अपेक्षाएं बदल रही हैं। मनरेगा पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन प्रदान करता है, जो ग्रामीण घरेलू गतिशीलता को प्रभावित करता है। ऊंची शिक्षा और आय के साथ, युवा महिलाओं का अब परिवार के वित्तीय और सामाजिक निर्णयों में अधिक प्रभाव है। स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण महिलाओं को सामूहिक रूप से घरेलू वित्त का प्रबंधन करने के लिए सशक्त बनाया है। बाद में विवाह करने और साथी चुनने में सक्रिय भागीदारी की ओर बदलाव ने अरेंज मैरिज की पारंपरिक संरचना को चुनौती दी है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

बोधि वृक्ष

जब आप बोलें तो अपने विषय में अधिक न बोलें। उसी विषय में बात करने का प्रयास करें जिसमें दूसरे की रुचि हो। और दूसरों को सुनें। आकर्षक बनने का यही तरीका है।

सामंजस्यपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना

श्री श्री परमहंस योगानंद

यदि आप उदार मन से लोगों का अध्ययन करते हैं, तो आप उन्हें अधिक अच्छे ढंग से समझेंगे और उनके साथ मिलजुल कर रहने में सफल होंगे। आप तुरन्त बता सकेंगे कि आप किस प्रकार के व्यक्ति से व्यवहार कर रहे हैं और यह जान लेंगे कि उससे कैसा व्यवहार करना है। एक दार्शनिक से घोड़ों की दौड़ के बारे में, या एक वैज्ञानिक से गृह-व्यवस्था के बारे में बात मत करें। पता कर लें कि व्यक्ति की रुचि किसमें है और तब उससे उस विषय के बारे में बात करें, जरूरी नहीं कि जिसमें आपको रुचि है।

जब आप बोलें तो अपने विषय में अधिक न बोलें। उसी विषय में बात करने का प्रयास करें जिसमें दूसरे की रुचि हो। और दूसरों को सुनें। आकर्षक बनने का यही तरीका है। आप देखेंगे कि लोग आपकी संगति को कितना चाहते हैं। हीनभाव वास्तविक अथवा कल्पित दुर्बलताओं के गुप्त बोध से उत्पन्न होता है। ऐसी दुर्बलताओं को छिपाने के प्रयास में, व्यक्ति झूठे अभिमान का कवच पहन सकता है, तथा अत्यधिक अहंकार का प्रदर्शन करता है। तब जो लोग इस मनोवृत्ति के वास्तविक कारण को नहीं समझते, वे कह सकते हैं कि वह व्यक्ति श्रेष्ठता- भाव रखता है। उसके आन्तरिक असामंजस्य की ये दोनों ही अभिव्यक्तियाँ उसके आत्म-विकास के लिए विनाशकारी हैं।

(क्रमशः)

फेसबुक वॉल से

X से

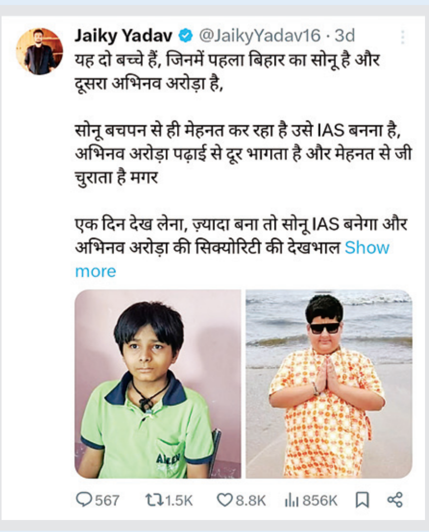

आज का दोहा

पहले बदली वल्दियत, फिर चुपके से बाप।
आस पास ऐसे कई, घूम रहे अभिशाप।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। –संपादक

आपकी बात

प्रदूषण : जिम्मेदारी सरकारों की भी हैं

राकेश दुबे

दिल्ली की दुर्दशा पर एक सरकारी बयान पढ़ने में आया, सरकार फरमाती है हवा और पानी तो ऐसे हैं, जिन्हें रोका या बांधा नहीं जा सकता। सरकार के पास बयानबाजी के अलावा विकल्प भी क्या है? जिस समय सर्वोच्च अदालत के 'कोर्ट रूम' में प्रदूषण पर सुनवाई चल रही थी, उस समय वहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 994 था। वह 'बेहद गंभीर' श्रेणी का प्रदूषण था। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी 'राष्ट्रीय शर्मिन्दगी' है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा 'गैस चैंबर' के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की 'प्रदूषित हवा' का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा भी आएगा, जब सडकों पर 'मास्कधारी आबादी' ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है। अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को 'प्रतीकात्मक जेल' की सजा सुनाए। प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो 'गैस चैंबर' से भी बदतर हालात हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या 30-35 प्रतिशत बढ़ गई है। सांसें टूट रही हैं। दिल का दौरा पड़ा है। अस्थमा, दमा का अटैक पड़ा है। लोग बुरी तरह खांस रहे हैं। मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ा है, लिहाजा ऐसे मरीज भी अस्पताल तक दौड़ रहे हैं। आम दृश्यता धुंध में कहीं खो गई है, लिहाजा 100 से अधिक विमान देरी से उड़े, 15 को अन्य राज्यों की ओर मोड़ा गया और कुछ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह कोई आपातकाल या संक्रमण काल नहीं है, रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रदूषण का प्रभाव है।

प्रदूषण से 22 लाख लोग सालाना मर जाते हैं। करीब 90 करोड़ भारतीय 'गंभीरतम प्रदूषण' में सांस लेने को विवश हैं। वे भी हरेक सांस के साथ अकाल मृत्यु की तरफ बढ़ रहे हैं। पर्यावरण में इतना धुआं औसत आदमी एक दिन में 49.2 सिगरेट पीने के समान निगलने को विवश है। हरियाणा में यह औसत 33.25 सिगरेट के धुएं के बराबर है। उप्र और बिहार में प्रतिदिन लोग औसतन 10 सिगरेट पीने को मजबूर हैं। आदमी के दिल, फेफड़े और गुर्दे कब तक साथ देंगे? आम आदमी की उम्र औसतन 8 साल घट रही है। हम लोग छोटे, बौने, निहित स्वार्थ के मुद्दों पर साल भर में औसतन एक लाख से अधिक आंदोलन करने के आदी हैं। जाति, धर्म, आरक्षण, आर्थिक मुद्दों पर भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़े गए हैं, लेकिन प्रदूषण जैसे जानलेवा हालात पर कोई आंदोलन नहीं! हालिया चुनावों में भी प्रदूषण पर कोई चर्चा, बहस सामने नहीं आई है। हमारे सामने चीन का उदाहरण है।

वह एक तानाशाही किस्म का देश है, लेकिन वहां लोगों ने 'गैस चैंबर' सरीखे प्रदूषण पर ऐसा आंदोलन छेड़ा कि सरकार हिल गई। आज वहां प्रदूषण लगभग नियंत्रण में है। भारत में वैसा क्यों नहीं किया जा सकता? सर्वोच्च अदालत भी फटकारना बंद करे और संवैधानिक दायित्व तय करे, क्योंकि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी हमारा संवैधानिक अधिकार है। पराली जलाना, घरेलू धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों से निकलने वाले जहरीले कण, पाबंदी के बावजूद आतिशबाजी आदि के मद्देनजर ग्रैप-4 की पाबंदियां भी स्थायी और पर्याप्त असरकारक नहीं हैं। बड़े वाहन बंद, निर्माण-कार्य बंद, फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद, दफ्तर बंद, स्कूल बंद, आखिर निठल्ले बैठकर प्रदूषण से कैसे लड़ा जा सकता है? प्रदूषण पर असर डालने वाले कारकों पर सोचना होगा, लिहाजा सरकारें विशेषज्ञों की सलाह लें। जिम्मेदारी सरकारों की भी है, बल्कि ज्यादा है।

दिल्ली में ही राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और पूरी कैबिनेट, संसद स्थित हैं। सर्वोच्च अदालत और प्रधान न्यायाधीश भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। सभी देशों के दूतावास भी दिल्ली में हैं। राजधानी होने के कारण दिल्ली की अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा है। भारत की छवि कलंकित हो रही है । प्रदूषण से जानलेवा खतरा हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, दलित, पिछड़ों सभी को है, लिहाजा इस मुद्दे पर क्षुद्र राजनीति भी नहीं करनी चाहिए। यदि सरकारें प्रदूषण काबू करने में ही नाकाम, असहाय हैं, तो उन्हें बर्खास्त कर देना चाहिए। प्रदूषण के मोर्चे पर अब लीक से हट कर कुछ सार्थक करने की जरूरत है। सरकारों के पास संसाधन और अधिकार दोनों हैं। वे किसी की भी व्यावहारिक सलाह लेकर उसे लागू कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

मिलावटी खाद्य पदार्थ व दूध के सेवन से हर वर्ष 60 करोड़ हो रहे बीमार

मिलावटी दूध से कैंसर का बढ़ रहा खतरा

आरपी सिंह

दूध का सेवन करने वालों में कैंसर के मामलों में 30 % की वृद्धि हो सकती है

मिलावट से गुर्दे खराब होने में 40%, हृदय रोगों में 25% वृद्धि का अनुमान

भारत में 6 वर्ष पहले किए गए एक सर्वे में 68% दूध के नमूने मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं मिले, अब तो और भी ज्यादा वृद्धि होने का अनुमान है।

नई दिल्ली। भारत में सभी को हर दिन दूध, पनीर, दही, घी खाने-पीने की सलाह दी जाती है, विशेषकर बच्चों-बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं व बीमार को। लेकिन दूध में तरह-तरह के मिलावट से स्वास्थ्य पर भयंकर असर पड़ता है। इसके चलते घातक बीमारियां हो रही हैं। बाजार में जो दूध से तैयार उत्पाद मिल रहे हैं उनमें से तमाम में पानी, सिंथेटिक रसायन, यूरिया व अन्य हानिकारक तत्त्वों की मिलावट पाई जा रही है। वैसे तो, दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए बेचने वाले उसमें पानी मिला देते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए उतना हानिकारक नहीं माना जाता। लेकिन, परेशानी तब बड़ी हो जाती है, जब दूध ही यूरिया, डिटर्जेंट, सिंथेटिक दूध, स्टार्च व कुछ रसायन मिलाकर बनाया जाने लगे। ऐसे रसायन दूध के प्राकृतिक पोषण को दूषित करके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो रहे हैं। जैसे कि यूरिया एक रासायनिक यौगिक है, जिसको कृषि में उर्वरक के रूप में उपयोग किया जाता है। लेकिन, जब इसे दूध में मिलाया जाता है, तो यह न केवल दूध की गुणवत्ता को प्रभावित करता है, बल्कि गुर्दे, लीवर,किडनी व अन्य अंगों को खराब कर देता है। दूध के प्रोटीन परीक्षणों में नाइट्रोजन की मात्रा मापी जाती है। यूरिया में नाइट्रोजन की उच्च मात्रा होने के कारण, यूरिया मिले दूध के परीक्षणों में प्रोटीन की मात्रा कृत्रिम रूप से अधिक दिखाई देती है। यह मिलावट न केवल उपभोक्ताओं को भ्रमित करती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद खतरनाक हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, प्रति वर्ष लगभग 60 करोड़ लोग खाद्य मिलावट के कारण बीमार पड़ते हैं, जिनमें से कई मामलों में मिलावटी दूध का सेवन शामिल है। इसी तरह, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) की एक रपट में यह बताया गया कि 2018 में किए गए एक अध्ययन में 68 प्रतिशत दूध के नमूने मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं थे। प्राधिकरण ने चेतावनी दी कि मिलावट वाले दूध का सेवन करने वाले लोगों में कैंसर के मामलों में 30 फीसद वृद्धि हो सकती है। यह स्थिति विशेष रूप से तब गंभीर हो जाती है, जब मिलावट में रासायनिक तत्व, जैसे फार्मेल्डेहाइड और यूरिया शामिल होते हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं और जीन में परिवर्तन का कारण बन सकते हैं। फार्मेल्डेहाइड शरीर की कोशिकाओं में जीन में परिवर्तन कर कैंसर का जोखिम बढ़ा देता है, जबकि यूरिया की मिलावट दूध की गुणवत्ता को कृत्रिम रूप से बढ़ा देती है। इन रसायनों का सेवन न केवल कैंसर का खतरा पैदा करता है, बल्कि गुर्दे और लीवर की विफलता जैसी गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। अनुसंधान से यह भी स्पष्ट है कि मिलावट के कारण गुर्दे की विफलता के मामलों में चालीस फीसद और हृदय रोगों के मामलों में पच्चीस फीसद तक की वृद्धि हो सकती है। डब्लूएचओ की 'कैंसर रिस्क असेसमेंट' रपट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि रासायनिक मिलावट से प्रभावित व्यक्तियों में स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं।

एचपीएलसी से हो सकती है दूध में मिलावट की पहचान

'जर्नल आफ डेयरी साइंस' में प्रकाशित शोध के अनुसार, एचपीएलसी तकनीक का उपयोग करके दूध में मिलावट की पहचान करने की सटीकता 97% तक थी। गैस क्रोमेटोग्राफी (जीसी) भी एक प्रभावशाली तकनीक है, जिसका उपयोग दूध में वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों और अन्य रसायनों की पहचान के लिए किया जाता है। यह विधि दूध में मिलावटी तत्वों की पहचान के लिए अत्यधिक सटीक मानी जाती है। इन तकनीकों के उपयोग से न केवल दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे मिलावट के मामलों में भी कमी आएगी। इसलिए, इन परीक्षण विधियों को अपनाने और प्रभावी रूप से लागू करने के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है, ताकि दूध की शुद्धता बनी रहे और लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवात

24 तक तक 'फेंजल' के तट पर पहुंचने की संभावना

एजेंसी। कोलकाता (हि.स.)

'फेंजल' नामकरण सऊदी अरब ने किया है

बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवातीय स्थिति बन चुकी है, जिससे मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में 'फेंजल' नामक चक्रवात के बनने की संभावना जताई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण अंडमान और निकोबार के पास बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवातीय दबाव क्षेत्र बन चुका है। इसके प्रभाव से आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है, जो धीरे-धीरे तेज होकर 'गहरे दबाव' और फिर चक्रवात का रूप ले सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने गुरुवार को कहा है कि चक्रवातीय दबाव अगले 24 घंटे में और मजबूत हो सकता है। समुद्री परिस्थितियों और हवाओं की गति के चलते यह चक्रवातीय दबाव शनिवार (23 नवंबर) या रविवार (24 नवंबर) को मुख्य भारतीय भूभाग के तटीय क्षेत्रों तक पहुंच सकता है। इसके चलते तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में इसका असर पड़ सकता है। श्रीलंका के उत्तरी तटीय इलाकों में भी इसके प्रभाव की आशंका जताई गई है। अगर यह चक्रवात पूर्ण रूप लेता है, तो इसे 'फेंजल' नाम दिया जाएगा। यह नामकरण सऊदी अरब द्वारा किया गया है। इससे पहले अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में इसी क्षेत्र में बने 'दाना' चक्रवात ने भारी प्रभाव डाला था, जिसका नाम कतर द्वारा दिया गया था। हालांकि, आईएमडी ने अब तक इस संभावित चक्रवात की सटीक दिशा, तीव्रता या उससे होने वाले नुकसान के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दी है। मौसम विभाग ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। प्रशासन ने भी ऐहतियाती कदम उठाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। समुद्र में मछुआरों को नहीं जाने की सलाह दी गई है।

उपराष्ट्रपति ने एनडीसी पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को किया संबोधित

रचनात्मक वैश्विक शक्ति बनना चाहता है भारत : जगदीप धनखड़

जी-20 की अध्यक्षता के दौरान विविधता में एकता पर बल दिया

विश्व को एक परिवार के तौर पर मानते हुए सबका सुख चाहता है

एजेंसी। नई दिल्ली (हि.स.)

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्ध हैं और यह अर्थव्यवस्था और सामाजिक मूल्यों के साथ-साथ सद्भाव के लिए भी महत्वपूर्ण है। हम महिलाओं को सशक्त बनाने को एक कदम आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व में सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। उन्होंने हाल ही में संसद से पारित महिला आरक्षण विधेयक का भी इस दौरान जिक्र किया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि भारत का लक्ष्य शांति निर्माण, शांति स्थापना और जलवायु कार्रवाई पहल के माध्यम से एक रचनात्मक वैश्विक शक्ति बनना है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने गुरुवार को नई दिल्ली में भारत के मूल मूल्य, रुचियां और उद्देश्य विषय पर 64वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित किया। विश्व में सकारात्मक भूमिका निभाने के भारत के योगदान का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने सतत विकास दर पर केंद्रित वैश्विक प्रगति को मानव केंद्रित किए जाने पर जोर किया और विविधता में एकता पर बल दिया।

उपराष्ट्रपति ने इस बात को भी रेखांकित किया कि भारत सबके सुख की कामना करता है और विश्व को एक परिवार के तौर पर मानता है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने 'वैश्विक दक्षिण' की आवाज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का पोषण करते हुए समावेशी विकास, शांति और सार्वभौमिक कल्याण भारतीय दर्शन के केंद्र में है। भारत अपनी भाषा, धर्म और नस्लीय विभिन्नता का उत्सव मनाता है। यहां समानता और स्वतंत्रता सुनिश्चित होती है। भारत की विदेश नीति भी इसी तरह अन्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता संप्रभुता का सम्मान करते हुए संघर्ष व प्रतिस्पर्धा पर बातचीत को प्रधानता देने पर जोर देती है।

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में दरभंगा-दिल्ली स्पेशल ट्रेन बेपटरी

पटना। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के नरकाटियागंज के हरिनगर रेलवे स्टेशन के पास बुधवार की मध्य रात्रि दिल्ली से दरभंगा आने वाली स्पेशल ट्रेन 04068 बेपटरी हो गई। उसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि किसी भी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। बताया गया है कि यार्ड परिसर में इंजन के पीछे की एक बोगी डिरेल हुई। अचानक झटका लगने से घबराए यात्री अपनी-अपनी सीट से उठ गए। कुछ समय तक अफरातफरी का माहौल रहा। ट्रेन चार घंटे तक हरिनगर रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही।

यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, पांच लोगों की मौत

एजेंसी। लखनऊ (आईएएनएस)

सीएम योगी ने दुख जताते हुए अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अलीगढ़ में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसा का संज्ञान लिया। अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 15 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। सीएम योगी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बता दें कि अलीगढ़ में यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार देर रात बड़ा हादसा हो गया था। एक बस ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बस सवार पांच लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महाकुंभ 2025 के लिए विशेष निमंत्रण भेजे जा रहे हैं : महंत यमुना पुरी

एजेंसी। प्रयागराज (आईएएनएस)

महाकुंभ-2025 के लिए निमंत्रण पत्र वितरण शुरू हो गया है। इस महाकुंभ स्नान के लिए अखाड़ों के इष्ट देव, देवता गढ़, पंच परमेश्वर, महानिवार्णी अखाड़ा के संत, महंत, महामंडलेश्वर और मां गंगा के भक्तों को कुंभ मेला प्रवेश शोभायात्रा और कुंभ पर्व अमृत स्नान के लिए निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं।

इस विशेष निमंत्रण पत्र का वितरण को लेकर आईएएनएस ने महानिर्वाण अखाड़ा के महंत यमुना पुरी से खास बातचीत की। महानिर्वाण अखाड़ा के महंत यमुना पुरी ने बताया कि निमंत्रण कार्ड तो प्राचीन काल से चले आ रहे हैं, सतयुग में भी निमंत्रण कार्ड का प्रचलन था। कभी भोजपत्र पर, तो कभी कपड़ों पर लिखकर व्यवस्थित तरीके से इन्हें भेजा जाता था। पहले कागजों पर हस्तलिखित निमंत्रण भेजे जाते थे, लेकिन अब प्रिंटिंग की दुनिया ने इसे आसान बना दिया है। टाइप करने में सुविधा होती है, इसलिए अब यह टाइप किए जाते हैं। किसी भी शुभ अवसर पर निमंत्रण भेजना हमारी संस्कृति का हिस्सा है।

बता दें कि कुंभ में लाखों की तादाद में श्रद्धालु गंगा, यमुना, सरस्वती और अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए पहुंचते हैं। यह आयोजन धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक समागम है, जो सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। महाकुंभ-2025 को सफल बनाने के लिए प्रदेश की योगी सरकार भी युद्धस्तर पर काम कर रही है।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

जेम्स एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री में महिलाओं के पास अपार संभावनाएं : स्मृति ईरानी

एजेंसी। नई दिल्ली (आईएएनएस)

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि जेम्स एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री में महिलाओं के पास अपार संभावनाएं हैं और वे क्षेत्र में नवाचार और विकास के साथ आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने यह बात नई दिल्ली में जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कही। इस कार्यक्रम में जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर में नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर खुलकर बात की गई। ईरानी ने उद्योग में महिला उद्यमियों के लिए अधिक समावेशी और सहायक वातावरण बनाने के लिए अपना दृष्टिकोण रखा। ईरानी ने कहा, जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग में महिलाओं में अपार क्षमता है और जीजेईपीसी महिलाओं की प्रतिभा को उनकी क्षमताओं के आधार पर पहचानने और उनका पोषण करने के लिए अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा, निर्यात बाजारों को लक्षित करने वाले उभरते डिजाइनरों से लेकर टियर शहरों में खुदरा उद्यमियों तक, उद्योग को प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए लक्षित रणनीतियों को लागू करना चाहिए। उभरते बाजारों के संपर्क, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच और बिजनेस स्कूलों के साथ साझेदारी जैसी पहल महिलाओं को इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बना सकती हैं। उनकी क्षमता को उजागर करके, हम न केवल व्यक्तियों को बल्कि पूरे उद्योग को ऊपर उठाते हैं। ईरानी ने परिषद को शोध और डाटा संग्रह पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि लक्षित हस्तक्षेपों को सक्षम किया जा सके, जो रत्न और आभूषण उद्योग में महिलाओं को लाभान्वित करते हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में अधिक महिलाओं को आकर्षित करने के लिए डिजाइन और बिजनेस स्कूलों जैसे शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया है।

पटियाला कोर्ट ने दिल्ली के बीकानेर हाउस को अटैच करने का दिया आदेश

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस को अटैच करने का आदेश दिया है। गुरुवार को पटियाला हाउस कोर्ट के कॉमर्शियल कोर्ट के स्पेशल जज विद्या प्रकाश ने यह आदेश जारी किया है। पटियाला हाउस कोर्ट के कॉमर्शियल कोर्ट के स्पेशल जज ने एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड और राजस्थान के नोखा नगरपालिका के बीच के विवाद में हुए समझौते का पालन नहीं करने पर यह आदेश जारी किया है। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि नोखा नगरपालिका 21 जनवरी 2020 को एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में 50,31,512 रुपये की आर्बिट्रल अवार्ड पारित किया गया था। इस अवार्ड के खिलाफ नोखा नगरपालिका की अपील खारिज कर दी गई थी।

झारखंड और महाराष्ट्र में हम जीत रहे : पप्पू यादव

पटना (आईएएनएस)। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने गुरुवार को महाराष्ट्र और झारखंड एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि इंडी गठबंधन दोनों राज्यों में जीत रहा है। पप्पू यादव ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि एग्जिट पोल को लेकर हम पहले से कह चुके हैं कि झारखंड और महाराष्ट्र दोनों जगह हमारी जीत होगी। झारखंड की जनता इसका जवाब देगी।

सीमाओं पर जवानों के साथ तैनात हो सकेंगे मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट

रोबोटिक डॉग ने बैटल एक्स डिवीजन के साथ किया अभ्यास

एजेंसी। जैसलमेर (हि.स.)

बॉर्डर से सटे इलाकों में उपयोग के लिए 100 रोबोटिक डॉग सेना में शामिल

देश की सीमाओं पर जवानों के साथ अब रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट यानी रोबोटिक डॉग भी तैनात होंगे। जैसलमेर के पोखरण फायरिंग रेंज में रोबोटिक डॉग ने भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन के साथ 14 से 21 नवंबर तक अभ्यास किया। सेना ने इस डॉग के साथ दुश्मन को खोजने और उसे खत्म करने का अभ्यास किया है। हाल ही में भारतीय सेना ने बॉर्डर से लगे इलाकों में (विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में) उपयोग के लिए 100 रोबोटिक डॉग को शामिल किया है।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि सेना का अभ्यास गुरुवार को समाप्त हुआ। भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन की एक इकाई के 50 से भी ज्यादा सैनिकों ने इसमें हिस्सा लिया। इस अभ्यास में करीब 10 रोबोटिक डॉग्स को शामिल किया गया था। इस दौरान रोबोटिक डॉग ने दुश्मन को खोजने, हथियार ले जाने, कैमरे से दुश्मन का ठिकाना बताने सहित विषम परिस्थितियों में सैनिकों की मदद करने का ट्रायल दिया। ये रोबोटिक डॉग किसी भी ऊंचे पहाड़ से लेकर पानी की गहराई तक जाकर काम करने में सक्षम हैं। इन्हें 10 किलोमीटर दूर बैठकर भी ऑपरेट किया जा सकता है। एक घंटे चार्ज करने के बाद ये लगातार 10 घंटे तक काम कर सकते हैं। इसके अलावा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सहायता और परिवहन में सुधार के लिए लॉजिस्टिक्स ड्रोन का परीक्षण किया जा रहा है।

रोबोटिक डॉग्स थर्मल कैमरों और रडार से लैस हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी डिजाइन है। यह बर्फ, रेगिस्तान, ऊबड़-खाबड़ जमीन, ऊंची सीढ़ियों यहां तक कि पहाड़ी इलाकों में हर बाधा को पार करने में सक्षम बनाता है। रोबोटिक डॉग जवानों को किसी भी नुकसान से बचाते हुए दुश्मन के ठिकानों पर गोलीबारी करने में भी सक्षम है। म्यूल डॉग एक मीटर से 10 किलोमीटर की रेंज तक ऑपरेट किया जा सकता है। वाई-फाई या लांग टर्म इवोल्यूशन यानी एलटीई पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। छोटी दूरी के लिए वाई-फाई का उपयोग किया जा सकता है, जबकि 4जी या एलटीई का उपयोग 10 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किया जा सकता है। इसमें कैमरा लगा होता है जो 360 डिग्री तक घूम सकेगा। रोबोटिक डॉग्स सेंसर्स के माध्यम से काम करते हैं। इनमें एक रिमोट कंट्रोल यूनिट होती है, जिससे इनको मॉनीटर किया जाता है। ये रोबोटिक डॉग्स जरूरी सामान की सेना तक आपूर्ति करेंगे। इन रोबोटिक डॉग्स में हाई रिजॉल्यूशन वाले कैमरे और सेंसर लगे होते हैं, जो छिपे हुए दुश्मन को भी खोज निकालेंगे। रियल टाइम डाटा देंगे। इनके जरिए सेना दुश्मन की हरकतों पर नजर रखेगी।

कटिहार कोढा गैंग के दो शातिर अंतर जिला झपटामार गिरफ्तार

एजेंसी। सहरसा (हि.स.)

पुलिस अधीक्षक हिमांशु की तेज तर्रार जिला पुलिस ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिसमें उसने कटिहार जिले के कोडा थाना क्षेत्र के चर्चित कोडा गैंग के दो शातिर झपटमार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। दोनों शातिर अपराधी बिहार के लगभग एक दर्जन जिलों में सोने की चैन और मोबाइल की झपटमारी की घटना को अंजाम दे चुका है। साथ ही कई जिलों की जेल की भी हवा खा चुका है, जिनकी गिरफ्तारी सहरसा पुलिस की एक बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। गुरुवार को सदर थाना में प्रेस वार्ता आयोजित कर साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने बताया कि बीते 6 सितंबर को सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत नया बाजार, वार्ड नंबर 13 निवासी अविनाश कुमार झा की पत्नी सोनी कुमारी से एक बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों द्वारा चलती सड़क पर गले से सोने की चेन झपट ली थी। उनकी शिकायत पर सदर थाना कांड संख्या - 992/24 दर्ज कर जांच की जा रही थी। उन्होंने आगे बताया कि घटना संवेदनशील थी।ऐसे में एसपी के निर्देश पर छापामारी अभियान चलाई जा रही थी। इसी क्रम में गुरुवार को एसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम ने तकनीकी अनुसंधान, मानवीय सूचना और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से घटना में अप्राथमिक के दो अभियुक्त चिन्हित किया था। जो सनी कुमार यादव और आकाश कुमार उर्फ रंगीला थे। वे लोग कटिहार जिले के कोढा थाना क्षेत्र के निवासी थे। सूचना के बाद एसआईटी टीम द्वारा कोढा थाना क्षेत्र जाकर छापामारी की गई थी। जिसमें दोनों अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई थी।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी कटिहार जिले के कोढा थाना क्षेत्र के नयाटोला, बेराजगंज निवासी शनि कुमार यादव और उक्त गांव के ही आकाश कुमार उर्फ रंगीला थे।गिरफ्तार अपराधकर्मी से लूटी गई एक सोने की चेन, सोने की एक अंगूठी और घटना में उपयोग किए गए पांच मोबाइल जब्त किए गए थे।उन्होंने आगे बताया कि छापामारी टीम में सदर थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार, सदर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार, पूनम कुमारी,अविनाश कुमार,गुंजन कुमार के अलावे जिला आसूचना इकाई के कर्मी और सदर थाना पुलिस बल मौजूद थे।

ओडीएम सफायर को 78 रन से हराया

आरडीसीए अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट में डीपीएस ने जीत दर्ज की

नवयम 51 रन

श्रेयांश 4/38

नैतिक 4/24

रांची। रांची जिला क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन धुर्वा स्थित ग्राउंड शाखा में खेला गया। टूर्नामेंट डीपीएस बनाम ओडीएम सफायर के बीच हुआ। डीपीएस की टीम ने 31.1 ओवर में 10 विकेट खोकर 203 रन बनाया। इस दौरान नव्यम बिरथरे - 51, सारांश जैन - 27 और आरव मुंजाल ने - 27 रन बनाया। वहीं गेंदबाजी करते हुए श्रेयश श्री ने 4 ओवर में 38 रन और नैतिक कुमार ने 4 ओवर में 24 रन दिया। वहीं, ओडीएम सफायर ने 27.3 ओवर में 10 विकेट पर 125 रन बनाया। इस दौरान सूरज सिंह - 29 व अर्पित नारायण ओझा ने 30 रन बनाये। गेंदबाजी करते हुए सात्विक अनीश ने 2 ओवर में 24 रन, कृषभ प्रभात ने 2 ओवर में 29 व सारांश जैन ने 2 ओवर में 7 रन दिया। डीपीएस ने 78 रन से जीत दर्ज की।

रांची जिला क्रिकेट एसोसिएशन अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट

गुरु नानक स्कूल ने 52 रन से जीत हासिल की

मनवीर-63

अमन 5/19

रांची। रांची जिला क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन धुर्वा स्थित नेहरू स्टेडियम में खेला गया। टूर्नामेंट गुरु नानक स्कूल बनाम बागवार अकादमी के बीच हुआ। गुरु नानक स्कूल ने 26.1 ओवर में 10 विकेट खोकर 170 रन बनाया। मनवीर ने 63 व काशिफ ने 35 रन बनाया। गौरव ने चार ओवर में 14 रन दिया। जबकि सिवा और शिवम ने 2-2 विकेट लिए। बागवार अकादमी ने 19.3 ओवर में 10 विकेट खोकर 118 रन बनाया। गौरव ने 29 रन बनाये। वहीं अमन ने पांच ओवर में 19 दिया। रोहित, अंकुश और आशीष ने 1-1 विकेट लिए। गुरु नानक स्कूल ने 52 रन से जीत दर्ज की।

एथलेटिक्स और साइक्लिंग की टीम रांची लौटी, डीजीपी से मिली

रांची। अखिल भारतीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता के एथलेटिक्स और साइक्लिंग स्पर्धा में भाग लेकर झारखण्ड पुलिस की टीम रांची लौटी। इस दौरान पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह ने टीम कप्तान और प्रशिक्षकों से की मुलाकात। डीजीपी ने खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन की सराहना की।

मानसिक और शारीरिक तरोताजगी अच्छे प्रदर्शन करने की कुंजी है : पोंटिंग

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जैसी उच्च-दांव वाली श्रृंखला की तैयारी की चुनौतियों पर विचार किया, अत्यधिक मैच अभ्यास पर मानसिक स्पष्टता पर जोर दिया और कहा कि श्रृंखला में प्रदर्शन करना "यह सुनिश्चित करने के बारे में अधिक होगा कि आप मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छे और तरोताजा हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, "तैयारी हमेशा सही तरीके से करना मुश्किल होता है क्योंकि मैंने ट्रैविस हेड जैसे लोगों को अतीत में देखा है।

कप्तानी जिम्मेदारी है, यह कोई टाइटल नहीं : जसप्रीत बुमराह

हम ऑस्ट्रेलिया की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और आगामी श्रृंखला के लिए तैयार

एजेंसी

पर्थ। भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने भरोसा जताया है कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और आगामी श्रृंखला के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला 3-0 से गंवाकर ऑस्ट्रेलिया पहुंची है। 30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने सुनिश्चित किया कि भारत ने 24 वर्षों में पहली घरेलू टेस्ट सीरीज़ वाइटवॉश से सीख ली है और याद दिलाया कि दोनों सीरीज़ में खेलने की परिस्थितियाँ अलग-अलग हैं। बुमराह ने शुक्रवार को शुरुआती टेस्ट से पहले संवाददाताओं से कहा, "जब आप जीतते हैं, तो आप शून्य से शुरू करते हैं, लेकिन जब आप हारते हैं, तो भी आप शून्य से शुरू करते हैं। हम भारत से कोई बोझ नहीं उठा रहे हैं। हां, हमने न्यूजीलैंड सीरीज़ से कुछ सीखा है, लेकिन वे अलग परिस्थितियाँ थीं और हमारे परिणाम यहाँ अलग रहे हैं। बुमराह पर्थ में टॉस के लिए उतरेंगे, क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा ने निजी कारणों से सीरीज के पहले मैच से बाहर रहने का फैसला किया है।

मैदान पर शारीरिक रूप से मौजूद न होने के बावजूद, कप्तानी पर फैसला लेते समय रोहित को शामिल किया गया। रोहित की अनुपस्थिति और अंगूठे में चोट लगने के बाद शुभमन गिल के बारे में फैसला अभी नहीं लिया गया है, ऐसे में मेहमान टीम की प्लेइंग इलेवन कई लोगों के लिए चर्चा का विषय बनी हुई है। शुरुआती टेस्ट से एक दिन पहले बुमराह ने खुलासा किया कि प्लेइंग इलेवन को अंतिम रूप दे दिया गया है, लेकिन उन्होंने इस बारे में कुछ भी नहीं बताया। बुमराह ने कहा, "मैंने रोहित से बात की। जब मैं यहां आया, तो कोच और प्रबंधन ने मुझे स्पष्ट कर दिया कि मैं कप्तानी करूंगा। हमने इसे अंतिम रूप दे दिया है, आपको कल (प्लेइंग इलेवन) पता चल जाएगा। हमें खेलने वाले प्रत्येक खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। पर्थ टेस्ट की पिच पर उछाल और गति की उम्मीद है, इसलिए बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। भारत के पास वाका पर शॉर्ट-लेंथ गेंदों के खतरे से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करने के लिए पर्याप्त समय था। इंट्रा-स्क्वाड मैच सिमुलेशन के दौरान, भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह के खतरे के लिए तैयार करने के लिए विशेष रूप से अभ्यास तैयार किए गए थे। बुमराह ने कहा, "हमें वाका में वह समय मिला। इनमें से बहुत से खिलाड़ी पहली बार आ रहे हैं। कूकाबुरा गेंद अलग है। यहाँ उम्मीद से कहीं ज़्यादा उछाल है। इन सभी चीज़ों के लिए हमारे पास समय था। यह दौरा कई खिलाड़ियों के लिए एक निर्णायक क्षण होगा।

कोई भी व्यक्ति अनुभव के साथ पैदा नहीं होता

उन्होंने कहा, "मैं उन्हें यही संदेश देना चाहूँगा कि मैं आत्मविश्वास में विश्वास करता हूँ। सभी ने बहुत क्रिकेट खेला है। अगर किसी दिन आपको लगता है कि आप काफी अच्छे हैं, तो आप प्रभाव डाल सकते हैं, चाहे आपने कितने भी टेस्ट खेले हों। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके अंदर क्या चल रहा है। उन्होंने कहा, "जब मैं पहली बार यहां आया था, तो मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मैं प्रभाव डालना चाहता था। मैंने खुद को देखा। यही संदेश मैं देता हूं। कोई भी व्यक्ति अनुभव के साथ पैदा नहीं होता। आप इसे खेलकर अर्जित करते हैं। अगर आपको खुद पर विश्वास है, तो यही सबसे ज्यादा मायने रखता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 10-10 लाख रुपये देगी बिहार सरकार

एजेंसी

पटना। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में फाइनल में चीन पर 1-0 की जीत के साथ महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का खिताब जीत लिया। इस जीत के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विजेता टीम की हर खिलाड़ी और कोच को 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "राजगीर के राज्य खेल अकादमी एवं बिहार खेल विश्वविद्यालय-सह-राज्य खेल परिसर में आयोजित एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत की जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं। बिहार में पहली बार आयोजित एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत ने फाइनल मुकाबले में चीन पर 1-0 से जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है, जो पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह जीत भारतीय टीम की कड़ी मेहनत, ऊर्जा और धैर्य के साथ ही दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। उन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम को भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं दीं। सीएम नीतीश कुमार ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, "राज्य सरकार विजेता टीम के सभी सदस्यों एवं टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को 10-10 लाख रुपये नकद राशि से पुरस्कृत करेगी। टीम के बाकी सपोर्ट स्टाफ को भी पांच-पांच लाख रुपये की नकद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी विजेता टीम को बधाई और शुभकामना देते हुए खिलाड़ियों और कोच को पुरस्कृत करने की घोषणा पर मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा, "इससे खेल के प्रति महिला खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ेगा। मैं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस निर्णय के लिए कोटिश आभार-धन्यवाद प्रकट करता हूं।

डीएवी नेशनल खेलकूद प्रतियोगिता दो से

नवीन मेल संवाददाता

▸ खिलाड़ियों को किया जा रहा है प्रशिक्षित

रांची। डीएवी गांधीनगर में डीएवी नेशनल खेल कूद प्रतियोगिता जो दिल्ली में 2 से 4 दिसम्बर तक आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए डीएवी झारखंड जोन का कंडिशनिंग तथा कमबीनेशनिग कैम्प 20 से 24 नवम्बर तक लगाया जा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार झा ने बताया कि इस तरह के एक्टीविटी से बच्चों का कन्सन्ट्रेशन लेवल बढ़ता है और शरीर में आराम महसुस होता है। इन प्रशिक्षणार्थियों को डीएवी के विभिन्न विद्यालयों के खेल प्रशिक्षक खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। ताकि दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय डीएवी प्रतियोगिता में झारखंड का नाम रौशन हों सकें।

चाइना मास्टर्स : सिंधु, अनुपमा दूसरे दौर के मैच हारकर बाहर

शेन्ज़ेन (चीन)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और अनुपमा उपाध्याय गुरुवार को यहां अपने-अपने दूसरे दौर के मैच हारकर चल रहे चाइना मास्टर्स से जल्दी बाहर हो गईं। सिंधु मुकाबले में सिंगापुर की यो जिया मिन से 16-21, 21-17, 21-23 से हार गईं।

कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में खेलने का दबाव भारत की तुलना में कम होगा : मार्क वॉ

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने कहा कि विराट कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में खेलने का दबाव भारत की तुलना में कम होगा, क्योंकि दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियां पसंद हैं और उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है। कोहली खराब फॉर्म के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। उन्होंने अपनी दस हालिया टेस्ट पारियों में 20.62 की औसत से रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में उनके 54.08 के औसत और उनके कुल करियर औसत 47.83 से काफी कम है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में अपने कुछ ऐतिहासिक शतक लगाने और 2018/19 में भारत को यहां 2-1 से सीरीज जिताने के बाद, 22 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में शुरू होने वाली आगामी पांच मैचों की सीरीज में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है।

अजय झा बने मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के महासचिव अजय झा को सत्र 2024-2028 के लिए मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष बनाया गया है। श्री झा इससे पूर्व मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव रह चुके हैं। श्री झा झारखंड राज्य के पहले व्यक्ति हैं जिनको ये दोनों पद पर विराजमान हुए हैं। वर्तमान में श्री झा तैंतीस वर्षों से बंगीय सांस्कृतिक परिषद उच्च विद्यालय, सेक्टर-2, धुर्वा, राँची (अल्पसंख्यक विद्यालय) में शारीरिक शिक्षा शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। श्री झा झारखंड राज्य के सभी कोटि के विद्यालय में वरीय शारीरिक शिक्षा शिक्षक के रूप में 33 वर्षों से नियमित शिक्षण कार्य के अलावा मलखंब, कबड्डी, खो-खो, योग, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, स्कावश, आत्या-पात्या, एथलेटिक्स एवं अन्य खेलों में हजारो खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, खेलों इंडिया, नेशनल गेम्स में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करवायें हैं।

श्री झा को कोषाध्यक्ष बनने पर झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश सिंह जग्गू, बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय सचिव सजल बनर्जी, अखिलेश्वर उपाध्याय, चन्द्र कान्त लाल, आशुतोष द्विवेदी, जिला खेल पदाधिकारी, राँची शिवेंद्र कुमार, आशीष बनर्जी, विवेक कुमार, सुभाष गांगुली, संजय कुमार, कौशल कुमार, श्रीकांत कुमार, सहजाद कुरैशी ने बधाई एवं शुभकामनाए दी है। 17 नवम्बर को विलासपुर, छत्तीसगढ में मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया की वार्षिक बैठक में सर्वसम्मति चुनाव के उपरांत चार वर्षों (2024-2028) के लिए मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जो इस प्रकार है:- अध्यक्ष - सोनू गहलौत (उज्जैन, मध्यप्रदेश), उपाध्यक्ष - विनय तेंदुलकर पूर्व राज्यसभा सांसद (गोवा), संगीता चौकसी (गुजरात), प्रशांत मिश्रा (उत्तरप्रदेश), जय चंद्रन (केरल), प्रवीण मिश्रा (बिहार), महासचिव - डॉ राज कुमार शर्मा (छत्तीसगढ), कोषाध्यक्ष - अजय झा (झारखंड), संयुक्त सचिव - शशि बाला (दिल्ली), राजेन्द्र कुमार (हिमाचल प्रदेश), रमेश ओली (उत्तराखंड), राजेन्द्र शर्मा (चंडीगढ़), संजय कुमार (दिल्ली) बनाए गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पांच एथलेटिक द्रोणाचार्य पुरस्कार और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त योगेश मालवीय, गणेश देवरूखकर, हिमानी परब, सागर ओवलेकर, सरिता पोयाम सम्मिलित किए गए हैं।

अंतर स्कूल अंडर 16 टूर्नामेंट 27 से

रांची। रांची जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर स्कूल अंडर 16 टूर्नामेंट 27 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। टूर्नामेंट में कुल 28 स्कूलों ने भाग लिया है। उसी के तहत स्कूलों के गेम शिक्षकों की मीटिंग जिला संघ के कार्यालय (जे. एस.सी.ए स्टेडियम) में आयोजित की गई एवं लॉटरी के आधार पर स्कूलों को 4 ग्रुपों में बांट दिया गया। प्रत्येक स्कूलों की टीमों को 6 मैच लीग में खेलने का मौका मिलेगा। प्रत्येक ग्रुप से 2 टीम नॉकआउट में जाएगी।

पूर्वी क्षेत्र अंतर विवि पुरुष हॉकी प्रतियोगिता शुरू

नवीन मेल संवाददाता

▸ रांची विश्वविद्यालय ने उत्कल को हराया

रांची। रांची विश्वविद्यालय पुरुष हॉकी टीम ने पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय पुरुषों की प्रतियोगिता के अपने पहले मैच में उत्कल विश्वविद्यालय को चार एक से पराजित कर अपना विजय अभियान की शुरूआत की। रांची विश्वविद्यालय में खेल के 15 मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला व गोल कप्तान जोसेफ टोपनो ने किया। उसके बाद 29 मिनट में उत्कल विश्वविद्यालय के कप्तान संदीप ने गोलकर टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया। इसके 1 मिनट बाद एक बार फिर कप्तान जोसेफ टोपनो ने गोल कर फिर से टीम के लिए कर टीम को दो एक की बढ़त दिला दिया। खेल के 56 वें मिनट में संदीप ने एक और गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और टीम को तीन एक से बढ़त हासिल कर दी। इसके 1 मिनट बाद मुकेश टोपनो ने एक गोल कर टीम को चार एक से आगे कर दिया जो अंत तक कायम रही। प्रतियोगिता संबलपुर विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम नागालैंड रवाना

रांची। एसजीएफआई सेपकटकरा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम अंडर-19 गर्ल्स कोहिमा नागालैंड के लिए रवाना हुई। रवाना होने से पहले टीम कोच कौशल्या कुमारी, मैनेजर अभिषेक यादव के साथ सभी खिलाड़ी निधि रानी कुमारी, सुहानी कुमारी, रूपा कुमारी, सोनी मरांडी और अनामिका उरांव एक साथ दिखे।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारतीय एमएसएमई सेक्टर ने 15 महीने में सृजित किए 10 करोड़ रोजगार के अवसर

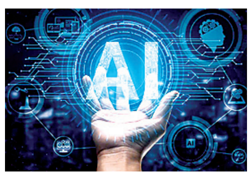

नई दिल्ली। सरकारी पोर्टल उद्यम के मुताबिक, भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) द्वारा देश में बीते 15 महीनों में 10 करोड़ के करीब रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पंजीकृत एमएसएमई की संख्या पिछले साल अगस्त में 2.33 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 5.49 करोड़ हो गई है, जबकि इस अवधि के दौरान इन उद्यमों में नौकरियों की संख्या 13.15 करोड़ से बढ़कर 23.14 करोड़ हो गई है। कुल रोजागार में उद्यम सर्टिफिकेशन के माध्यम से सरकार के पास पंजीकृत 2.38 करोड़ आनौपचारिक सूक्ष्म यूनिट्स द्वारा 2.84 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए गए हैं। वहीं, महिलाओं के लिए 5.23 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। कुल पंजीकृत उद्यमों में से 5.41 करोड़ सूक्ष्म उद्यम, 7.27 लाख लघु उद्यम और 68,682 मध्यम उद्यम शामिल है।

सिग्नेचर ग्लोबल 10,000 करोड़ रुपये के बिक्री बुकिंग टारगेट को कर सकती है पार

मजबूत डिमांड का मिलेगा फायदा

एजेंसी

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि गुरुग्राम प्रॉपर्टी मार्केट में मजबूत आवासीय मांग के मद्देनजर कंपनी 10,000 करोड़ रुपये के बिक्री बुकिंग टार्गेट को पार कर सकती है। अग्रवाल ने इंटरव्यू में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 5,900 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की है। उन्होंने कहा, ''हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग अनुमान लगाया है। हम इतना बड़ा लक्ष्य रखने वाले कुछ ही लिस्टेड रियल एस्टेट डेवलपर्स में से हैं।

गुरुग्राम मार्केट में अच्छी उपस्थिति

कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 7,270 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की थी। सिग्नेचर ग्लोबल की गुरुग्राम बाजार में अच्छी उपस्थिति है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी गुरुग्राम बाजार में जमीन खरीदने के प्रस्तावों पर गौर करने के साथ ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्रॉपर्टी मार्केट्स में प्रवेश करने की भी संभावना तलाश रही है। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.15 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया था। जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में उसे 19.92 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। इस अवधि में कुल आय भी सालाना आधार पर 121.16 करोड़ रुपये से बढ़कर 777.42 करोड़ रुपये हो गई।

टारगेट से ज्यादा परफॉर्म करने की उम्मीद : पहले छह महीनों में मजबूत परफॉर्मेंस को देखते हुए उन्होंने कहा, ''हमें अपने एनुअल टार्गेट से अधिक प्राप्त करने की पूरी उम्मीद है।'' उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही (अक्टूबर 2024 से मार्च 2025) के लिए कई बड़ी परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं। नई और मौजूदा परियोजनाओं के दम पर लक्ष्य को आसानी से हासिल करने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग तीन गुना होकर 5,900 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,860 करोड़ रुपये थी।

अदाणी समूह ने कहा- सभी आरोप निराधार

अमेरिका में गौतम व सागर अदाणी पर लगा रिश्वत देने का आरोप

▸ कंपनी ने कहा, हर संभव कानूनी सहारा लिया जाएगा
▸ ग्रुप की कंपनियां के मार्केट कैप में भारी गिरावट

ब्यूरो

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर अदाणी और एक अन्य के खिलाफ अमेरिकी अदालत में रिश्वतखोरी का आरोप लगने के बाद घरेलू शेयर बाजार में ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयर में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के कारण ग्रुप की कंपनियां के मार्केट कैप में एक झटके में 2.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। खुद गौतम अदाणी के नेटवर्थ में भी 12.1 अरब डॉलर की कमी आ गई। इधर, चौतरफा हमलों से घिरे अदाणी समूह ने इस मामले पर आधिकारिक बयान जारी किया है। अदाणी समूह का कहना है कि अदाणी ग्रीन के निदेशकों के विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। समूह के प्रवक्ता ने यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस और यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन द्वारा अदाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। अदाणी समूह के प्रवक्ता का कहना है, अदानी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं।

फुर्सत के क्षण में सीएम व कल्पना, 'एक्स' पर शेयर की तस्वीर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन (पत्नी) ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वे रिलैक्स करते नजर आ रहे हैं।

फुर्सत के क्षण : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने लिखा है चुनाव प्रचार समाप्ति पर फुर्सत के कुछ क्षण। तस्वीर में कल्पना सोरेन उनके सिर में मालिश करती दिख रही हैं।

मां की छांव में : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने भी सोशल मीडिया 'एक्स' पर तस्वीरें शेयर की है। उन्होंने लिखा है 'चुनावी सभाओं और कल खत्म हुए मतदान के बाद आज मां की छांव में'। झारखंड में दो चरणों में हुए मतदान में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों की जीत के लिए कल्पना सोरेन ने राज्य में कई सभाएं कीं।

मतगणना को लेकर यातायात व्यवस्था में किया गया बदलाव

कल रांची शहर में यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार होगी

- सुबह 08:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक पिस्का मोड़ से तिलता चौक रिंग रोड़ तक छोटे मालवाहक/ऑटो/ई-रिक्शा/बस का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित रहेगा।
- अपराह्न 02:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक रांची शहर में छोटे/बड़े मालवाहक वाहनों का प्रवेश एवं परिचालन वर्जित रहेगा।
- सुबह 08:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक पिस्का मोड से पंडरा एवं काठीटांड़ की ओर जाने वाले सभी ऑटो/ ई-रिक्शा/बस पिस्का मोड से बाये मुड़कर कटहल मोड़ होते हुए अपने गंतव्य स्थान तक जा सकते हैं।
- तिलता रिंग रोड से पिस्का मोड की ओर आने वाले ऑटो/ई-रिक्शा/बस तिलता चौक से बाएं या दाएं मुड़कर रिंग रोड़ से अपने गंतव्य स्थान तक जा सकते हैं।
- न्यू मार्केट चौक से पिस्का मोड़, पिस्का मोड़ चौक से तिलता चौक रिंग रोड बीच के मार्ग का उपयोग शहर में प्रवेश एवं बाहर जाने के लिए कम से कम करें।
- आवश्यकतानुसार विजय जुलूस के दौरान अन्य मार्गों को अल्प समय के लिए डाइवर्ट और रोका किया जा सकता है।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिले के प्रथम/द्वितीय चरण में हुए मतदान की मतगणना 23 नवंबर को कृषि उत्पादन बाजार समिति पण्डरा अवस्थित ब्रज गृह में होना है। मतगणना के दिन विभिन्न प्रत्याशियों एवं उनके सहयोगी हजारों की संख्या में उपस्थित होंगे। चुनाव में विजय हुए प्रत्याशी एवं उनके सहयोगियों द्वारा विजय जुलूस निकाली जायेगी, जिसमें काफी संख्या में आम लोगों का भीड़-भाड़ एवं वाहनों की आवाजाही होगी। उक्त अवसर पर यातायाता व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

अथक परिश्रम के बाद दिल्ली लौटे शिवराज सिंह चौहान, कहा

झारखंड की मीठी यादें साथ लेकर जा रहा हूं

- *पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी के साथ किया अनौपचारिक संवाद, साथ में किया जलपान*
- *कार्यालय के कर्मियों से मिले, साथ बैठे, हाल चाल जाना*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केन्द्रीय कृषि मंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन मंत्री सहित भाजपा पदाधिकारियों को निवास पर आमंत्रित किया। साथ ही अनौपचारिक बैठक कर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं शिवराज सिंह चौहान ने सभी पदाधिकारियों को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

इसके बाद शिवराज सिंह चौहान भाजपा कार्यालय पहुंचे और कार्यालय में कार्यरत सफाईकर्मी, लिफ्टमैन, खाना बनाने वाले सहित सभी कर्मचारियों को चुनाव में अथक परिश्रम और सहयोग के लिए धन्यवाद किया। इस दौरान सभी कार्यकर्ता एवं कर्मचारियों ने श्री चौहान से अपने अनुभव साझा किए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है, परिवार में कोई मंत्री रहता है, कोई मुख्यमंत्री रहता है, लेकिन सभी कार्यकर्ता एक परिवार है जो एक राष्ट्र पुनरुत्थान के मिशन में लगे हुए है।

चुनाव में उन्होंने ने भी दिन और रात मेहनत की है। आज उन सभी से स्नेहिल मुलाकात कर चर्चा की है। वहीं शिवराज सिंह ने कहा कि, झारखंड से बड़ी मीठी स्मृतियाँ लेकर जा रहा हूँ। ये बड़ा अद्भुत प्रदेश है, यहां बहुत संभावनाएं है। यहाँ की जनता ने बहुत स्नेह और प्यार दिया है।

कल चुनाव अभियान का अंतिम दिन था, आज यहां से प्रभारी के तौर पर विदा ले रहा हूं लेकिन केंद्रीय मंत्री के तौर पर झारखंड आता रहूंगा और अपने मंत्रालयों के माध्यम से झारखंड के विकास और यहां की जनता के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करता रहूंगा।

झारखंड में बनेगी एनडीए की सरकार : बीरेंद्र प्रधान

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान ने झारखंड में एनडीए की सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि लोजपा को मिली चतरा सीट के साथ एनडीए 50 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को आम जनता ने स्वीकारा है और प्रदेश की जनता ने एनडीए को अपना आशीर्वाद दिया है। वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली से जनता में आक्रोश देखा गया है। महागठबंधन की हेमंत सरकार विकास के हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। झारखंड की जनता यह समझ चुकी है कि प्रदेश का विकास केवल एनडीए से ही संभव है। केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार रहेगी और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य का विकास होगा। प्रदेश में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, जमुई सांसद एवं झारखंड चुनाव प्रभारी अरुण भारती, खगड़िया सांसद एवं झारखंड के चुनाव सह प्रभारी राजेश वर्मा व प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान ने अपनी टीम के साथ लगातार दौरा एवं जनसंपर्क किया।

नगर निगम ने की मतगणना स्थल की सफाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 23 नवंबर को होने वाले मतगणना को लेकर नगर आयुक्त संदीप कुमार के निर्देश पर पंडरा स्थित मतगणना परिसर व आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सफाई व्यवस्था की जा रही है। छह वाटर टैंकर, तीन चलंत शौचालय और 24 डस्टबीन उक्त स्थान पर रखा गया है।

विधानसभा चुनाव संपन्न 2024

डॉ लंबोदर महतो ने प्रोजेक्ट विद्यालय में बच्चियों को पढ़ाया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। लंबोदर महतो गुरुवार को चुनावी थकान व व्यस्तता को पीछे छोड़ते हुए पेटरवार प्रखंड अंतर्गत सदमा कलां पंचायत के चंद्रपुरा गांव के अपने आवास से पहले सुबह टहलने निकल गए और आसपास के गांवों में जाकर बड़े बुजुर्गों से मिलकर आशीर्वाद लिया। छोटों को स्नेह दिया।साथ ही कई लोगों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना व कुशल क्षेम भी पूछा। इसके बाद आवास लौटकर उन्होंने स्नान करने और पूजा पाठ की। इसके बाद आवास में विभिन्न इलाकों से आए लोगों से बारी-बारी से मिले और फीड बैक लिया। साथ ही असम से आए भाजपा नेताओं से भी मिले। इस बीच बारी-बारी से समाचार पत्रों को पढ़ा। जहां चुनावी खबरों को देखा वहीं देश दुनिया का भी हाल जाना। दोपहर एक पेटरवार के ही प्रोजेक्ट बालिका प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में जाकर करीब एक घंटा पढ़ाया। इसके बाद पेटरवार चौक आकर समाधान केंद्र में गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी की मौजूदगी में एनडीए के नेताओं, कार्यकर्ताओं व समर्थकों के बीच चुनाव अभियान व मतगणना के बाद मिल रहे संकेत व रूझान को लेकर मंत्रणा की। डॉ लंबोदर महतो के चेहरे पर तनिक भी थकान का भाव देखने को नहीं मिला। यहां से निकल कर देर शाम तक लोगों से मिलते रहे। इस बीच कहा कि गोमिया विधानसभा क्षेत्र के गोमिया, पेटरवार व कसमार की जनता का अपार प्रेम व स्नेह हमें प्राप्त हुआ है। समस्त जनता का आभारी हूं। साथ ही एनडीए घटक दल के लोगों के साथ-साथ वैसे सभी लोगों का भी मैं आभारी हूं जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से अपना अपना मुझे सहयोग व समर्थन दिया है।

पृष्ठ एक के शेष

ग्रामीण बैंक बिलासपुर शाखा...

अलावा पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह,थाना प्रभारी आदित्य नायक,धुरकी थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, पुअनि जितेंद्र कुमार,अनुज कुमार सिंह,संजय पासवान,पुलिस जवान कौशल कुमार द्विवेदी,अनिल कुमार राजा,विकास कुमार तिवारी का नाम शामिल है।

प्रज्ञा केंद्र से 80 हजार...

जबकि तीसरा व्यक्ति मोटरसाइकिल पर ही इंतजार कर रहा था। अपराधियों ने राकेश को गोली मारने की धमकी भी दी। जिस डर से राकेश उनका पीछा नहीं कर पाया। पूरी घटना केंद्र के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि अपराधियों ने अपने चेहरे मफलर से ढँक रखे थे। राकेश मेहता ने बताया कि उन्होंने रात में ही अपने खोए हुए मोबाइल फोन को मेल के माध्यम से ढूंढ लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि वे प्रतिदिन शाम 7 से 8 बजे के बीच अपना केंद्र बंद कर देते हैं। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय मौके पर पहुँचे और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वृद्ध की मौत के बाद शव...

यह मामला अस्पताल प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। पहले भी इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन सुरक्षा और प्रबंधन में सुधार नहीं किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोषियों की पहचान की जा रही है। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने भी इस मामले में प्रशासन की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

सात यात्रियों की मौत...

जबकि 25 से अधिक के घायल हो गए। मृतकों में सबसे अधिक संख्या महिलाओं की है। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने हादसे में अब तक सात लोगों की मौत की पुष्टि की है। यह हादसा गोरहर थाना से महज सौ मीटर की दूरी पर हुआ। घायलों में पटना निवासी ऋषभ केशरी, विकास कुमार, रोहन कुमार, हल्दिया निवासी शोमैन सामंता, नंदिता मायती, मनीषा मायती, सुब्रोतो सामंता (आईसीयू में भर्ती), रिजु राज, मालदा निवासी कृष्णा मंडल, रंजन दास शामिल हैं। वहीं शगुफ्ता प्रवीण, सुजीत उपाध्याय को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में बेहतर इलाज के लिए भेजा गया है। मृतकों में 55 वर्षीया राजकुमारी प्रसाद पति मोती चंद प्रसाद, 25 वर्षीया मिस्टी कुमारी पिता शंभुनाथ सामंतो हल्दिया, 45 वर्षीय फैजान मोईन कोलकाता निवासी शामिल हैं। तीन अन्य मृत महिलाओं और एक पुरुष की पहचान नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों के मुताबिक सड़क निर्माण के दौरान निमार्ता कंपनी ने सड़क काटकर छोड़ दिया है। इस कारण बस अनियंत्रित हो गई और गड्ढे में पलट गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण पहुंचे। ग्रामीणों, गोरहर व बरकट्ठा थाने की पुलिस, सीओ बरकट्ठा, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव आदि के मदद से घायलों को बाहर निकाला गया। विदित हो कि वैशाली कंपनी की यह बस (डब्ल्यूबी 76ए1548) कोलकाता से पटना जा रही थी। मंजिल पर पहुंचने से पहले ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटनाग्रस्त हुई बस में यात्रा कर रहे ऋषभ कुमार ने बताया कि बुधवार को रात्रि 9:45 पर बाबू घाट कोलकाता से गाड़ी चली। रात करीब 2:00 बजे एक होटल में रुकी, जहां पर खलासी और ड्राइवर ने धूम्रपान किया। इसके बाद गाड़ी सुबह 6:00 बजे से 6:30 बजे के बीच नियंत्रित होते हुए नजर आई और करीब 6:35 पर गाड़ी पलटी खा गई। हादसे की सूचना मिलते ही डीएसपी अजित कुमार विमल, गोरहर थाना प्रभारी, बरकट्ठा थाना प्रभारी मय फोर्स मौके पर पहुंचे। इसके बाद राहत और बचाव कार्य तेज किया गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर प्राथमिक उपचार करवाया गया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री...

है। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं, मुख्यमंत्री ने एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि हजारीबाग के बरकट्ठा में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। यहां के गोरहर थानाक्षेत्र में एक बस सुबह गड्ढे में गिर गई। इसमें कई लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सड़क हादसे में लोगों के मरने की खबर से मन दुखी है। परमात्मा दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति दें। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल और अन्य घायलों को आवश्यक सहयोग और बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है।

मतदान के बाद राजधानी वासियों ने दी प्रतिक्रियाएं, कहा

नई सरकार काम काज का तरीका बदले, जनता से मिले

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में बुधवार को विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में 38 सीटों पर शांतिपूर्वक मतदान हुआ, जिसमें 1.23 करोड़ मतदाताओं में से 68 प्रतिशत ने मतदान किया। इस से पहले 13 नवंबर को झारखंड के 43 विधानसभा सीटों पर मतदाताओं ने मतदान किया था। मतदान के बाद आने वाली सरकार में बदलाव होगा या यही सरकार रहेगी ये तो 23 नवंबर को पता चलेगा। लेकिन राजधानी रांची के चौक चौराहों पर ये चर्चा हो रही की सरकार से क्या-क्या अपेक्षाएं है। जहां एक ओर कई राजनेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है, वहीं दूसरी ओर जनता भी नई सरकार का इंतजार बेसब्री से कर रही हैं। झारखंड में नई सरकार को लेकर जनता के बीच कशमकश का माहौल है। इसी क्रम में राष्ट्रीय नवीन मेल ने जनता के बीच जाकर जनता का आधार जानने की कोशिश की और जाना की झारखंड राज्य कि राजनीति से कितनी संतुष्ट है झारखंड की जनता।

झामुमो की वापसी पर हेमंत हो सीएम, भाजपा आए तो बाबूलाल है पसंद

झारखंड में पांच वर्ष में सरकार बदला जाना चाहिए : सुरेश चंद्र तिवारी

सरकार जनता की परेशानियों पर बात करे : अन्य व्यापारी

रांची विधानसभा क्षेत्र के व्यापारियों ने कहा चुनाव के रिजल्ट का बेसब्री से इंतजार है। झारखंड में सरकार का बदलाव होना चाहिए। उन्होंने कहा पांच वर्षों में सरकार बदला जाना चाहिए लेकिन जनता के कामों में रुकावट नहीं होनी चाहिए। झारखंड की चुनावी राजनीति पर व्यापारी सुरेश चंद्र तिवारी ने कहा कि चुनाव के दौरान राजनेता अपनी भाषा की मर्यादा को तार-तार करते हैं। यह राजनीति का तरीका नहीं है। बीते वर्षों की बात करें तो राजनीति का स्तर काफी गिरा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियां चुनाव के दौरान कई तरह के प्रलोभन देते हैं जो अनैतिक है। जनता को फ्री में रूपए या राशन बांटने के बजाय जनता के बीच रोजगार बांटे ताकि जनता आलसी ना बने और अपनी मेहनत से रुपए कमाए। वहीं अन्य व्यापारी ने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होनी चाहिए। उन्होंने कहा यदि झारखंड में भाजपा को बहुमत मिलेगी तो मुख्यमंत्री के पद पर बाबूलाल मरांडी को बिठाया जायेगा और अगर इंडिया गठबंधन को बहुमत मिली तो हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री का ताज मिलेगा।

डबल इंजन की सरकार होनी चाहिए : कमल जैन

नई सरकार से कई उम्मीदें हैं : सुनील जैन

कमल जैन, सुनील जैन और रंजित सिंह पेशे से व्यापारी है तीनों व्यापारियों ने कहा झारखंड में मौजूदा सरकार ने व्यापारियों पर बिलकुल ध्यान नहीं दिया। राज्य में व्यापारियों की हालत खराब है। नई सरकार से उम्मीद है कि झारखंड के व्यापरियों के लिए काम करे। वहीं कहा कि सिर्फ व्यापारियों के लिए नहीं बल्कि झारखंड की जनता के लिए बेहतर सरकार बनने की उम्मीद है। झारखंड में डबल इंजन की सरकार होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जरुरी नहीं कि वह भाजपा या कांग्रेस ही हो बल्कि दोनों में से किसी की भी सरकार हो लेकिन डबल इंजन की हो। नई सरकार से कई उम्मीदें हैं।

बिना मतदान किए जनता को सरकार के ऊपर आरोप लगाने का कोई अधिकार नहीं : संजय महतो

संजय महतो ने कहा- इस बार झारखंड विधानसभा चुनाव में बहुत ही कम मतदान हुआ है। रांची शहरी इलाके की अधिकतर जनता ने मतदान नहीं किया। बिना मतदान किए जनता को अधिकार नहीं है कि कोई भी सरकार को बदनाम करे। चाहे वह किसी की भी सरकार हो। उन्होंने कहा कि चुनाव में जनता के बीच प्रलोभन की बरसातें की जाती है। घोषणापत्र में कई तरह के वादे किये जाते हैं। वहीं नई सरकार बनते ही सभी वादे दफन हो जाते हैं। ऐसे में जनता की भावनाओं के साथ सरकार को नहीं खेलना चाहिए।

नई सरकार जनता को जमीनी स्तर से जाने : अनिल सिंह

अनिल सिंह ने कहा- झारखंड में ऐसी सरकार बनाई जानी चाहिए जो जनता को सिर्फ अपने स्तर से नहीं बल्कि जमीनी स्तर से जाने। जनता को अपने प्रतिनिधि पर भरोसा और उससे कई उम्मीदें होती है। इसी भरोसे पर जनता मतदान भी करती है। इसलिए जन प्रतिनिधि जनता के बीच जाकर उनकी परेशानियों को सुने। सरकार या उनके प्रतिनिधि जनता की परेशानियों को सुनेंगे तब ही जनता को सरकार से उम्मीदें रहेगी।

₹1000 या ₹2100 देना समस्या का समाधान नहीं : अभिषेक कुमार प्रसाद

अभिषेक कुमार प्रसाद ने कहा- सरकार आम आदमी के ऊपर ध्यान दे न की चुनाव के वक्त प्रलोभन। ₹1000 या ₹2100 देने से जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा जनता की समस्याओं का समाधान रोजगार व शिक्षा से होगा। उन्होंने कहा कि पहले और आज की राजनीति में अंतर है। पहले राजनीति और राजनेता दोनों में स्वच्छता थी।

लोक व राज्य हित में काम करने वाली सरकार हो : दीपक

झारखंड की राजनीति पर दीपक कुमार ने कहा कि यहां राजनीति में स्वच्छता नहीं रही। जनता के बीच प्रतिनिधि जिस तरह से आपस में बहस करते हैं या अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते है इस से जनता के बीच गलत प्रभाव पड़ता है। यह सब करने के बजाय प्रतिनिधियों को लोक और राज्य हित के लिए काम करना चाहिए।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

भारतीय प्रधानमंत्री को दो राष्ट्रों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से किया सम्मानित

मोदी गुयाना के 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से अलंकृत

एजेंसी

जॉर्जटाउन (गुयाना) (हि.स.)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यहां दो राष्ट्रों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किया। प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना ने अपने सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ गुयाना' और डोमिनिका ने 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी यहां कैरिकॉम शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इनको भारत के लोगों को समर्पित करते हुए एक्स हैंडल पोस्ट पर खुशी और दोनों देशों का आभार जताते हुए यादगार पलों के फोटो भी साझा किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिखा, 'मुझे गुयाना का सर्वोच्च सम्मान, 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली को तहे दिल से धन्यवाद। ये भारत की 140 करोड़ जनता की पहचान है।' उन्होंने दूसरी पोस्ट में लिखा, 'मुझे 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' प्रदान करने के लिए डोमिनिका के राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन का आभार। यह सम्मान मेरी भारत की बहनों और भाइयों को समर्पित है। यह हमारे देशों के बीच अटूट बंधन का भी परिचायक है। नई दिल्ली में आधिकारिक रूप से जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने वाले चौथे विदेशी नेता हैं।

यह पुरस्कार गुयाना के स्टेट हाउस में आयोजित समारोह में गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी दूरदर्शी प्रतिभा के लिए प्रदान किया। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को वैश्विक मंच पर विकासशील देशों के अधिकारों की वकालत करने, वैश्विक समुदाय की असाधारण सेवा और भारत-गुयाना संबंधों को मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वीकार करते समय प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को भारत के लोगों और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया।

'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' से डोमिनिका ने नवाजा

त्रिनिदाद व टोबैगो के यूपीआई अपनाने पर जताई खुशी

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगो के प्रधानमंत्री डॉ कीथ रोवले से मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, 'त्रिनिदाद एवं टोबैगो के प्रधानमंत्री डॉ कीथ रोवले के साथ बहुत उपयोगी बैठक हुई। हमने इस बारे में बात की कि हमारे देशों के बीच व्यापार संबंधों में विविधता कैसे लाई जाए। यह बेहद खुशी की बात है कि त्रिनिदाद और टोबैगो ने यूपीआई को अपनाया है। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर भी एक स्वागत योग्य कदम है।

__एक्स पर लिखा,__ त्रिनिदाद एवं टोबैगो के प्रधानमंत्री डॉ कीथ रोवले के साथ बहुत उपयोगी बैठक हुई

सूरीनाम से दोस्ती मजबूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यहां सूरीनाम के राष्ट्रपति चान संतोखी से भी भेंट हुई है। प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर इस मुलाकात के बारे में लिखा, 'जॉर्जटाउन में सूरीनाम के राष्ट्रपति चान संतोखी से मुलाकात की। हमने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, टेलीमेडिसिन और अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। भारत सूरीनाम में विकास संबंधी विभिन्न पहलों का समर्थन करता रहेगा।

रूजवेल्ट ने छुआ मोदी का दिल

डोमिनिका ने अपने देश का सर्वोच्च पुरस्कार देकर और प्रधानमंत्री मोदी के लिए दिल जीतने वाली बात कहकर सबका ध्यान आकर्षित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पर लिखा, प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट आपके दयालु शब्दों ने मुझे छू लिया है। गहरी विनम्रता और कृतज्ञता के साथ मैं 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' स्वीकार करता हूं। हम आने वाले समय में डोमिनिका के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री की आवाज से सजी वीडियो क्लिप

__जॉर्जटाउन (गुयाना) (हि.स.)।__ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी गुयाना यात्रा के कार्यक्रमों की कुछ खास झलकियां अपनी आवाज में एक वीडियो क्लिप में साझा की हैं। एक्स हैंडल पर प्रस्तुत इस वीडियो क्लिप में प्रधानमंत्री ने अपने मन के उद्गार व्यक्त करते हुए लिखा, 'यहां गुयाना में कार्यक्रमों के मुख्य अंश दिए गए हैं। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में कैरेबियाई देशों के साथ भारत के संबंध और भी मजबूत होंगे।' प्रधानमंत्री मोदी की आवाज से सजी इस वीडियो क्लिप में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उनके सबसे महत्वपूर्ण अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' की झलक भी है।

वक्फ पर जेपीसी अध्यक्ष बोले

रिपोर्ट तैयार, विपक्ष को नहीं है स्वीकार

नई दिल्ली (हि.स.)। वक्फ संशोधन विधेयक-2024 पर गठित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल का कहना है कि समिति की रिपोर्ट लगभग तैयार है और इसे समय से सदन को भेजा जाएगा। हालांकि, विपक्ष को इसपर आपत्ति है और समिति का कार्यकाल बढ़ाना चाहता है। संयुक्त संसदीय समिति की गुरुवार को पार्लियामेंट हाउस एनक्सी में बैठक हुई। आज की बैठक में अल्पसंख्यक मंत्रालय से रिपोर्ट पर बिंदुवार टिप्पणियां ली गईं। पत्रकारों से बातचीत में अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, हमने विधेयक पर विस्तार से चर्चा की है और विभिन्न हित धारकों से विस्तृत टिप्पणियां ली हैं। हमारी मौसादा रिपोर्ट तैयार है और सर्वसम्मति के साथ हम इसे सदन को भेजेंगे। विपक्ष के अलग रुख पर पत्रकारों से बातचीत में अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बताया कि विपक्ष के लोग चाहें, तो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर सकते हैं। समिति के कार्यकाल को लेकर निर्णय लेने का फैसला सदन और लोकसभा अध्यक्ष के पास है।

भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का पक्षधर : राजनाथ सिंह

11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक को राजनाथ ने किया संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लाओ पीडीआर के वियनतियाने में 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस फोरम को संबोधित किया। बैठक में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, बिना बाधा के वैध वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का पक्षधर है। आचार संहिता पर चर्चाओं पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसी संहिता देखना चाहेगा, जो उन देशों के वैध अधिकारों और हितों को नुकसान न पहुंचाए, जो इन विचार-विमर्शों में पक्ष नहीं हैं। उन्होंने कहा कि संहिता अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून 1982 के साथ पूरी तरह से सुसंगत होनी चाहिए। 11वें एडीडीएम-प्लस फोरम में 10 आसियान देश, आठ से अधिक देश और तिमोर लेस्ते शामिल थे। बैठक की अध्यक्षता लाओस के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री जनरल चांसमोन चान्यालथ ने की। अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए चल रहे संघर्षों और चुनौतियों पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह 'भाग्य' है कि 11वीं एडीएमएम-प्लस लाओ पीडीआर में आयोजित की जा रही है, जिसने अहिंसा और शांति के बौद्ध सिद्धांतों को आत्मसात किया है। उनका मानना था कि अब समय आ गया है कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को सभी द्वारा और अधिक निकटता से अपनाया जाए, क्योंकि दुनिया तेजी से ब्लॉकों और शिविरों में विभाजित हो रही है। इससे स्थापित विश्व व्यवस्था पर तनाव बढ़ रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हमेशा जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए संवाद का पक्षधर रहा है और इसका अभ्यास भी किया है। खुले संवाद और शांतिपूर्ण बातचीत के प्रति यह प्रतिबद्धता सीमा विवादों से लेकर व्यापार समझौतों तक, अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों की एक विस्तृत शृंखला के प्रति भारत के दृष्टिकोण में स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि खुला संवाद विश्वास, समझ और सहयोग को बढ़ावा देता है तथा स्थायी साझेदारी की नींव रखता है। संवाद की शक्ति हमेशा प्रभावी साबित हुई है, जिसके ठोस परिणाम मिले हैं, जो वैश्विक मंच पर स्थिरता और सद्भाव में योगदान करते हैं। भारत का मानना है कि वैश्विक समस्याओं का वास्तविक, दीर्घकालिक समाधान तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब राष्ट्र रचनात्मक रूप से जुड़ें, एक-दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करें और सहयोग की भावना से साझा लक्ष्यों की दिशा में काम करें। 21वीं सदी को 'एशियाई सदी' बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि विशेष रूप से आसियान क्षेत्र हमेशा से आर्थिक रूप से गतिशील रहा है और व्यापार, वाणिज्य और सांस्कृतिक गतिविधियों से भरा रहा है।

रक्षा मंत्री अमेरिकी समकक्ष से मिले, जेट इंजन पर बढ़ सकती है बात

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लाओ पीडीआर के वियनतियाने में 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)-प्लस के दौरान अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने परिचालन समन्वय, सूचना-साझाकरण और औद्योगिक नवाचार में वृद्धि के आधार पर भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी से हासिल की गई प्रगति की सराहना की। दोनों पक्षों ने जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे सहयोग सहित अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी। बैठक में राजनाथ सिंह ने अगस्त 2024 में अमेरिका की अपनी हाल की सफल यात्रा को याद किया, जिसमें दो महत्वपूर्ण दस्तावेजों, आपूर्ति सुरक्षा समझौता (एसओएसए) और संपर्क अधिकारियों की तैनाती के बारे में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे। दोनों पक्षों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत को बनाए रखने के लिए सैन्य साझेदारी और अंतर-संचालन को सुदृढ़ करने के लिए चल रहे प्रयासों का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 21 सितंबर, 2024 को आयोजित सफल क्वाड शिखर सम्मेलन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए राजनाथ सिंह ने दोनों पक्षों को सहमत परिणामों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

लगातार 10वें साल लंदन चुना गया दुनिया का सर्वश्रेष्ठ शहर

लंदन (आईएएनएस)। लंदन को लगातार 10वें साल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों की वार्षिक रैंकिंग में बेस्ट सिटी चुना गया। ब्रिटिश राजधानी ने न्यूयॉर्क, पेरिस और टोक्यो को पीछे छोड़ते हुए टॉप स्पॉट बरकरार रखा। रियल एस्टेट, पर्यटन और आर्थिक विकास में ग्लोबल एडवाइजर, रेजोनेंस द्वारा संकलित रैंकिंग, 1 मिलियन से अधिक आबादी वाले शहरों का मूल्यांकन करती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लंदन का दबदबा रैंकिंग में हमेशा रहा है। भले ही मूल्यांकन मानदंड हर साल बदलते रहते हैं। रैंकिंग लंदन की ग्लोबल अपील को दर्शाती है।

बाइडेन ने यूक्रेन के 4.7 बिलियन डॉलर ऋण को किया माफ

वाशिंगटन (आईएएनएस)। बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन को दिए लगभग 4.7 अरब डॉलर के अमेरिकी कर्ज को माफ करने का फैसला किया है। यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति देने के बाद कीव के लिए अमेरिका राष्ट्रपति का यह एक और बड़ा कदम है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अधिकारियों को 20 जनवरी को पद छोड़ने से पहले यूक्रेन को यथासंभव सहायता पहुंचाने का आदेश दिया है। यह आदेश इस चिंता के बीच दिया गया कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद अमेरिकी समर्थन को सीमित कर सकते हैं।

गाजा में युद्धविराम की मांग वाले यूएन प्रस्ताव पर अमेरिका का वीटो

रामल्लाह (आईएएनएस)। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव पर वीटो लगाने के लिए अमेरिका की निंदा की है, जिसमें युद्ध विराम और गाजा पट्टी में इजरायली आक्रमण को समाप्त करने का आह्वान किया गया था। अमेरिका ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस मसौदा प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया, जिसमें गाजा में तत्काल युद्ध विराम की मांग की गई थी। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वाफा द्वारा प्रकाशित एक वक्तव्य के अनुसार राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को कहा कि अमेरिका ने चौथी बार अपने वीटो का इस्तेमाल किया।

एजुकेशन/करियर

नीट में कम नंबर के बावजूद बना सकते हैं मेडिकल में करियर

नीट के लिए उपस्थित होते हैं जो मेडिकल ग्रेजुएट कार्यक्रम में प्रवेश का मुख्य रास्ता है। नीट यूजी 2024 परीक्षा में कम अंक मिलने से उन उम्मीदवारों को कठिनाई हो सकती है जो डॉक्टर बनना चाहते हैं। हालांकि बेहतर तैयारी के बावजूद, कई छात्रों को प्रतिस्पर्धा के कठिन स्तर के कारण नीट में कम अंक मिलते हैं। नीट में कम अंक आने पर उम्मीद खो देना करियर की समस्या का हल नहीं है क्योंकि सिर्फ एक नीट परीक्षा परिणाम छात्रों के भविष्य का फैसला नहीं कर सकता। हालांकि, उम्मीदवारों को नीट में कम अंक हासिल करने के बाद अन्य उपलब्ध विकल्पों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यहां जानिए ऐसे कुछ ही करियर ऑप्शन के बारे में।

- **नीट में मिले कम अंक तो ना हों निराश, फिर दे सकते हैं एग्जाम :** अगर आप नीट यूजी एग्जाम में कामयाब नहीं हो पाए हैं, तो निराश होने की जरूरत नहीं है। आपके पास और भी बहुत सारे रास्ते हैं। आप नीट यूजी एग्जाम को फिर से दे सकते हैं। अच्छी तैयारी और एग्जाम पैटर्न को दोबारा समझकर बहुत से छात्र अपने अंकों में सुधार करते हैं।
- **एमबीबीएस या बीडीएस के अलावा भी हैं विकल्प :** अगर आप एमबीबीएस या बीडीएस में दाखिला नहीं ले पा रहे हैं, तो चिंता न करें। बीएससी नर्सिंग, बी फार्मा जैसे दूसरे मेडिकल कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।
- **मेडिकल से जुड़े टेक्नोलॉजी कोर्स :** हेल्थकेयर के क्षेत्र में कई तरह के करियर ऑप्शन मौजूद हैं। आप मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी, ऑप्टोमेट्री, मेडिकल रिकॉर्ड साइंस, ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।
- **मेडिकल रिसर्च में करियर :** अगर आपको रिसर्च या पढ़ाई-लिखाई का शौक है, तो आप बायोमेडिकल साइंसेज या उससे जुड़े क्षेत्रों में बैचलर डिग्री ले सकते हैं। इससे आपको रिसर्च, फार्मास्यूटिकल्स, या शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाने में मदद मिल सकती है।
- **12वीं के बाद हेल्थकेयर डिप्लोमा :** बारहवीं के बाद आप हेल्थकेयर से जुड़े कई डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं, जैसे कि मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी, रेडियोग्राफी, नर्सिंग असिस्टेंट।

दूसरी फील्ड का रास्ता अपनाएं

नीट के अलावा भी हैं कई प्रवेश परीक्षाएं

अगर आपकी रुचि किसी और क्षेत्र में है, तो आप उस क्षेत्र के प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आपको इंजीनियरिंग में दिलचस्पी है, तो आप जी मेन, बीआईटीएसएटी, या राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। मेडिकल के अलावा भी आपके पास करियर के कई रास्ते खुले हैं। आप अपनी रूचि के अनुसार इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस या किसी अन्य क्षेत्र में जा सकते हैं।

स्किल डेवलपमेंट कोर्स : आप अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार कौशल विकास कार्यक्रम या बिजनेस पाठ्यक्रमों में भी दाखिला ले सकते हैं। ये कोर्स आपको प्रैक्टिकल स्किल सिखाएंगे और आपको नौकरी के लिए तैयार करेंगे।